शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 70 | गुवाहाटी | गुरुवार, 5 अक्तूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हर बुराई में कांग्रेस अध्यक्ष को दिखती अच्छाई : पीयूष पेज 3
प्रधानमंत्री आज राजस्थान और मध्य प्रदेश के दौरे पर पेज 4
आधुनिक और भव्य तरीके से मनाया जाएगा दशहरा महोत्सव : रामलीला कमेटी पेज 5
हिंदू संगठनों ने नूंह हिंसा के आरोपी मामन खान की रिहाई का किया विरोध पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

Door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

बिना कष्ट के ये जीवन एक बिना नाविक के नाव जैसा है, जिसमें खुद का कोई विवेक नहीं। एक हल्के हवा के झोके में भी चल देता है।

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

सिक्किम में बादल फटा, सेना के 23 जवान लापता, पांच की मौत

नई दिल्ली। सिक्किम के ल्होनक झील के ऊपर अचानक बादल फटने से तीस्ता नदी में भीषण बाढ़ आ गई है। इस बाढ़ में सेना के 23 जवान लापता हो गए हैं। हालांकि, केंद्रीय जल आयोग ने बताया कि तीस्ता नदी का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे है। पीएम मोदी ने सिक्किम में आई भीषण बाढ़ को लेकर सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग से बात की। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि सिक्किम के हालातों को लेकर राज्य के सीएम से बात की और उनसे दुर्भाग्यपूर्ण प्राकृतिक आपदा की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सिक्किम में किसी भी चुनौती से निपटने में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया गया है। मैं प्रभावित लोगों की सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रार्थना करता हूं। केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार, तीस्ता नदी का जलस्तर बुधवार दोपहर एक बजे तक खतरे के निशान से नीचे था। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार देर रात बादल फटने से तीस्ता नदी में भीषण बाढ़ आ गई। पांच लोगों की मौत हो गई और सेना के 23 जवान भी -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा के दो विद्रोही गुटों पर पांच साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने त्रिपुरा के दो विद्रोही गुटों नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) पर पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया। यह प्रतिबंध दोनों समूहों के सहयोगी संगठनों पर भी लागू होगा। इन पर देश की संप्रभुता और एकता के खिलाफ गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। गृह मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर कहा कि एनएलएफटी और एटीटीएफ का उद्देश्य भारत से अलग कर त्रिपुरा को अलग राष्ट्र बनाना है। इसके लिए ये गुट कई साल से अन्य संगठनों की सहायता से सशस्त्र विद्रोह कर रहे हैं और त्रिपुरा के लोगों को उकसा रहे हैं। केंद्र सरकार का मानना है कि दो गुट विध्वंशक और हिंसक गतिविधियों में शामिल हैं और अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए आतंक फैला रहे हैं। ये दोनों गुट नागरिकों और सुरक्षा बलों के जवानों की हत्या में शामिल रहे हैं। इसके साथ ही ये कारोबारियों, व्यापारियों और जनता से वसूली करते हैं। ये दोनों गुट देश की संप्रभुता और एकता के लिए खतरा हैं।

उज्ज्वला योजना वाले सिलेंडर पर बढ़ी सब्सिडी

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बड़ा फैसला हुआ है। सरकार ने उज्ज्वला स्कीम में दी जाने वाली सब्सिडी में इजाफा किया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि अब उज्ज्वला स्कीम में अब सरकार की ओर से एक सिलेंडर पर सब्सिडी बढ़कर 300 रुपए मिलेगी। पहले सरकार एक सिलेंडर पर 200 रुपए सब्सिडी दे रही थी। इससे पहले 30 अगस्त 2023 को हुई कैबिनेट की मीटिंग में सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर -शेष पृष्ठ दो पर

अस्पताल जिसे कहा मृत वह नवजात मिला जीवित

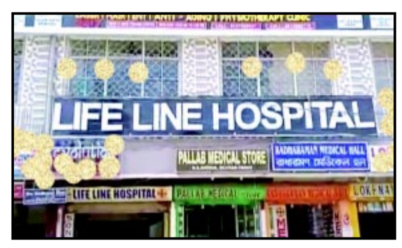

कछार (हि.स.)। सिलचर के लाइफ लाइन हॉस्पिटल द्वारा मृत घोषित किए गए एक नवजात शिशु के जीवित होने को लेकर जिला मुख्यालय शहर सिलचर में उत्तेजना का माहौल है। आज सुबह अस्पताल के डॉक्टरों ने नवजात शिशु को यह कहते हुए मृत घोषित कर दिया कि बच्चे की मौत मां के पेट में ही हो चुकी है। इसके बाद शिशु को मुर्दाघर में भेज दिया गया। शिशु के काफी समय तक मुर्दाघर में रहने के बाद उसके परिवार वालों द्वारा उसे श्मशान में ले जाया गया। लेकिन, अंतिम संस्कार से ठीक -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

रीप हजारिका नए सूचना आयुक्त

गुवाहाटी (हि.स.)। रीप हजारिका को असम राज्य सूचना आयोग के राज्य सूचना आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्हें असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने एक अधिसूचना के माध्यम से नियुक्त किया है। उल्लेखनीय -शेष पृष्ठ दो पर

रणबीर कपूर को ईडी का समन

मुंबई (हि.स.)। बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर को एक ऑनलाइन गेमिंग ऐप के मामले में ईडी ने समन भेजा है। ईडी ने रणबीर कपूर को 6 अक्तूबर को पूछताछ के लिए पेश होने का आदेश दिया है। महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में कई बॉलीवुड अभिनेता और गायक ईडी के राडार पर हैं। ईडी इस बात की भी जांच कर रहा है कि महादेव बेटिंग ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर की शादी और सक्सेस पार्टी में कौन-कौन मौजूद था। रणबीर -शेष पृष्ठ दो पर

मारे गए अल्फा (स्वा.) कैडरों के शव लाएगी पुलिस

गुवाहाटी (हि.स.)। अल्फा (स्वा.) ने अपने दो कैडरों को संगठन विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में मौत की सजा दी है। अल्फा ने दोनों कैडरों के शव जंगल में फेंक दिए हैं। इन दोनों शवों को जंगल से लाने की बात ही है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने अल्फा (स्वा.) से जंगल में दोनों शवों के स्थान बताने की अपील की है। बुधवार को पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने कहा है कि -शेष पृष्ठ दो पर

आप सांसद संजय सिंह गिरफ्तार

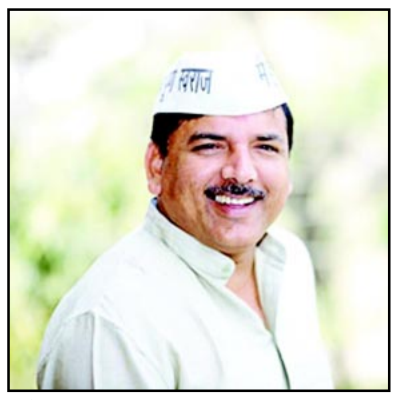

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को दिल्ली सरकार के आबकारी नीति घोटाला मामले में बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है। आप ने कहा है कि भाजपा सरकार राजनीतिक प्रतिशोध में ऐसा कर रही है। वहीं, भाजपा नेताओं ने कहा है कि आबकारी नीति घोटाले में आप नेताओं ने दिल्ली सरकार के करोड़ों के राजस्व को चूना लगाया है। उसी का यह प्रतिफल है। सूत्रों ने बताया कि आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लान्ड्रिंग के एक मामले में ईडी ने आज सुबह करीब सात बजे संजय सिंह के 131 नार्थ एवेन्यू आवास पर छापेमारी की। संजय सिंह को ईडी के ऑफिस ले जाया गया जहां उनका बयान दर्ज किया गया। अब उन्हें गुरुवार को कोर्ट के समक्ष पेश किया जा सकता है। जहां जांच एजेंसी उनकी हिरासत की मांग करेगी। इसके साथ ही करीब 900 करोड़ रुपए के इस आबकारी नीति घोटाला मामले में दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के बाद आप के दूसरे बड़े नेता की गिरफ्तारी है। विधायक मनीष सिसोदिया जेल में बंद हैं। सिसोदिया को सीबीआई -शेष पृष्ठ दो पर

दुष्कर्म और हत्या के दो दोषियों को सजा-ए-मौत

अगरतला। त्रिपुरा की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने साल 2019 में छह वर्षीय नाबालिग के साथ दुष्कर्म और हत्या के दो आरोपितों को दोषी मानते हुए मृत्युदंड की सजा सुनाई है। चार साल की कानूनी लड़ाई के बाद कोर्ट ने मंगलवार को सजा सुनाई। सहायक लोक अभियोजक सुदर्शन शर्मा ने बताया कि गत 17 जून 2019 को धर्मनगर में पड़ोसियों ने बालिका का अपहरण कर लिया था। इसके बाद उसका शव घर से तकरीबन छह किमी दूर चाय के बागान में मिला -शेष पृष्ठ दो पर

रसायन के नोबेल मौंगी जी. बावेंडी, लुईस ई. ब्रूस और एलेक्सी आई. एकिमोव को

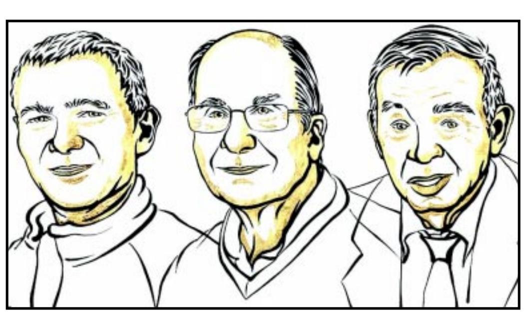

वॉशिंगटन। रसायन विज्ञान के क्षेत्र में 2023 के नोबेल पुरस्कार का एलान कर दिया गया है। इस साल यह सम्मान संयुक्त रूप से मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मौंगी जी. बावेंडी, कोलंबिया विश्वविद्यालय से लुईस ई. ब्रूस और नैनोक्रिस्टल टेक्नोलॉजी में काम करने वाले एलेक्सी आई. एकिमोव को दिया गया है। पुरस्कार क्वांटम डॉट्स की खोज और संश्लेषण के लिए के लिए दिया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने बुधवार को इसका एलान किया। इससे पहले बीते सोमवार को फिजियोलॉजी या मेडिसिन क्षेत्र के लिए इस सम्मान के विजेताओं के नाम का एलान किया गया था। इस साल कैटालिन कारिको -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिका में हेल्थ सेक्टर की सबसे बड़ी हड़ताल, स्वास्थ्य सेवाएं ठप

लॉस एंजिलिस। बुधवार सुबह 75,000 से अधिक कैसर परमानेंट कर्मचारियों ने काम से किनारा करते हुए हड़ताल कर दी है। वर्जीनिया, कैलिफोर्निया और तीन अन्य राज्यों में स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के वेतन और स्टाफ की कमी को लेकर हड़ताल हुई, जिसे अमेरिकी इतिहास की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा हड़ताल कहा जा रहा है। *कैसर परमानेंट* अमेरिका का सबसे बड़े बीमाकर्ता एवं स्वास्थ्य देखभाल सेवा परिचालक है जिसके अंतर्गत 39 अस्पतालों का संचालन होता है। यह गैर लाभकारी कंपनी है और कैलिफोर्निया के ओकलैंड से संचालित होती है तथा -शेष पृष्ठ दो पर

15 घंटे में 13 बार हिली नेपाल की धरती

काठमांडू/नई दिल्ली। नेपाल के पश्चिमी हिस्से में आए मंगलवार को भूकंप के बाद सब कुछ सामान्य नहीं चल रहा है। क्योंकि नेपाल में मंगलवार दोपहर दो बजे से लेकर बुधवार की सुबह पांच बजे तक लगातार धरती का हिलना जारी रहा। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के आंकड़ों के मुताबिक इन 15 घंटों में नेपाल के पश्चिमी इलाके में बने एपिसेंटर से 13 बार नेपाल के अलग-अलग हिस्सों में भी धरती का कंपन महसूस किया गया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि जिस तरीके से लगातार प्रत्येक घंटे में औसतन चार की तीव्रता से ज्यादा वाले भूकंप नेपाल में आ रहे हैं, वह खतरे की ओर इशारा भी कर रहे हैं। हालांकि वैज्ञानिकों का मानना है कि जिस तरीके के आफ्टर शॉक्स लगातार बने हुए हैं और तीव्रता बढ़ती है तो निश्चित तौर पर खतरा भी बड़ा हो सकता है। जिसका उसका असर नेपाल के साथ-साथ भारत के अलग अलग हिस्सों समेत दिल्ली-एनसीआर तक में देखा जा सकता है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के आंकड़ों के मुताबिक नेपाल में पहली बार मंगलवार को भूकंप दो बजकर 25 मिनट पर 4.6 की तीव्रता का आया था। उसके ठीक 26 मिनट बाद यानी दो बजकर मिनट पर नेपाल में जबरदस्त तरीके की धरती हिली। उस वक्त भूकंप की तीव्रता 6.2 की आंकी गई। यही वह दो भूकंप के झटके थे, जिन्हें दिल्ली-एनसीआर समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में जबरदस्त तरीके से महसूस किया गया। आंकड़े बताते हैं कि नेपाल में इन दो बड़े झटकों के बाद एक नियमित अंतराल पर लगातार बुधवार की सुबह तक भूकंप के झटके आते रहे। इन दो झटकों के बाद मंगलवार दोपहर बाद तीन बजे से लेकर चार बजे के अंतराल में तीन -शेष पृष्ठ दो पर

सर तन से जुदा के नारे से भड़का आक्रोश, अनिश्चितकालीन कर्फ्यू

काठमांडू (हि.स.)। इस्लामिक कट्टरपंथियों के तरफ से *सर तन से जुदा* वाले आपत्तिजनक नारा लगाने के बाद नेपालगंज में हिन्दू समुदाय के तरफ से विरोध प्रदर्शन किया गया। हिन्दुओं के प्रदर्शन पर मुस्लिम बस्ती में पथराव के बाद स्थिति तनावपूर्ण बन गई, जिसके कारण अनिश्चितकालीन कर्फ्यू आदेश जारी कर दिया गया है। स्थिति को नियंत्रण से बाहर जाता देख प्रशासन को सेना की भी मदद लेनी पड़ रही है। घटना की शुरूआत सोमवार से हुई, जब एक फेसबुक स्टेटस को लेकर नेपालगंज वार्ड नंबर पांच के वार्ड अध्यक्ष सराफत खान ने कुछ असामाजिक युवाओं के साथ सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने के लिए कई आपत्तिजनक बातें कही। नेपालगंज पुलिस के तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि खान के बयान के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

विश्व कप के मैचों से पहले धर्मशाला में खालिस्तान के समर्थन में नारा लिखा मिला

धर्मशाला (हि.स.)। एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप के मैच शुरू होने से ठीक पहले यहां एक सरकार भवन की दीवार पर खालिस्तान समर्थन में नारे लिखे मिलने से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। नगर में खालिस्तान समर्थकों की मौजूदगी से सुरक्षा एजेंसियों की भी नींद उड़ गई है। इस मामले में थाना सदर धर्मशाला में केस दर्ज किया गया है। पुलिस छानबीन कर रही है। दरअसल, धर्मशाला स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम में विश्वकप क्रिकेट का पहला मैच 7 अक्तूबर को ला जाना है। बुधवार को शहर के बीचोंबीच स्थित जल शक्ति विभाग के कार्यालय की दीवार पर अंग्रेजी में खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लिखा दिखने के बाद स्थानीय व्यक्ति ने मामले की सूचना पुलिस को दी थी।इससे प्रशासन में हड़कंप मच गया। इस प्रशासन ने आनन फानन में इस नारे को मिटवाया। बुधवार को पुलिस ने इस संदर्भ में

अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया गया कि मंगलवार की रात किन्हीं लोगों ने सरकारी विभाग की दीवार पर स्प्रे पेंट से खालिस्तान जिंदाबाद लिखा दिया है। इस घटना के दौरान आईपीएच विभाग का चौकीदार अश्वनी कुमार रात को ड्यूटी पर था। उसने पुलिस को बताया कि उसे इस बारे कुछ पता नही चल पाया। इस संबंध में एसपी कांगड़ा शालिनी अग्निहोत्री ने बताया कि इस मामले में थाना सदर धर्मशाला में केस दर्ज कर लिया गया है और जांच के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया है। पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है। वहीं उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली वीडियो मैसेज के जरिये खालिस्तान समर्थक के मुखिया पंतवत सिंह पन्नु ने विश्व कप के मैचों में खलल डालने की बात कही गई है, लेकिन पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है और यहां सुरक्षा के माहौल में सफलतापूर्वक मैच करवाये जाएंगे। उल्लेखनीय है कि इन दिनों कनाडा में आतंकी निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के बीच तनाव चल रहा है। इस घटना को देश में माहौल बिगाड़ने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। इससे पूर्व धर्मशाला के तपोवन स्थित विधानसभा की दीवारों पर भी खालिस्तान समर्थकों के इसी तरह के नारे लिखे मिले थे। हालांकि बाद में इस मामले की जांच पड़ताल के बाद आरोपितों को पकड़ने का पुलिस ने दावा किया था और कुछ लोगों को पंजाब से पकड़कर धर्मशाला भी लाया गया था।

अस्पतालों में हुई मौतों को लेकर अदालत सख्त, सरकार से मांगा विवरण

मुंबई। महाराष्ट्र के नांदेड़ और छत्रपति संभाजीनगर में राज्य सरकार द्वारा संचालित अस्पतालों में हुई मौतों पर बॉंबे हाईकोर्ट बेहद सख्त दिखाई दे रहा है। हाईकोर्ट ने पूरे मामले पर सख्त रवैया

अपनाते हुए स्वत: संज्ञान लिया है। साथ ही कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से मामले पर विवरण देने को कहा है। मुख्य न्यायधीश डीके उपाध्याय और न्यामूर्ति आरिफ की खंडपीठ ने राज्य सरकार से स्वास्थ्य के लिए राज्य के बजटीय आवंटन के बारे में विवरण देने को कहा है। मंगलवार को वकील मोहित खन्ना ने पीठ को पत्र लिखकर मौतों पर स्वत: संज्ञान लेने का अनुरोध किया था। खन्ना ने अपने पत्र में कहा कि 30 सितंबर से 48 घंटों में नांदेड़ के डॉ. शंकरराव चव्हाण सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में शिशुओं सहित 31 मौतें दर्ज की गई हैं। साथ ही पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि छत्रपति संभाजीनगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 2 से 3 अक्तूबर के बीच शिशुओं सहित 18 मरीजों की मौत दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए बॉंबे हाईकोर्ट ने कहा कि वह गुरुवार को मामले की सुनवाई करेगा।

हवन के साथ आर्य समाज मॉडल टाउन का 71वां वार्षिकोत्सव शुरू

हिसार (हिंस)। आर्य समाज मॉडल टाउन का 71वां वार्षिकोत्सव बुधवार को हवन व ध्वजारोहण के साथ शुरू हुआ। हवन में राजकुमार डुडेजा, कर्मवीर, राजेन्द्र भाटिया सपत्नीक यजमान एवं सुमन बत्रा व साधना मेहता भी यजमान रहे। यज्ञ के ब्रह्मा एवं मंच संचालन आर्य समाज के आचार्य सूर्यदेव वेदांशु ने किया। यजमानों ने व उपस्थित लोगों ने यज्ञ में आहुतियां डालीं। हवन उपरांत आर्य समाज, मॉडल टाऊन के प्रधान सेठ जगदीश प्रसाद आर्य ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद सत्संग का आयोजन किया गया। वार्षिकोत्सव के पहले दिन मुख्य वक्ता के रुप में आगरा से आचार्य हरिशंकर अगिनहोत्री ने संबोधित किया। बरेली से आये भजनोपदेशक भानु प्रकाश व अजमेर से पं. भूपेंद्र सिंह आर्य ने प्रेरणादायी भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर गंगादत्त अहलावत, जगदीश प्रसाद आर्य, पवन रावलवासिया, रामपाल आर्य, वीरेंद्र आर्य, आचार्य रामस्वरुप, सुरेश शास्त्री, अशोक गौतम एवं गुरुकुल आर्य नगर के ब्रह्मचारी गण के अलावा निर्मला, सविता वेदांशु, सुनीता सहारण, विद्योत्मा, सौम्या एवं कन्या गुरुकुल डोभी की ब्रह्मचारिणियां आदि सैकड़ों श्रोता उपस्थित रहे।

अरुणाचल के दौरे पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री कपिल मोरेश्वर पाटिल

इटानगर (हिंस)। केंद्रीय पंचायती राज राज्य मंत्री कपिल मोरेश्वर पाटिल ने आज अरुणाचल प्रदेश के लोवार सुबनसिरी जिला मुख्यालय जीरो का दौरा करते हुए लोवार सुबनसिरी जिले में हो रहे विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया। मंत्री ने जिला सचिवालय सभाकक्ष में कार्यालय प्रधानों एवं जिला परिषद सदस्यों के साथ सभी केंद्र प्रायोजित कार्यक्तमों की समीक्षा बैठक में शामिल हुए। उन्होंने विभागों को *कन्वर्जेंस मोड* पर काम करने और केंद्र सरकार की परिकल्पना के अनुसार लोगों को निर्वाध सेवा प्रदान करने की सलाह दी। देशभक्त, स्पष्टवादी और मेहमानों के प्रति ग्रहणशील होने के लिए राज्य के लोगों की सराहना की। बाद में मंत्री ने बीरी में पंचायत भवन-सह-सामान्य सेवा केंद्र, नागो पुतु में मछली तालाब के साथ इको फ्रेंडली चिल्ड्रेन पार्क का उद्घाटन किया और सुबनसिरी सदन में कृषि मशीनरी पर उप-मिशन के तहत कुछ लाभार्थियों को कृषि मशीनरी वितरित की। मंत्री ने इटानगर वापस जाने से पहले सीह अमृत सरोवर और सिद्धेश्वर नाथ मंदिर का भी दौरा किया। केंद्रीय मंत्री पाटिल अरुणाचल के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे थे, उन्होंने 3 अक्तूबर को राज्य ग्रामीण जीवंत हुड मिशन (एसआरएलएम), राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईआरडी) योजनाओं के चार महत्वपूर्ण विषयों पर इटानगर में पंचायत राज के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की, जिसे पंचायती राज विभाग के तहत केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है।

हैलाकांदी पुलिस ने दो कांस्टेबल को किया गिरफ्तार

हैलाकांदी (हिंस)। हैलाकांदी पुलिस ने दो पुलिस कांस्टेबलों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आज बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों ही

कांस्टेबल ड्रग्स की तस्करी में शामिल होने के आरोपी थे। गिरफ्तार हुए कांस्टेबलों की पहचान यूनिस अली और नारायण दास के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि असम राइफल्स द्वारा दोनों कांस्टेबलों के ड्रग्स तस्करी में शामिल होने संबंधी दिए गए तथ्यों के आधार पर कांस्टेबलों को गिरफ्तार किए गए हैं। इस सिलसिले में कानूनी प्रक्तिया शुरू की गई है।

हरिमंदिर साहिब की तस्वीर का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बुधवार को पंजाब सिविल सचिवालय-1 में सिफ्ती के घर श्री हरिमंदिर साहिब की नयी लगी तस्वीर का लोकार्पण किया। यहां दशकों पहले लगी तख्त श्री केसगढ़ साहब, श्री आनन्दपुर साहिब की तस्वीर की जगह अब यह 29 फुट लम्बी और 11 फुट ऊंची तस्वीर लगाई गई है। सूचना एवं लोक संपर्क विभाग ने हरिमंदिर साहिब की कई तस्वीरें मुख्यमंत्री को दिखाई थी, जिनमें से इस तस्वीर का चयन किया गया। यह तस्वीर विशेष ट्रांसलिट शीट पर छपी है और तस्वीर को रोशन करने के लिए इसके पीछे 150 एलईडी लाइटें लगाई गई हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री मान ने कहा कि श्री हरिमंदिर साहिब पंजाबियों ख़ासतौर पर सिखों के लिए दुनिया का सबसे पवित्र स्थान है। यह स्थान समूची मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि यह पवित्र स्थान हमें हमेशा से अपने कर्तव्य को पूरे समर्पण और ईमानदारी से निभाने के लिए प्रेरित करता रहा है।

याक चुरपी, खामती चावल और तांगसा वस्त्र के लिए अरुणाचल को किया गया सम्मानित

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश को चेन्नई में जीआई रजिस्ट्री द्वारा खामती चावल, तवांग से याक चुरपी और तांगसा वस्त्र के लिए भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग से सम्मानित किया गया है। बता दें कि खाम्ती चावल नामसाई जिले में उत्पादित चिपचिपा चावल की एक किस्म है। यह अपने स्वाद के लिए जाना जाता है। चुरपी एक पनीर उत्पाद है जो भारत, नेपाल और भूटान के हिमालयी क्षेत्र में व्यापक रूप से खाया जाता है। अरुणाचल प्रदेश में इसका उत्पादन बड़े पैमाने पर तवांग जिले में होता है। चांगलांग जिले की तांगसा जनजाति के कपड़ा उत्पाद अपने आकर्षक डिजाइन और रंगों के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के *वोकल फॉर लोकल* अभियान के अनुरूप, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) भौगोलिक संकेत (जीआई) के लिए क्षेत्र से स्वदेशी उत्पादों के पंजीकरण का समर्थन करने में सक्रिय रूप से शामिल है। नाबार्ड ने कपड़ा से लेकर खाद्य और कृषि उपज तक विभिन्न क्षेत्रों में राज्य के 18 स्वदेशी उत्पादों के जीआई पंजीकरण के लिए वित्तीय सहायता बढ़ा दी है।

पृष्ठ एक का शेष

सिक्किम में बादल ...

लापता हो गए। गंगटोक के सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट महेंद्र छेत्री ने बताया कि गोलिटार और सिंगतम से पांच लोगों के शव बरामद किए गए हैं। इसके अलावा गोलिटार से तीन लोगों को बचाया गया है। पाक्योंग के जिला मजिस्ट्रेट ताशी चोपेल ने बताया कि अचानक आई बाढ़ से बहुत सारी इमारतों और वाहनों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि इस बाढ़ में जानमाल के नुकसान की भी खबरें सामने आई हैं। 20 लोगों के लापता होने का पता चला है, लेकिन ऐसी खबरें भी सामने आई है। जिसमें कहा जा रहा है कि सेना के 23 जवान लापता हैं। बाढ़ के बाद से करीब चार हजार लोगों को निकाला गया है। साथ ही जिले में 5 राहत शिविर भी खोले गए हैं। विंग कमांडर हिमांशु तिवारी ने बताया कि सेना के 23 जवान अभी भी लापता हैं और 41 वाहन कीचड़ में फंस गए हैं। सिक्किम में लाचेन घाटी में अचानक आई बाढ़ के बाद राहत और बचाव कार्य जारी है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने सिक्किम के सिंगतम में बादल फटने से आई बाढ़ के बाद 7 लोगों को बचाया है। एनडीआरएफ ने बताया कि एक टीम गंगटोक में और दो टीमें पश्चिम बंगाल, सिक्किम के आसपास के इलाकों में तैनात की गई हैं। सिक्किम में बादल फटने से आई तबाही के बाद तीस्ता नदी का जलस्तर खतरे के नीचे है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, मेल्ली, सिंगतम और रोहतक में तीस्ता का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे है। हालांकि, खतरा अभी भी बरकरार है। मेल्ली में तीस्ता नदी का जलस्तर 214.63 मीटर दर्ज किया गया है, जबकि खतरे का स्तर 224 मीटर है। केंद्रीय जल आयोग ने बताया कि मेल्ली के आसपास बाढ़ की कोई स्थिति नहीं है। सिंगतम में वर्तमान जल स्तर 351.31 मीटर है, जबकि यहां खतरे का स्तर 355.09 मीटर है।

उज्ज्वला योजना वाले ...

200 रुपए की सब्सिडी को मंजूरी दी थी। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई, आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी ने उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए मौजूदा सब्सिडी को बढ़ाया था। पिछले ऐलान में सरकार ने 200 रुपए की बढ़ोतरी की थी, जिससे प्रति सिलेंडर कुल सब्सिडी 400 रुपए हो गई थी। बीते ऐलान के बाद सब्सिडी योजना के तहत नए कनेक्शन पूरी तरह से मुफ्त होंगे। सरकार की ओर से कहा गया था कि सरकार फाइनेंशियल ईयर 2024 में 7,680 करोड़ रुपए का अतिरिक्त एलपीजी सब्सिडी बोझ उठाएगी।

मारे गए अल्फा (स्वा.)...

अल्फा (स्वा.) के दोनों कैडरों के शव पुलिस लाएगी। सोशल मीडिया के जरिये डीजीपी ने अल्फा (स्वा.) से अपील की कि हम किसी भी सरकार के साथ समन्वय करके दोनों लोगों के शव वापस लाएंगे। कृपया हमें बताएं कि आपने मृत शरीर कहां छोड़ा है। शोकाकुल परिवार आपसे इसके हकदार हैं ताकि उनके परिवार को अंतिम श्रद्धांजलि देने का अवसर मिले। इस घटना पर सोशल मीडिया पर डीजीपी ने कहा था कि जंगल से खिलंजिया (स्थानीय) युवाओं के मौत की दिल दहला देने वाली खबर ने हर किसी को चिंतित कर दिया है। असम के युवाओं से मेरा अनुरोध है कि उस व्यक्ति और संगठन के लिए अपना जीवन बर्बाद न करें, जिसके लिए आपका जीवन महत्वपूर्ण नहीं है। दरअसल, अल्फा (स्वा.) के परेश बरुवा ने जासूसी के आरोप में अपने दो कैडरों को मौत की सजा दी थी। मारे गए लोगों की पहचान लाचित हजारिका उर्फ सेलीम अली और बर्नाली असम उर्फ नयनमणि चेतिया के रूप में हुई है। नयनमणि चेतिया एक कुशल खिलाड़ी और एक मां भी थी। लाचित हजारिका उर्फ सेलीम अली का घर बिहपुरिया में है। मंगलवार की रात अल्फा के स्वयंभू अध्यक्ष परेश बरुवा ने एक बयान जारी कर दोनों कैडरों को दिए गए मृत्युदंड पर अपनी सफाई दी थी।

आप सांसद संजय ...

ने 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था। इसके बाद ईडी ने इस मामले में सिसोदिया को 09 मार्च को पूछताछ के बाद तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया। आबकारी नीति घोटाला मामले की जांच के दौरान बिजनेसमैन दिनेश अरोड़ा ने संजय सिंह के नाम का जिक्र किया था। अरोड़ा इस समय सरकारी गवाह बन गए हैं। उनका कहना है कि संजय सिंह ने ही उन्हें दिल्ली के तत्कालीन राजस्व मंत्री मनीष सिसोदिया से मिलवाया था। संजय सिंह के आवास पर आज सुबह ही ईडी के अधिकारियों ने छापेमारी की थी। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ता उनके घर पर पहुंच गए और भाजपा के खिलाफ जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए नारेबाजी करने लगे। इसके चलते अतिरिक्त पुलिस बल भी वहां तैनात किया गया था। संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा सरकार पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगले साल चुनाव होने वाले हैं ऐसे में यह विपक्ष को रास्ते से हटाने की साजिश है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार लगातार अलग-अलग मुद्दों को लेकर उनकी पार्टी पर आरोप लगा रही है। यह केवल आरोप है और इससे जुड़ी जांच में अभी तक कुछ हासिल नहीं हुआ है। जांच एजेंसी को संजय सिंह के खिलाफ भी कुछ नहीं मिला है।

अस्पताल जिसे कहा...

पहले देखा गया कि शिशु जीवित है। शिशु को जीवित देखकर परिवार वाले खुश हो गए और उन्हें बच्चे के अंतिम संस्कार से ठीक पहले चमत्कार होने जैसा दिखा। लेकिन, यह समझते देर न लगी कि चिकित्सकों ने जीवित शिशु को ही मृत घोषित कर दिया था, क्योंकि मरा हुआ कोई बच्चा फिर से जीवित नहीं हो सकता है। यह घटना सिलचर के रंगीरखारी इलाके में स्थित लाइफलाइन हॉस्पिटल नामक एक निजी अस्पताल में हुई। यदि परिवार वालों द्वारा थोड़ी सी असावधानी बरती जाती तो जीवित शिशु को दफनाने जैसी जघन्य घटना घट जाती। शिशु के परिवार वालों ने अस्पताल के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए मामले की जांच की भी मांग की है। इस सिलसिले में अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि गलती से इस प्रकार की घटना हुई।

दुष्कर्म और हत्या...

था। जांच के बाद पुलिस ने दुष्कर्म और हत्या के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार कर कोर्ट में आरोपपत्र दायर किया था। महाराष्ट्र के ठाणे की विशेष कोर्ट ने 64 वर्षीय बुजुर्ग को चार वर्षीय बालिका का यौन शोषण का दोषी मानते हुए तीन साल कठोर कारावास की सजा सुनाई। जस्टिस डीएस देशमुख ने पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले की सुनवाई कर मंगलवार को आदेश दिया। कोर्ट ने दोषी मोहम्मद उमर शेख पर एक हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। दोषी शेख ने 14 नवंबर 2019 को चाकलेट दिलाने के बहाने बच्ची को घर ले जाकर वारदात को अंजाम दिया था। बच्ची की मां की शिकायत पर शेख को गिरफ्तार किया गया था।

रसायन के नोबेल...

और ड्रू वीसमैन को चिकित्सा का नोबेल दिया गया। इन्हें न्यूक्लियोसाइड बेस संशोधनों से संबंधित उनकी खोजों के लिए यह सम्मान दिया गया। इस खोज की वजह से कोरोनावायरस यानी सीओवीआईडी-19 के खिलाफ प्रभावी एमआरएनए टीकों के विकास में मदद मिली। इसके बाद मंगलवार को भौतिकी के नोबेल पुरस्कार का एलान किया गया। इस श्रेणी के लिए 2023 का नोबेल प्राइज संयुक्त रूप से पियरे ऑगस्टिनी, फेरेंस क्राउसज और एनी एल हुलियर को दिया गया। इलेक्ट्रॉन्स पर अध्ययन के लिए यह सम्मान दिया गया। अवॉर्ड उन प्रायोगिक तरीकों के लिए दिया गया, जिसमें पदार्थ में इलेक्ट्रॉन की गतिशीलता के अध्ययन के लिए प्रकाश के एटोसेकंड पल्स उत्पन्न किए गए। 2022 में रसायन के नोबेल स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी अमेरिका के कैरोलिन बेरटोजी, यूनिवर्सिटी ऑफ कोपेनहेगन (डेनमार्क) के मॉर्टेन मिएलडॉल और अमेरिका के स्क्रिप्स रिसर्च सेंटर के के. बैरी शार्पलेस को दिया गया था। पुरस्कार क्लिक केमिस्ट्री और बायोऑर्थोगोनल केमिस्ट्री के विकास के लिए दिया गया था। चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार के साथ ही सोमवार से नोबेल पुरस्कारों की घोषणा की शुरूआत हुई थी। दो अक्तूबर को चिकित्सा और तीन अक्तूबर को भैतिकी के नोबेल का एलान किया गया। चार अक्तूबर को रसायन विज्ञान के अवॉर्ड की घोषणा हुई। अब कल यानी गुरुवार को साहित्य के क्षेत्र में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कार विजेता के नाम की घोषणा होगी। इसके अलावा नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार और अर्थशास्त्र के क्षेत्र में इस पुरस्कार के विजेता की घोषणा नौ अक्तूबर को की जाएगी। पुरस्कारों में 11 मिलियन स्वीडिश क्रोनर यानी एक मिलियन अमेरिकी डॉलर या दस लाख डॉलर का नकद पुरस्कार दिया जाता है। धनराशि अवॉर्ड के संस्थापक और स्वीडिश आविष्कारक अल्फ्रेड नोबेल की छोड़ी हुई वसीयत से आती है। 1896 में उनका निधन हो गया था।

अमेरिका में हेल्थ सेक्टर...

1.3 करोड़ लोगों को बीमा कवर देती है। *कैसर परमानेंट कर्मचारी संघ* ने कैलिफोर्निया, कोलोरोडो, ऑरिगन और वाशिंगटन में तीन दिन के लिए और वर्जीनिया एवं वाशिंगटन डीसी (राष्ट्रीय राजधानी) में एक दिन की हड़ताल की घोषणा की है। इस संघ से करीब 85 हजार कर्मचारी जुड़े हुए हैं। हड़ताल में लाइसेंसधारी पेशेवर नर्स, घर में स्वास्थ्य सेवा देने वाले सहायक, अल्ट्रासाउंड करने वाले कर्मियों के अलावा रेडियोलॉजी तकनीशियन, सर्जरी और फार्मेसी विभाग में कार्यरत कर्मी शामिल हैं। बता दें कि अगस्त में कैसर श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने वाली यूनियनों ने 25 प्रति घंटा न्यूनतम वेतन के साथ-साथ पहले दो वर्षों में प्रत्येक वर्ष 7 फीसदी और उसके बाद के दो वर्षों में प्रत्येक वर्ष 6.25 फीसदी की वृद्धि की मांग की। उनका कहना है कि कर्मचारियों की कमी से अस्पताल प्रणाली का मुनाफा तो बढ़ रहा है, लेकिन मरीजों को नुकसान हो रहा है और अधिकारी बातचीत के दौरान गलत इरादे से सौदेबाजी कर रहे हैं।

15 घंटे में 13 बार ...

और भूकंप के झटके नेपाल में महसूस किए गए। इन तीनों झटकों की रिक्टर स्केल पर तीव्रता साढ़े तीन की आंकी गई। नेपाल में महज दो घंटे के भीतर आए पांच बड़े झटकों से सिर्फ नेपाल ही नहीं, बल्कि आसपास की इलाकों और भारत में भी दहशत का माहौल बन गया। नेपाल मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पांच बजे से लेकर शाम साढ़े सात बजे के बीच में तीन और भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसमें दो भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर पांच आंकी गई। नेपाल के कैलाली जिले में रहने वाले पत्रकार राजगुरु थापा ने बताया कि मंगलवार को दोपहर और शाम पांच बजे के बाद लगातार झटके महसूस होते रहे। वह कहते हैं कि नेपाल के मौसम विभाग के आंकड़ों में दर्ज भूकंप के झटकों की संख्या में कोई कमी नहीं देखी गई। नेपाल के इसी इलाके में रात को 12 बजे से लेकर साढ़े बारह बजे यानी आधे घंटे के भीतर तीन बार और धरती में कंपन पैदा हुआ। उसके बाद एक बार फिर बुधवार को सुबह 4 बजे और फिर उसके डेढ़ घंटे बाद साढ़े पांच बजे नेपाल में भूकंप के झटके महसूस हुए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के वैज्ञानिक संजय कुमार कहते हैं, क्योंकि यह झटके नेपाल के पश्चिमी हिस्से में आए थे, तो उसका असर उत्तर प्रदेश के लगते हुए बॉर्डर वाले जिलों समेत देश के उत्तर भारतीय राज्यों में तो महसूस ही किए गए। इस भूकंप की इंटेंसिटी इतनी ज्यादा नेपाल में थी कि इसके झटके गुजरात के कुछ इलाकों में भी महसूस किए गए। सिस्मोलॉजी सेंटर के वैज्ञानिक एसपी चंदेल बताते हैं कि जिस तरीके से नेपाल में 15 घंटे के भीतर 13 बार धरती हिली है, वह वैसे तो बड़े भूकंप के बाद आने वाले आफ्टर शॉक्स के तौर पर एक सामान्य घटना है। लेकिन आफ्टर शॉक्स की मापी गई तीव्रता औसतन साढ़े चार से पांच के बीच पाई है। चंदेल कहते हैं कि यही पॉइंट खतरनाक श्रेणी में माना जाता है। क्योंकि बड़े भूकंप की तीव्रता के बाद आने वाले आफ्टर शॉक्स की फ्रीक्वेंसी तो ज्यादा होती है, लेकिन उनकी तीव्रता फिर उसे पैमाने की तुलना में धीरे-धीरे कम होती जाती है। लेकिन नेपाल में इस बार के भूकंप के बाद या ट्रेंड नहीं दिखा है। वह कहते हैं कि बुधवार की सुबह भी नेपाल के इलाके में आए भूकंप की तीव्रता का पैमाना चार के करीब ही था। यह कहना कि भूकंप का खतरा पूरी तरीके से नेपाल के इलाके समेत उत्तर भारतीय राज्यों में पूरी तरीके से टल गया है, ठीक नहीं है। भू वैज्ञानिकों का मानना है कि नेपाल में जब 6.2 की तीव्रता का भूकंप आया, तो दिल्ली-एनसीआर में महसूस किए गए भूकंप की तीव्रता तीन से ज्यादा की थी। वैज्ञानिकों का कहना है कि जितना नेपाल के हिस्से में भूकंप के झटके आते रहेंगे, उतना ही उत्तर भारत खासतौर से दिल्ली-एनसीआर और आसपास के इलाके डेंजर जोन में बने रहेंगे। वरिष्ठ भू वैज्ञानिक एसपी चंदेल कहते हैं कि वैसे तो नेपाल के जिस हिस्से में भूकंप आया वह तकरीबन दिल्ली-एनसीआर से साढ़े चार सौ किलोमीटर की दूरी पर है। फिर भी अगर उतनी ही तीव्रता या उससे ज्यादा की तीव्रता का भूकंप का केंद्र नेपाल के उस एपिसेंटर से सौ से डेढ़ सौ किलोमीटर भारत के हिस्से में खिसक आता है, तो यह बहुत बड़ी तबाही भी ला सकती है। भूवैज्ञानिक चंदेल का मानना है कि लगातार रिक्टर स्केल पर ज्यादा तीव्रता वाले भूकंप के बाद आफ्टर शॉक्स बड़े खतरे की निशानी माने जाते हैं। फिलहाल जिस तरीके के भूकंप के बाद के झटके नेपाल में आ रहे हैं, उन पर नजर बनाए रखने की बेहद आवश्यकता है। देखा यह भी जाना चाहिए कि क्या भूकंप के केंद्र में कोई बड़ा परिवर्तन तो नहीं हो रहा है। अगर अगर ऐसा दिख रहा है और उसका केंद्र बिंदु पश्चिम से दक्षिण में यानी कि भारत के क्षेत्र में शिफ्ट हो रहा है तो या बेहद चिंता की बात हो सकती है।

सर तन से जुदा ...

बाद ही माहौल बिगड़ा और उत्तेजित भीड़ ने तोडफोड़ कर उत्पात मचाया। इतना ही मुसलमानों के एक समूह ने जिला प्रशासन कार्यालय के भीतर छत पर चढकर ना सिर्फ भाषणबाजी की बल्कि वहां इस्लामी निशान सहित हरा झण्डा भी लगा दिया। वहां से निकलने के बाद उग्र भीड़ ने सर तन से जुदा जैसे आपत्तिजनक नारे लगाते हुए शहर में जुलूस भी निकाला। इसी के विरोध में विभिन्न हिन्दू संगठनों ने मंगलवार को ओमकार परिवार के नाम पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन निकाला। स्थानीय लोगों के मुताबिक हिन्दू संगठनों का यह प्रदर्शन तब तक शांतिपूर्ण रहा जब तक इस पर पथराव नहीं किया गया था। विरोध प्रदर्शन में शामिल विश्व हिन्दू परिषद (नेपाल) के कार्यकर्ताओं ने बताया शहर के ईदगाह रोड पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर मुसलमान घरों के छत से शीशे और पत्थर बरसाए गए, जिसके बाद टकराव की स्थिति बन गई थी। तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए पुलिस को करीब दर्जनभर आंसू गैस के गोले छोडने पडे। भीड़ को तितर बितर करने के लिए लाठी चार्ज भी करनी पडी। नेपालगंज के मेयर ने बताया कि झड़प में कुछ पुलिस वाले सहित करीब दर्नभर प्रदर्शनकारी भी घायल हो गए हैं। स्थिति को नियंत्रण से बाहर जाता देख जिला प्रशासन ने पूरे नेपालगंज शहर में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू आदेश जारी कर दिया था। लेकिन कर्फ्यू का उल्लंघन करते हुए चारों तरफ हिंसा की घटना नहीं रुकने के बाद सेना को सड़क पर उतारना पडा, जिसके बाद इस समय स्थिति नियंत्रण में है। इसी बीच सरकार ने सोशल मीडिया पर सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने वाला कुछ भी लिखने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। पुलिस की साइबर ब्यूरो ने भी आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों को तत्काल गिरफ्तार करने की चेतावनी दी है। नेपालगंज के माहौल को शांत करने के लिए जल्द ही सद्भाव रैली निकालने पर भी विचार किया जा रहा है।

रीप हजारिका नए ...

है कि रीप हजारिका ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड के पूर्व प्रबंध निदेशक हैं। राजस्थान के बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस से रसायन विज्ञान में इंजीनियरिंग स्नातक और आईआईएम दिल्ली से कार्मिक प्रबंधन में स्नातक रीप हजारिका के कार्यकाल के दौरान असम ग्रेस क्रैकर प्रोजेक्ट ने देश में अपने लिए एक जगह बनाई है। उन्हें गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल द्वारा पद की शपथ दिलाई जाएगी।

रणबीर कपूर को ...

कपूर के अलावा कम से कम 15 से 20 सेलिब्रिटीज ईडी के राडार पर हैं। इनमें आतिफ असलम, राहत फतेह अली खान, अली अजगर, विशाल ददलानी, टाइगर श्रॉफ, नेहा कक्कड़, एली अवराम, भारती सिंह, सनी लियोन, भाग्यश्री, पुलकित-कृति, नुसरत भरूचा, कृष्णा अभिषेक शामिल हैं। महादेव गेमिंग-बेटिंग एक ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप है। इस ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर ने फरवरी में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शादी की थी। इस शादी पर 200 करोड़ से ज्यादा खर्च किए गए थे, उनकी शादी में शामिल हुए सभी सेलिब्रिटी जांच एजेंसियों के राडार पर आ गए हैं।

कांग्रेस नेताओं के पीछे विजिलेंस लगा रही है भाजपा : गौरव गोगोई

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस सांसद तथा लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गौरव गोगोई ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा नेतृत्व वाली राज्य की भाजपा सरकार जब राजनीतिक रूप से कांग्रेस के साथ मुकाबला नहीं कर पाती है तो कांग्रेस नेताओं के पीछे सीएम विजिलेंस को लगा दिया जाता है। सांसद गोगोई ने आज मीडिया से बातचीत करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस विधायक कमलाक्ष दे पुरकायस्थ ने मुख्यमंत्री के विरुद्ध तथ्यपूर्वक आरोप लगाया तो कमलाक्ष के पीछे सीएम विजिलेंस को लगा दिया गया है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने मुख्यमंत्री के भ्रष्टाचार की पोल खोली तो उनके परिवार वालों का ट्रांसफर कर दिया गया। गौरव ने आरोप लगाया कि भाजपा राजनीतिक रूप से कांग्रेस के साथ मुकाबला करने में सक्षम नहीं है। इसीलिए राजनीतिक तरीके से नहीं लड़कर अलग-अलग रास्ते अख्तियार कर रही है। गौरव गोगोई ने यह भी कटहा कि यदि पुलिस और सरकारी तंत्र की शक्ति का दुरुपयोग नहीं हो तो भाजपा की ताकत आधी हो जाएगी। सांसद ने इस दौरान आज कई और आरोप लगाए।

हर बुराई में कांग्रेस अध्यक्ष को दिखती अच्छाई : पीयूष

बाल विवाह पर कार्रवाई में कांग्रेस अध्यक्ष को दिखती राजनीति

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के सूचना एवं प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने आरोप लगाया कि राज्य के चर इलाकों में अपराधियों पर कार्रवाई की जाती है तो कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा को बुरा लगता है। बाल विवाह करने वालों पर कार्रवाई की जाती है तो भूपेन बोरा को राजनीति दिखती है। मंत्री हजारिका ने कहा कि दरअसल जो चीजें असम और भारत की जनता को बुरी दिखती है वह भूपेन बोरा और कांग्रेस पार्टी को सही दिखती है। वहीं, जो चीजें भूपेन बोरा को बुरी दिखती है वह असमिया लोगों को सही दिखती है। ये

बातें मंत्री हजारिका ने आज मीडिया द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहीं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा द्वारा बाल विवाह करने वाले लोगों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई को राजनीति बताए जाने संबंधी सवाल पर मंत्री पीयूष ने ये बातें कहीं। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष उन्हें हराने की बात किया करते हैं। लेकिन, जनता और ईश्वर की कृपा से लगातार तीन बार उन्हें जीत हासिल हुई है। जबकि कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा लगातार तीन बार चुनाव हार चुके हैं और चौथी बार भी उनके जीतने की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जनता ने नकार दिया है। इस दौरान मंत्री ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोरा पर अन्य कई आरोप लगाए।

आयुक्त कार्यालय में तीसरे दौर की तैयारियों की समीक्षा की

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले ने व्यापक मिशन इंद्रधनुष कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों के पंजीकरण में उत्कृष्ट परिणाम दिखाए हैं और टीकाकरण के लिए निर्धारित लक्ष्य को पार कर लिया है। अमिनगांव में एकीकृत आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में कामरूप जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली की अध्यक्षता में व्यापक मिशन इंद्रधनुष 5.0 की समीक्षा बैठक में डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधियों ने आज यह घोषणा की। केंद्र सरकार की ध्वजावाही योजना के पहले और दूसरे चरण के पूरा होने के बाद आज तीसरे दौर की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। आयुक्त ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों से मिशन इंद्रधनुष के प्रथम एवं द्वितीय चरण की अपेक्षा तीसरे चरण में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए अधिक उत्साह से कार्य करने का आग्रह किया। उन्होंने टीकाकरण में कम दक्षता दिखाने वाले स्वास्थ्य केंद्रों से और अधिक तेजी से काम करने का आग्रह किया ताकि कामरूप जिले को असम और देश के अग्रणी जिलों में से एक के रूप में पहचाना जा सके। उक्त बैठक में डॉ. महितोष बेनर्जी ने कहा कि मिशन इंद्रधनुष 5.0 का तीसरा चरण पूरे देश के साथ-साथ कामरूप जिले में आगामी 9 से 14 अक्तूबर तक लागू किया जाएगा इसके लिए जिले के प्रत्येक गांव में जिला प्रशासन और जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रारंभिक तैयारी पूरी कर ली गई है। उल्लेखनीय है कि मिशन इंद्रधनुष 5.0 अभियान विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा समर्थित केंद्र सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसमें गर्भवती महिलाओं और 0 से 5 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को शामिल किया गया है, जो नियमित टीकाकरण से बाहर है।

मेरा देश मेरी माटी के तहत रंगिया नगरपालिका क्षेत्र में अमृत कलश यात्रा का आयोजन

रंगिया (विभास)। केंद्र सरकार ने देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम *मेरा देश मेरी माटी* के तहत मंगलवार को रंगिया नगर पालिका क्षेत्र में अमृत कलश यात्रा का आयोजन किया गया। रंगिया नगर पालिका के अंतर्गत सभी 10 वार्डों के घर-घर से संग्रह की गई मिट्टी से भर्ती कलश को लेकर रंगिया तिनाली से रंगिया नगर पालिका प्रांगण लाया गया। इस अमृत कलश यात्रा का उद्घाटन स्थानीय विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने किया। इस मौके पर उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि *मेरा देश मेरी माटी* नामक कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे देश की भूमि और वीर-वीरांगनाओं के प्रति सम्मान दिखाना है। यह कार्यक्रम देश के लोगों को एक सूत्र में बांधेगा और देश के लोगों का स्वाभिमान बढ़ाएगा। आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं ने अपने हाथों में घर-घर से संग्रह मिट्टी भर्ती कलश लेकर *मेरा देश मेरी माटी*

और *भारत माता की जय* के नारे लगाते हुए रंगिया नगर पालिका पहुंचे। इस अमृत कलश यात्रा में रंगिया के महकमाधिपति दीपन बर्मन, रंगिया पौरसभा के अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर, उपाध्यक्ष बिद्युत डेका, रंगिया महकमा चुनाव अधिकारी तथा रंगिया पौरसभा की कार्यवाही अधिकारी नील हरित कौशिक, राजस्व मंडल अधिकारी भास्करज्योति कलिता, उत्तर कामरूप भाजपा अध्यक्ष सुबल पाल और रंगिया नगर पालिका के सभी वार्ड कमिश्नर, नामित सदस्य, भाजपा रंगिया नगर मण्डल की अध्यक्ष दीप्ति लहकर सहित बहुत से अधिकारियों कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

रंगिया में बिजली विभाग के खिलाफ कांग्रेस का विरोध-प्रदर्शन

राजमार्ग पर जलाया एपीडीसीएल का *सर्कुलर*

रंगिया (विभास)। आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ बुधवार को रंगिया में कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। यह विरोध प्रदर्शन एपीसीसी के आह्वान पर तथा रंगिया ब्लॉक कांग्रेस के सौजन्य से और युवा कांग्रेस के सहयोग से आयोजित किया गया। पार्टी के सभी सदस्यों ने पहले रंगिया कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में एकीकृत होकर पार्टी की बैठक में हिस्सा लिया तथा इसके पश्चात उन्होंने राजीव भवन से रंगिया के बीचोबीच स्थित गांधी

मंडप की ओर मार्च किया। प्रदर्शनकारियों ने महंगाई कम करो, असम सरकार हाय-हाय आदि नारे लगाए जिससे रंगिया नगर गूंज उठा। सभी प्रदर्शनकारियों ने गांधी मंडल के पास एपीडीसीएल का *सर्कुलर* जलाया और मूल्यवृद्धि के रोकथाम की मांग की।

राजभवन : मंत्री पीयूष हुए समीक्षा बैठक में शरीक

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के सूचना एवं प्रसारण जल संसाधन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने आज राजभवन में बुलाई गई एक समीक्षा बैठक में भाग लिया। बैठक के बाद सोशल मीडिया के जरिए उन्होंने बताया कि राज्यपाल गुलाब चन्द कटारिया ने आज राजभवन में एक बैठक को संबोधित किया। बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के विभिन्न कार्यक्तमों और योजनाओं की इस दौरान राज्यपाल ने समीक्षा की। मंत्री हजारिका ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के मार्गदर्शन से उन्होंने राज्यपाल को विभाग के निरंतर कार्यों और आने वाले समय में किए जाने वाले विभिन्न कार्यों से विस्तृत रूप में अवगत कराया। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल ने अपनी अनुभवी और दूरदर्शी सोच के साथ राज्य के सभी प्रकार के लोगों के लिए विभाग द्वारा उठाए जाने वाले विभिन्न कदमों और उपायों के बारे में हमें अलग-अलग सुझाव दिए। अपने अनूठे मार्गदर्शन से हमें प्रेरित करने के लिए मैं उनका आंतरिक आभार व्यक्त करता हूं।

दो एनएससीएन (के-वाईए) कैडरों को असम राइफल्स ने किया गिरफ्तार

इटानगर (हिंस)। असम राइफल्स की जयरामपुर बटालियन ने अरुणाचल प्रदेश के लोंगका, नामपोंग, चांगलांग के जनरल एरिया में एनएससीएन (के-वाईए) के दो ओजीडब्ल्यू कैडरों को गिरफ्तार किया है। इस आशय की सूचना आज असम राइफल्स द्वारा औपचारिक रूप से दी गई है। विस्तृत सूचना की प्रतीक्षा की जा रही है।

प्रेमी ने गर्भवती किशोरी को जहर देकर मार डाला

कछार (हिंस)। कछार के काटीगरा के गड़ेरभीतर गांव में प्रेमी पर एक गर्भवती लड़की की जहर खिलाकर हत्या करने का आरोप लगा है। इस घटना को लेकर इलाके में तनाव का माहौल है। मृतक के परिजनों का आरोप है कि 17 वर्षीय युवती का बरखला बिक्तमपुर चाय बागान के आदित्य कर्मकार के साथ लंबे समय से प्रेम संबंध चल रहा था। युवक ने किशोरी को शादी का लालच देकर शारीरिक संबंध बनाए और किशोरी गर्भवती हो गई। लेकिन, तभी आरोपी प्रेमी आदित्य कर्मकार ने किशोरी से शादी करने से इनकार कर दिया। आज प्रकाश में आए घटना के विवरण के अनुसार लड़की के परिवार ने आरोप लगाया कि लड़की को सोमवार की शाम उसके प्रेमी ने बुलाया और उसे जहर पिला दिया। लड़की ने प्रेमी के चंगुल से भागने के बाद अपनी मां को पूरी घटना बताई थी और इससे पहले कि उसकी मां उसे अस्पताल ले जाती, उसकी मौत हो गई। मृतक नाबालिग के परिजनों का आरोप है कि लड़की की हत्या उसके प्रेमी आदित्य कर्मकार ने जहर खिलाकर की है। घटना को लेकर मृतक के परिजनों ने बिहारा थाने में आरोपी प्रेमी के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी प्रेमी आदित्य कर्मकार फिलहाल फरार बताया गया है।

लायंस उमंग की पीस पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। लायंस क्लब का गुवाहाटी उमंग के तत्वाधान में छत्रीबाड़ी स्थित श्री गौहाटी गौशाला प्रांगण में पीस पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में वीडीजी प्रथम सीमा गोयनका के मार्गदर्शन में आयोजित प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम संयोजिका रितु बंका व नीतू सराफ की देखरेख में आयोजित प्रतियोगिता में बच्चों को डेयर टू ड्रीम विषय पर चित्रांकन करना था। इस मौके पर अध्यक्ष कंचन पोद्दार, रितु बंका, नीतू सराफ, रोमा भजनका, उर्वशी गर्ग, सरोज जालान सहित अन्य सदस्याए मौजूद थी। वहीं लायंस जिला 322जी के वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी के तहत फीड थे। हंगर कार्यक्रम महानगर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया गया। अध्यक्ष कंचन पोद्दार के संयोजन में भांगागढ़ स्थित जीएमसीएच, सचिव संगीता अग्रवाल के संयोजन में बी बरुआ कैंसर अस्पताल व अमीनगांव स्थित हरे कृष्ण मंदिर में जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया गया। इन सभी परियोजनाओं को सफल बनाने में क्लब की सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा।

लायंस अर्पण ने अंतर्राष्ट्रीय पशु दिवस मनाया

गुवाहाटी (विभास)। लायंस क्लब आफ गुवाहाटी अर्पण ने अंतर्राष्ट्रीय पशु दिवस के उपलक्ष में गुवाहाटी आठगांव स्थित गौशाला में गाय, कबुतर, कौवा आदि पशुओं को चारा जैसे गेहूं का चोकर, गुड़, चनादाल, घास, बाजरा, गेहूं आदि खिलाया। इसके अलावा लताशील में जोड़ पुखुरी में हंस को ब्रेड एवं कुत्ते को बिस्कुट, रोटी आदि खिलाया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष पायल भरतिया, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ममता सिकरिया एवं क्लब की सदस्या मधु मोदी, ऋतु सरावगी, सरिता मोर, किरण तापड़िया, सरिता भीमसरिया, दिव्या अग्रवाल, चंचल क्याल, शिखा शर्मा ने अपना सक्रिय सहयोग दिया। इस आशय की जानकारी क्लब की जनसंपर्क सचिव गौरी अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के जरिए दी।

शनि मंदिर दुर्गा पूजा संघ की साधारण सभा संपन्न

नगांव (निसं)। शनि मंदिर दुर्गा पूजा संघ की साधारण सभा अध्यक्ष रंजीत लोहिया की अध्यक्षता में श्री लोहिया के प्रतिष्ठान एल आर स्टील में आयोजित की गई। जिसमें काफी संख्या में सदस्यगण उपस्थित थे। सर्वप्रथम अध्यक्ष द्वारा स्वागत भाषण दिया गया और उसके पश्चात सचिव विक्तम कर्वा ने पिछले वर्ष की कार्यवाई का पाठ किया। बाद में आगामी शारदीय दुर्गा पूजा की रुपरेखा पर चर्चा हुई। चर्चा में भाग लेते हुए उपस्थित सदस्यों ने अपन विचार प्रगट किए। अबकी बार पूजा में विशेष रूप से मां की प्रतिमा व पंडाल को रुपयों से सजाया जाएगा। जिसमें सिक्कों और नोटों का उपयोग होगा और विद्युत (लाइटिंग) की सजावट इस वर्ष ओर आकर्षक करने का निर्णय सभा में लिया गया। सभा में संघ के मुख्य सलाहकार छोटेलाल गुप्ता ने सभी सदस्यों को अपील की पूजा में दर्शनर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो उसपर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इससे पहले कोषाध्यक्ष राजू चौधरी ने पिछले वर्ष के आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। इस आशय की जानकारी कार्यकारी अध्यक्ष राजा पारीक एवं किशन गुप्ता ने संयुक्त रूप से दी।

नार्थ-ईस्ट हॉफ मैराथन आयोजित करेगा पूसीरे, इनोवेशन इंडिया

केंद्रीय मंत्री रामेश्वर तेली ने की आधिकारिक घोषणा

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्वोत्तर के समग्र विकास एवं राष्ट्र निर्माण के विजन के अनुरूप, डिब्रूगढ़ इस वर्ष की सबसे बड़ी दौड़ का गवाह बनने जा रहा है। बोगीबील ब्रिज, डिब्रूगढ़ में पहली बार नॉर्थ ईस्ट हॉफ मैराथन 29 अक्तूबर को आयोजित होगी। पूर्वोत्तर के विकास, खेलों को सशक्त बनाने और भारत के प्रतिष्ठित टी सिटी-डिब्रूगढ़ को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर सीमा रेलवे और इनोवेशन इंडिया ने नॉर्थ ईस्ट हॉफ मैराथन के आयोजन के लिए हाथ मिलाया है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया कि नॉर्थ ईस्ट हॉफ मैराथन, डिब्रूगढ़ को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, साई, असम एथलेटिक एसोसिएशन, असम पुलिस और विक्तन फाउंडेशन सहित अन्य द्वारा सहयोग किया जाएगा। हॉफ मैराथन का उद्देश्य खिलाड़ियों का सशक्तिकरण और पूर्वोत्तर भारत में खेल के बुनियादी ढांचे का विकास करना है। इस संबंध में आज रेलवे ऑफिसर्स विश्राम गृह, डिब्रूगढ़ में एक संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया।

भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के राज्य मंत्री रामेश्वर तेली, पूसी रेलवे के अपर महाप्रबंधक यतेंद्र कुमार और तिनसुकिया के मंडल रेल प्रबंधक उत्तम प्रकाश ने इस बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के क्यूरेटर कैप्टन राहुल बाली ने मैराथन, पुरस्कार राशि और दी जाने वाली ट्रॉफियों का विवरण प्रस्तुत किया। नॉर्थ ईस्ट हॉफ मैराथन निश्चित रूप से डिब्रूगढ़ को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्लेटफार्मों पर सुर्खियों में लाएगा क्योंकि दुनिया के कई हिस्सों से 3000 से अधिक धावकों के भाग लेने की उम्मीद है। विजेताओं को ट्रॉफी, मेडल और मेरिट सर्टिफिकेट के अलावा 6.5 लाख रुपए के पुरस्कार दिए जायेंगे। डिब्रूगढ़ में इस हॉफ मैराथन की खास बात यह है कि खिलाड़ियों को सशक्त बनाने के अलावा, यह डिब्रूगढ़ की विभिन्न खासियतों जैसे शानदार बोगीबील ब्रिज, पवित्र जगन्नाथ मंदिर और मंत्रमुग्ध कर देने वाले चाय बागानों को उजागर करेगा, जो पर्यटन को निश्चित रूप से बढ़ावा देने में काफी मदद करेंगे। नॉर्थ ईस्ट हॉफ मैराथन मैराथनों की एक श्रृंखला है, जो पूर्वोत्तर भारत में खिलाड़ियों को सशक्त बनाने और खेल गतिविधि के विकास के उद्देश्य से समग्र पूर्वोत्तर भारत में आयोजित की जा रही है। नियोजित श्रृंखला की पहली मैराथन 05 फरवरी को मालीगांव में हुई थी, जिसमें देश भर के साथ-साथ विदेशों से लगभग 3000 धावकों ने उक्त दौड़ में भाग लिया था। विजेताओं को ट्रॉफी, पदक और प्रमाण-पत्र के अलावा 11 लाख रुपए के पुरस्कार वितरित किए गए। इच्छुक प्रतिभागी मैराथन के वेबसाइट पर पंजीकरण कर सकेंगे। इस हॉफ मैराथन के संबंध में विवरण पूसी रेलवे के सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रकाशित किया जाएगा।

रंगिया : लघु फिल्म *डबल पेरेम* प्रदर्शित

रंगिया (विभास)। दिन-ब-दिन समाज में व्यापक रूप से बढ़ते अवैध प्रेम से जुड़ी एक लघु फिल्म *डबल पेरेम* का कामरूप जिला पत्रकार संस्था के सचिव तारणी चरण कलिता ने रंगिया प्रेस क्लब प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में आधिकारिक तौर पर विमोचन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि *आधुनिक समय में आत्महत्या एक महामारी बन गई है। इसके आतंक से आम जनता को बचाना होगा*। उन्होंने कहा कि संगीत ग्रुप ऑफ क्तिएशन द्वारा उठाए गए इस तरह के कदम सराहनीय हैं। इस मौके पर उन्होंने संस्कृति के पुजारी पंकज पल्लव शर्मा के इस तरह के समाज हितकारी कार्य में सभी को सहयोग करने का सभी को आह्वान किया। बैठक के दौरान उपस्थित शिक्षक और नाटककार कनककृष्ण भट्टाचार्य, सामाजिक कार्यकर्ता नारायण डेका ने पंकज पल्लव शर्मा के काम की प्रशंसा की। पंकज पल्लव

शर्मा के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षक जयंत कुमार शर्मा, नासिउर रहमान, मुस्तफा अहमद, विभा देवी, खाईरुल इस्लाम, मोइनुल हक, शामशुल हक, अनिल दास एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इच्छामृत्यु एवं अवैध प्रेम के बारे में मूल विषय बस्तु के रूप में चुनकर प्रसिद्ध अभिनेता-निर्देशक पंकज पल्लव शर्मा द्वारा निर्देशित *डबल पेरेम* नामक लघु फिल्म में कई युवा कलाकारों को भी मौका दिया गया है। ज्योतिर्मय कलिता, नारायण कलिता, विभा कलिता, जोनमनी कलिता, पंकज कलिता, नासिउर रहमान, मुस्तफा अहमद, नवनीता दास आदि ने इस लघु फिल्म में अभिनय किया है। निर्देशक पंकज पल्लव शर्मा ने इस फिल्म को देखकर इस तरह की सामाजिक समस्याओं को दूर करने के लिए दर्शकों से इसे शेयर करने का आह्वान किया है।

प्रधानमंत्री आज राजस्थान और मध्य प्रदेश के दौरे पर

नई दिल्ली, (हि।स।)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल (गुरुवार) राजस्थान और मध्य प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री कल सुबह लगभग 11:15 बजे जोधपुर (राजस्थान) में सड़क, रेल, विमानन, स्वास्थ्य और उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों में लगभग 5000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे।। इसके बाद प्रधानमंत्री लगभग 03:30 बजे जबलपुर (मध्य प्रदेश) पहुंचेंगे। वहां वो सड़क, रेल, गैस पाइपलाइन, आवास और स्वच्छ पेयजल क्षेत्रों से जुड़ी 12,600 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। राजस्थान को उपहारः प्रधानमंत्री राजस्थान में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। परियोजनाओं में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर में 350 बिस्तरों वाला 'ट्रॉमा सेंटर और क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक' और पूरे राजस्थान में प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) के तहत विकसित किए जाने वाले सात क्रिटिकल केयर ब्लॉक शामिल हैं। एम्स जोधपुर में 'ट्रॉमा, इमरजेंसी और क्रिटिकल केयर' के लिए एकीकृत केंद्र 350 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया जाएगा। इसमें ट्राइएज, डायग्नोस्टिक्स, डे केयर, वार्ड, निजी कमरे, मॉड्यूलर ऑपरेटिंग थियेटर, आईसीयू और डायलिसिस क्षेत्र जैसी विभिन्न सुविधाएं शामिल होंगी। यह रोगियों को बहु विषयक और व्यापक देखभाल प्रदान करके आघात और आपातकालीन मामलों के प्रबंधन में एक समग्र दृष्टिकोण लाएगा। पूरे राजस्थान में सात क्रिटिकल केयर ब्लॉक राज्य के लोगों को लाभान्वित करते हुए जिलास्तरीय क्रिटिकल केयर बुनियादी ढांचे को बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री जोधपुर हवाई अड्डे पर अत्याधुनिक नई टर्मिनल बिल्डिंग के विकास की आधारशिला भी रखेंगे। कुल 480 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली नई टर्मिनल बिल्डिंग लगभग 24,000 वर्गमीटर क्षेत्र में विकसित की जाएगी और व्यस्त समय के दौरान 2,500 यात्रियों को सेवाएं प्रदान करने के लिए सुसज्जित होगी। यह सालाना 35 लाख यात्रियों को सेवा प्रदान करेगा, कनेक्टिविटी में सुधार करेगा और क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देगा। प्रधानमंत्री आईआईटी जोधपुर परिसर भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। अत्याधुनिक परिसर 1135 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया गया है। यह अत्याधुनिक अनुसंधान और नवाचार पहलों का समर्थन करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली समग्र शिक्षा प्रदान करने और बुनियादी ढांचे के निर्माण की दिशा में एक कदम है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए प्रधानमंत्री 'केंद्रीय उपकरण प्रयोगशाला', स्टाफ क्वार्टर और 'योग और खेल विज्ञान भवन' राष्ट्र को समर्पित करेंगे। वह राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में केंद्रीय

पुस्तकालय, 600 क्षमता वाले छात्रावास और छात्रों के लिए भोजन सुविधा की आधारशिला रखेंगे।राजस्थान में सड़क बुनियादी ढांचे में सुधार लाने वाले कदम में, प्रधान मंत्री एनएच-125ए पर जोधपुर रिंग रोड के कारवार से डांगियावास खंड को चार लेन बनाने सहित कई सड़क विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे; जालोर (एनएच-325) के माध्यम से बालोतरा के सांडेराव खंड के प्रमुख शहर भागों के सात बाईपास / पुनः संरेखण का निर्माण; ठ्ठ-25 के पचपदरा-बागुंडी खंड को चार लेन बनाने की परियोजना। ये सड़क परियोजनाएं लगभग 1475 करोड़ रुपये की संचयी लागत पर बनाई जाएंगी। जोधपुर रिंग रोड से शहर में यातायात का दबाव कम करने और वाहन प्रदूषण में कमी लाने में मदद मिलेगी। परियोजनाएं क्षेत्र में कनेक्टिविटी में सुधार, व्यापार को बढ़ावा देने, रोजगार सृजन और आर्थिक विकास में मदद करेंगी। प्रधानमंत्री राजस्थान में दो नई ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे। इनमें जैसलमेर को दिल्ली से जोड़ने वाली एक नई ट्रेन - रुणिचा एक्सप्रेस और मारवाड़ जंक्शन - खंबली घाट को जोड़ने वाली एक नई हेरिटेज ट्रेन शामिल है। रुणिचा एक्सप्रेस जोधपुर, डेगाना, कुचामन सिटी, फुलेरा, रींगस, श्रीमाधोपुर, नीम का थाना, नारनौल, अटेली, रेवाड़ी से होकर गुजरेगी, जिससे राष्ट्रीय राजधानी के साथ सभी शहरों की कनेक्टिविटी में सुधार होगा। मारवाड़ जंक्शन-खांबली घाट को जोड़ने वाली नई हेरिटेज ट्रेन पर्यटन को बढ़ावा देगी और क्षेत्र में रोजगार पैदा करेगी। इसके अलावा, दो अन्य रेल परियोजनाएं प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित की जाएंगी। इनमें 145 किमी लंबी 'डेगाना-राय का बाग' रेल लाइन और 58 किमी लंबी 'डेगाना-कुचामन सिटी' रेल लाइन के दोहरीकरण की परियोजनाएं शामिल हैं। मध्य प्रदेश को सौगातः मध्य प्रदेश के इंदौर में लाइट हाउस प्रोजेक्ट के उद्घाटन से प्रधानमंत्री के 'सभी के लिए आवास' उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण को मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत लगभग 128 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस परियोजना से 1000 से अधिक लाभार्थी परिवारों को लाभ होगा। यह सभी बुनियादी सुविधाओं के साथ लेकिन काफी कम निर्माण समय में गुणवत्तापूर्ण घर बनाने के लिए नवीन तकनीक 'प्री-इंजीनियर्ड स्टील स्ट्रक्चरल सिस्टम के साथ प्रीफैब्रिकेटेड सैंडविच पैनल सिस्टम' का उपयोग करता है। व्यक्तिगत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक कदम में, मंडला, जबलपुर और डिंडोरी जिलों में 2350 करोड़ रुपये से अधिक की कई जल जीवन मिशन परियोजनाओं की आधारशिला रखी जाएगी। प्रधानमंत्री सिवनी जिले में 100 करोड़ रुपये से अधिक की जल जीवन मिशन परियोजना राष्ट्र को समर्पित करेंगे। राज्य के चार जिलों की इन परियोजनाओं से मध्य प्रदेश के लगभग 1575 गांवों को लाभ होगा। प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश में सड़क बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए 4800 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री एनएच 346 के झरखेड़ा-बैरसिया-ढोलखेड़ी को जोड़ने वाली सड़क के उन्नयन सहित परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे; एनएच 543 के बालाघाट-गोंडिया खंड को चार लेन का बनाना; रूढ़ी और देशगांव को जोड़ने वाले खंडवा बाईपास को चार लेन का बनाना; एनएच 47 के टेमागांव से चिचोली खंड को चार लेन का बनाना; बोरेगांव को शाहपुर से जोड़ने वाली सड़क को चार लेन का बनाना; और शाहपुर को मुक्ताईनगर से जोड़ने वाली सड़क को चार लेन का बनाना। प्रधानमंत्री एनएच 347सी के खलघाट से सरवरदेवला को जोड़ने वाली सड़क के उन्नयन को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री 1850 करोड़ रुपये से अधिक की रेल परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इनमें कटनी-विजयसोटा (102 किलोमीटर) और मारवासग्राम-सिंगरौली (78 l50 किलोमीटर) को जोड़ने वाली रेल लाइन का दोहरीकरण शामिल है। ये दोनों परियोजनाएं कटनी-सिंगरौली खंड को जोड़ने वाली रेल लाइन के दोहरीकरण की परियोजना का हिस्सा हैं। इन परियोजनाओं से मध्य प्रदेश में रेल बुनियादी ढांचे में सुधार होगा जिससे राज्य में व्यापार और पर्यटन को लाभ होगा। प्रधानमंत्री विजयपुर-औरैयां-फूलपुर पाइपलाइन परियोजना राष्ट्र को समर्पित करेंगे। 352 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन 1750 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाई गई है। प्रधानमंत्री मुंबई नागपुर झारसुगुड़ा पाइपलाइन परियोजना के नागपुर जबलपुर खंड की आधारशिला रखेंगे। यह प्रोजेक्ट 1100 करोड़ रुपये से ज्यादा लागत से बनेगा। गैस पाइपलाइन परियोजनाएं उद्योगों और घरों को स्वच्छ और सस्ती प्राकृतिक गैस प्रदान करेंगी, और पर्यावरण में उत्सर्जन को कम करने की दिशा में एक कदम होगा। प्रधानमंत्री जबलपुर में 147 करोड़ रुपये की लागत से बने नये बॉटलिंग प्लांट का भी लोकार्पण करेंगे।

बदलते भू-राजनीतिक माहौल में हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने की जरूरत : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि तेजी से बदलते भू-राजनीतिक माहौल में हमें किसी भी प्रतिकूल स्थिति से निपटने के लिए अच्छी तरह तैयार रहने की जरूरत है। 63वें राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) पाठ्यक्रम के संकाय और पाठ्यक्रम सदस्यों ने आज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि आज हमारी सुरक्षा चिंताएं क्षेत्रीय अखंडता के संरक्षण से कहीं आगे तक फैली हुई हैं और इसमें अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, ऊर्जा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा सहित कल्याण के अन्य आयाम भी शामिल हैं। सशस्त्र बलों की भूमिका पारंपरिक सैन्य मामलों से परे भी विस्तारित हुई है। जटिल रक्षा और सुरक्षा परिवेश में भविष्य के संघर्षों के लिए अधिक एकीकृत बहु-राज्य और बहु-एजेंसी दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी। इसलिए एनडीसी पाठ्यक्रम भविष्य के जटिल सुरक्षा माहौल से व्यापक तरीके से निपटने के लिए सैन्य और सिविल सेवा अधिकारियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक वातावरण गतिशील है और कई चुनौतियां खड़ी करता है। तेजी से बदलते भू-राजनीतिक माहौल में हमें किसी भी प्रतिकूल स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने की जरूरत है। राष्ट्रीय एवं वैश्विक मुद्दों की गहरी समझ की आवश्यकता है। हमें न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करना है बल्कि साइबर युद्ध, प्रौद्योगिकी समर्थित आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन जैसी नई सुरक्षा चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना है। व्यापक शोध पर आधारित अद्यतन ज्ञान और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को लागू करने की आवश्यकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज पाठ्यक्रम अपनी तरह का एक अनूठा पाठ्यक्रम है जिसमें शासन, प्रौद्योगिकी, इतिहास और अर्थशास्त्र के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीति के क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एनडीसी में सीखने के समग्र दृष्टिकोण ने चुनौतियों का सामना करने के मामले में पाठ्यक्रम के सदस्यों को समृद्ध किया है।

दिल्ली में तृणमूल कांग्रेस नेताओं को हिरासत में लेने पर बरसीं ममता बनर्जी

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के बकाये के भुगतान के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का दो दिवसीय धरना तीन अक्टूबर की रात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में खत्म हो गया। इसके बाद तृणमूल प्रतिनिधियों सहित पश्चिम बंगाल के करीब ढाई हजार मनरेगा मजदूर बंगाल के लिए रवाना हो गए। दिल्ली में अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी समेत अन्य नेताओं को हिरासत में लेने पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा है यह लोकतंत्र के लिए सबसे काला दिन है। दरअसल केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री से मिलने के लिए अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल प्रतिनिधिमंडल कृषि भवन पहुंचा था। यहां मुलाकात नहीं होने

के बाद इन सबने धरना दिया। इस पर पुलिस उन्हें उठाकर मुखर्जी नगर थाने ले गई। करीब दो घंटे तक हिरासत में रखने के बाद देररात रिहा कर दिया। इसे लेकर ममता बनर्जी ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स पर देररात लिखा, आज लोकतंत्र के लिए अंधकार और काला दिवस है। पश्चिम बंगाल के लोगों के प्रति भाजपा के घृणा और गरीबों के अधिकारों के प्रति उनका गैर जिम्मेदाराना आचरण सामने आ गया है। लोकतांत्रिक मूल्य भी पूरी तरह से खत्म दिख रहा है। सबसे पहले उन्होंने पश्चिम बंगाल के गरीबों का रुपया रोक दिया। हमारे प्रतिनिधि ने जब दिल्ली में शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर उनसे मुलाकात करने की कोशिश की तो हमारे साथ निर्मम आचरण किया गया। पहले राजघाट पर और बाद में कृषि भवन में दिल्ली पुलिस ने हमारे प्रतिनिधियों को प्रताड़ित किया। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में 100 दिनों की रोजगार गारंटी योजना मनरेगा का फंड रोके जाने को लेकर दिल्ली में तृणमूल कांग्रेस ने धरना प्रदर्शन किया है। पार्टी ने दो अक्टूबर को राजघाट से इसकी शुरूआत की। जंतर मंतर पर दो दिन तक प्रदर्शन किया है।

सांसद संजय सिंह के आवास पर ईडी की छापेमारी पर भाजपा का हमला, कहा- भ्रष्टाचार की योजनाएं मुख्यमंत्री आवास पर बनी

अजय कुमार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह के घर बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय की टीम की छापेमारी पर भारतीय जनता पार्टी ने हमला बोला है। भाजपा के महासचिव दुष्यंत गौतम ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की जनता के साथ धोखा किया है। उन्होंने एक्साइज पॉलिसी ला कर लोगों को बेवकूफ बनाने का काम किया है। करोड़ों रुपये का एक्साइज पॉलिसी घोटाले की सारी योजनाएं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई थी। ऐसे में उन्हें इस पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता के बीच सादगी भरे जीवन की

बात करके सत्ता में आए थे। सत्ता में आते ही भ्रष्टाचार में लिप्त हो गए। उनके कई मंत्री जेल में चले गए हैं और अब बाकियों की भी बारी है। शराब पॉलिसी में करोड़ों का घोटाला हुआ है। वहीं, ईडी की छापेमारी को लेकर भाजपा दिल्ली प्रदेश के कार्यकताओं ने आम आदमी पार्टी के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से इस्तीफा मांगा।

डीन से जबरन शौचालय साफ कराने में शिंदे गुट के सांसद के खिलाफ केस दर्ज

मुंबई, (हि.स.)। नांदेड़ जिले के नांदेड़ ग्रामीण पुलिस स्टेशन में शंकरराव चव्हाण अस्पताल के डीन (प्रमुख) से सांसद हेमंत पाटिल के जबरन अस्पताल का शौचालय साफ कराने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। अस्पताल के डीन ने शिंदे गुट के सांसद हेमंत पाटिल के विरुद्ध बुधवार को मामला दर्ज करवाया है। इस घटना के विरोध में अस्पताल के सभी डॉक्टरों और कर्मचारियों में आक्रोश है और वे अस्पताल परिसर में प्रदर्शन कर रहे हैं। दरअसल, शिंदे गुट के सांसद हेमंत पाटिल ने शंकरराव चव्हाण अस्पताल में 48 घंटे में 31 मरीजों की मौत के बाद मंगलवार को अपने कुछ कार्यकर्ताओं के साथ अस्पताल का दौरा किया था। आरोप है कि इस दौरान अस्पताल का शौचालय गंदा

देखकर सांसद पाटिल ने अस्पताल के डीन डॉ. श्याम वाकोड़े से जबरन शौचालय साफ करवाया था। इस घटना के विरोध में बुधवार को डीन वाकोडे ने सांसद पाटिल और उनके कई कार्यकताओं के खिलाफ नांदेड़ ग्रामीण पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कराया है। डीन ने सांसद पर उनके साथ बदतमीजी भी करने का आरोप लगाया है। डॉ. श्याम वाकोड़े की शिकायत पर नांदेड़ ग्रामीण पुलिस स्टेशन में हेमंत पाटिल और 10 से 15 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की गहन छानबीन जारी है। इस घटना के विरोध में अस्पताल के सभी डॉक्टर और कर्मचारी अस्पताल परिसर में हेमंत पाटिल की गिरफ्तारी की मांग करते हुए विरोध में प्रदर्शन शुरू कर दिया। हेमंत पाटिल हिंगोली संसदीय सीट से शिंदे समूह के सांसद हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार नांदेड़ के शंकरराव चव्हाण अस्पताल में मरीजों की मौत मामले की उच्चस्तरीय जांच का आदेश मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दिया है। इसलिए अस्पताल में मरीजों की मौत मामले की भी जांच की जा रही है।

जातियों में लोगों को बांटने में असफल रहे थे अंग्रेज, अब कांग्रेस व नीतीश कर रहे वही कामः शान्ता कुमार

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री शान्ता कुमार ने कहा बिहार सरकार ने लगभग पांच सौ करोड़ रुपये खर्च कर जाति आधारित जनगणना पूरी कर ली। उसकी रिपोर्ट भी जारी हो गई। देश के सामने इससे एक बहुत बड़ा संकट खड़ा हो रहा है, जो काम अंग्रेज न कर सके उसे अब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कर रहे हैं। शान्ता कुमार ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा कि वर्ष 1857 के प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम से अंग्रेज सरकार पूरी तरह से टूट गई थी। अंग्रेजों ने लोगों पर अत्याचार किये और हजारों देशभक्तों को काला पानी की जेल में डाल दिया। उसके बाद अंग्रेजों ने दो निर्णय किये। भारत पर हमेशा राज्य करने के लिए हिन्दू मुस्लिम के नाम पर लोगों को लड़ाना और जातियों के आधार पर देश को बांटना। वे भारत को इस प्रकार बांटना चाहते थे कि फिर कभी आजादी की बात न कर सके। शान्ता कुमार ने कहा कि इसके खिलाफ देश खड़ा हुआ। गांधीजी के नेतृत्व में इसका प्रबल विरोध हुआ। वर्ष 1931 में

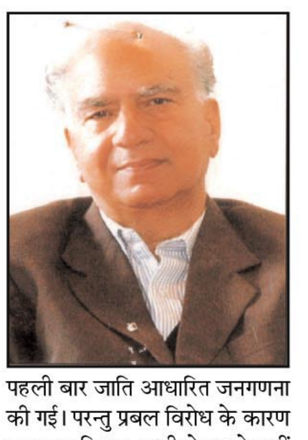

पहली बार जाति आधारित जनगणना की गई। परन्तु प्रबल विरोध के कारण उसका परिणाम कभी देश को नहीं बताया गया, लेकिन अंग्रेज धर्म के नाम पर पाकिस्तान बनाने में सफल हो गये। उन्होंने कहा कि कर्नाटक ने भी एक बार जाति आधारित जन गणना करवाई थी, परन्तु प्रबल विरोध के कारण उसका परिणाम कभी देश को नहीं बताया गया। पूर्व मुख्यमंत्री कुमार ने कहा कि देश में हजारों जातियां हैं और लाखों उप-जातियां हैं। इतिहास साक्षी है कि इस प्रकार देश के बंट जाने के कारण ही भारत गुलाम हुआ और सदियों की गुलामी में सिसकता रहा। उन्होंने कहा इससे बड़ा देश का दुर्भाग्य क्या हो सकता है कि जातियों के नाम पर अंग्रेज भारत को बांटने में सफल नहीं हुए। आज वहीं काम अब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और कांग्रेस कर रही है। शान्ता कुमार ने कहा कि अंग्रेजों के इस षड़यंत्र में गांधी और पण्डित नेहरू ने भी विरोध किया, लेकिन आज उसी का समर्थन राहुल गांधी और कांग्रेस कर रही है। इतिहास में यह लिखा जाएगा कि गुलाम भारत की राजनीति देश के लिए थी, लेकिन आजाद भारत की राजनीति केवल कुर्सी और सत्ता के लिए है। उन्होंने कहा कि संविधान सभा में डॉ अम्बेडकर ने एक ऐतिहासिक भाषण में कहा था कि- ह्लभारत में जातियां राष्ट्र विरोधी हैं। परस्पर ईष्याद्वेश बढ़ाती हैं, यदि एक राष्ट्र बनाना है तो जातियों को समाप्त करना होगा।ह्ल कुमार ने कहा कि गांधी और डॉ अम्बेडकर की माला जपने वाली राजनैतिक पाटियां केवल सत्ता के लिए हैं। वे आज क्या कर रही हैं। इसके लिए इतिहास उन्हें कभी क्षमा नहीं करेगा।

दिल्ली पुलिस ने न्यूजक्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ समेत दो को किया गिरफ्तार

-स्पेशल सेल ने 46 संदिग्ध लोगों से की पूछताछ

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। चीनी फंडिंग के आरोपों से घिरी एक वेबसाइट न्यूजक्लिक और उससे जुड़े लोगों पर छापेमारी की कार्रवाई के बाद मंगलवार शाम को दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने दो गिरफ्तारियां की हैं। स्पेशल सेल ने वेबसाइट के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और एचआर हेड अमित चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ यूएपीए एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। इससे पहले, मंगलवार सुबह दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल में दर्ज यूएपीए मामले के संबंध में मंगलवार को न्यूजक्लिक के 30 से ज्यादा लोकेशंस पर छापे मारे गए थे। इस दौरान कई पत्रकारों को हिरासत में भी लिया गया था। छापेमार

के दौरान तलाशी, जब्ती और हिरासत में लिए जाने को लेकर दिल्ली पुलिस की ओर से कहा गया है कि "परिसर में कुल 37 पुरुष संदिग्धों से पूछताछ की गई। जबकि 9 महिला संदिग्धों से उनके आवास पर पूछताछ की गई है। जांच के दौरान डिजिटल उपकरणों, दस्तावेजों आदि को जब्त किया गया है।" दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम ने न्यूजक्लिक के नई दिल्ली कार्यालय को सील कर दिया है। फिलहाल पुलिस की कार्रवाई अब भी जारी है।

शराब घोटाले के मुख्य सरगना हैं केजरीवाल : भाजपा

अजय त्यागी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए आम आदमी पार्टी को वसूली करने वाली पार्टी बताया। बुधवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने मुख्यमंत्री आवास को घोटाले और वसूली का अड्डा बना दिया है जहां बैठकर उनके इशारे पर उनकी पार्टी के सांसद संजय सिंह वसूली करते हैं। आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद संजय सिंह के आवास पर जांच एजेंसी ईडी के छापे पर प्रतिक्रिया देते हुए गौरव भाटिया ने अरविंद केजरीवाल को चुनौती देते

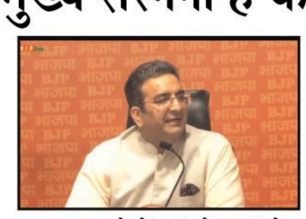

हुए इस मामले में तुरंत प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की बात कही और 32 लाख रुपये की सच्चाई सभी के सामने आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आरोपी दिनेश अरोड़ा ने केजरीवाल को 32 लाख रुपये देने का दावा किया है, तो सच्चाई सभी के सामने आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की साढ़ेसाती कट्टर ईमानदार अरविंद केजरीवाल पर असर कर रही है। आज उनके बाएं हाथ संजय सिंह के यहां भी जांच एजेंसियों ने छापा मारा है। देश और दिल्ली की जनता जानती है कि शराब घोटाले के मुख्य सरगना अरविंद केजरीवाल है। अपने आप को आम आदमी बताने वाले ये लोग अब इतने खास हो गए हैं कि ये करोड़ों का शराब घोटाला करते हैं और फिर कहते हैं कि हम पर कार्रवाई राजनीतिक द्वेष के कारण हो रही है। न्यूज क्लिक पर हो रही कार्रवाई पर गौरव भाटिया ने कहा कि पत्रकारिता का चोगा ओढ़कर भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त कुछ लोग चीन से आर्थिक सहायता ले रहे हैं। राष्ट्र सुरक्षा से जुड़े गंभीर आरोपों के आधार पर न्यूज क्लिक पर कार्रवाई हो रही है।

एचएएल ने वायु सेना को सौंपा एलसीए तेजस का पहला ट्विन-सीटर ट्रेनर विमान

नई दिल्ली, (हि.स.)। वायुसेना को आज लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस का पहला ट्विन-सीटर ट्रेनर विमान मिल गया। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने बुधवार को बेंगलुरु में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी को सौंपा। एचएएल और भारतीय वायु सेना के बीच अनुबंध के हिस्से के रूप में कुल 10 ट्विन-सीटर ट्रेनर विमान की आपूर्ति की जानी है, जिसमें से यह पहला है। एचएएल के अध्यक्ष सीबी अनंतकृष्णन ने एक औपचारिक समारोह में रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट की उपस्थिति में एलसीए तेजस का पहला ट्रेनर संस्करण सीएएस एयर चीफ मार्शल चौधरी को सौंपा। इस

कार्यक्रम में वायु सेना के उप प्रमुख, भारतीय वायुसेना के दक्षिणी वायु कमान के अधिकारी और परियोजना से जुड़े कई अन्य अधिकारी भी शामिल हुए। एचएएल ने पहला तेजस ट्रेनर बना लिया है, जो अंतिम विकासात्मक परीक्षण उड़ानों से गुजर चुका है। तेजस डिवीजन के दौरे पर एयर मार्शल दीक्षित को एचएएल टीम ने ट्रेनर एयरक्राफ्ट के उत्पादन की स्थिति और एलसीए मार्क-1ए की डिलीवरी की योजना के बारे में जानकारी दी थी। बेंगलुरु में एयरो इंडिया के दौरान 03 फरवरी 2021 को रक्षा मंत्रालय ने एचएएल के साथ स्वदेशी सैन्य उड्डयन सेवा में अब तक का सबसे बड़ा सौदा करके 83 तेजस मार्क-1ए फाइटर जेट की डील फाइनल की थी। वायु सेना को फरवरी 2024 में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से पहला लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस मार्क-1ए मिलेगा। श्रीनगर स्थित स्वार्ड आर्म्स स्क्वाड्रन तेजस एमके-1ए प्राप्त करने वाली पहली स्क्वाड्रन होगी। अभी तक यह स्क्वाड्रन मिग विमानों का ठिकाना है, जिन्हें तेजस की आपूर्ति शुरू होने के बाद सेवा से विदाई दी जानी है।

भोपाल गैस त्रासदी मामले में पहली कोर्ट में पेश हुए डाउ केमिकल के वकील

बोले- कंपनी भोपाल के न्यायिक क्षेत्राधिकार में नहीं, डिटेल ऑब्जेक्शन के लिए मांगा समय

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में साल 1984 में हुई दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक त्रासदी भोपाल गैस कांड के मामले में मंगलवार को जिला अदालत में सुनवाई हुई। पहली बार डाउ केमिकल (यूनियन कार्बाइड) के वकील जिला अदालत में पेश हुए। उन्होंने कोर्ट में कंपनी का पक्ष रखते हुए कहा कि भारत की अदालत के पास अमेरिकी कंपनी के खिलाफ केस की सुनवाई का न्याय अधिकार नहीं है। वकीलों ने कोर्ट से डिटेल ऑब्जेक्शन फाइल करने के लिए और समय मांगा। जिला कोर्ट ने अगली तारीख 25 नवंबर तय की है। मजिस्ट्रेट विधान माहेश्वरी की कोर्ट में मंगलवार को गैस त्रासदी मामले में सुनवाई हुई। इसमें डाउ केमिकल की तरफ से अधिवक्ता संदीप गुप्ता और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्तता रवींद्र श्रीवास्तव पेश हुए, जबकि याचिकाकर्ता भोपाल ग्रुप फॉर इन्फॉर्मेशन एंड एक्शन के वकील अवि सिंह ऑनलाइन जुड़े। इससे पहले अदालत डाउ केमिकल को छह समन जारी कर चुकी थी। सातवें समन पर कंपनी के वकील कोर्ट में हाजिर हुए। अधिवक्ता संदीप गुप्ता ने बताया कि यह कंपनी अमेरिका में है। इसलिए भोपाल के न्यायालय के क्षेत्राधिकार में नहीं आती है। कंपनी के खिलाफ केस चलाने का कोई अधिकार नहीं है। हमने कहा है कि अगली तारीख को विस्तृत आब्जेक्शन फाइल

करेंगे। इस पर सीबीआई के वकील ने कोई आपत्ति नहीं की। सिर्फ याचिकाकर्ता के वकील अवि सिंह ने आपत्ति ली थी। उनका कहना था कि 2004 में हाईकोर्ट से न्यायशास्त्र के बिन्दू पर इनकी याचिका खारिज की गई थी। ऐसे में अब न्यायशास्त्र को चैलेंज नहीं कर सकते। हमने जवाब में कहा कि याचिका खारिज हुई तब वह डाउ इंडिया लिमिटेड सिंगापुर की कंपनी थी। अब यह डाउ केमिकल प्राइवेट लिमिटेड यूएस की कंपनी है।

इसलिए हमें न्यायशास्त्र को चैलेंज करने का पूरा अधिकार है। कोर्ट ने हमारी बात सुनी है और सुनवाई के लिए 25 नवंबर की तारीख दी है। भोपाल ग्रुप फॉर इन्फॉर्मेशन एंड एक्शन की टीम में शामिल वकील सार्थक तोमर ने कहा कि मंगलवार को पहली बार इस केस में डाउ केमिकल कंपनी के वकील पेश हुए। उन्होंने कहा कि वे पूरी तरह से उपस्थित नहीं हुए हैं। उन्होंने समय मांगा था। जिस पर वरिष्ठ वकील अवि सिंह ने कहा कि भारत के क्रिमिनल कानून में ऐसी कोई जगह नहीं है जहां आप इस तरह से उपस्थित हो सकते हैं। गैस पीड़ित महिला कर्मचारी संघ की अध्यक्ष रशीदा बी का कहना है कि भारत में पहली बार विदेशी कंपनी अदालत में हाजिर हुई है। हमारी जीत यह है कि इस मामले को लेकर अमेरिका के सांसदों को पत्र लिखना पड़ा। जिसके चलते कंपनी भोपाल की अदालत में पेश हुई। उम्मीद है कि वे आगे भी पेश होंगे और भोपाल के गैस पीड़ितों को इंसाफ मिलेगा। गौरतलब है कि भोपाल में 2-3 दिसंबर 1984 की दरमियानी रात यूनियन कार्बाइड कंपनी से मिथाइल आइसोसाइनेट (मिक) नामक जहरीली गैस का रिसाव हुआ था, जिसमें 15 हजार से अधिक लोग मौत की नींद सो गए थे और लाखों लोग शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन के भी शिकार हुए। इस गैस त्रासदी का दंश आज भी भोपाल के लोग झेल रहे हैं, लेकिन पीड़ितों को अब तक न्याय नहीं मिल पाया है। भोपाल ग्रुप फॉर इन्फॉर्मेशन की तरफ से रचना ढींगरा ने बताया कि 1984 में घटी इस घटना को लेकर पहली एफआईआर 1987 में फाइल हुई थी। इसके बाद 1992 यूनियन कार्बाइड कंपनी को भगोड़ा घोषित कर दिया था। 2001 में यूनियन कार्बाइड कंपनी को डाउ केमिकल ने खरीद लिया। तब डाउ केमिकल से हमने कहा था कि आप कंपनी को खरीद रहे हैं तो आपको उसकी सारी जिम्मेदारियां अपनानी होगी। कंपनी ने अमेरिका में ऐसी ही जिम्मेदारियां अपनाई है। जबकि भोपाल गैस कांड के लिए दोहरे मापदंड क्यों हैं। इसी को लेकर 2004 में भोपाल ग्रुप फॉर इन्फॉर्मेशन ने याचिका दायर की थी, जिसमें हमने कहा था भगोड़ी अपराधी कंपनी को शरण देने वाली डाउ केमिकल को अदालत में बुलाकर पूछिए कि वह यूनियन कार्बाइड को क्यों बचा रहे हैं? क्योंकि हमारे देश में भगोड़े को शरण देना भी एक अपराध है।

सबकी समस्या समाधान को सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

– जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं
– अधिकारियों को किया निर्देशित, त्वरित व संतुष्टिपरक करें समस्याओं का निस्तारण

गोरखपुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार तीसरे दिन जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में उन्होंने कहा कि उनकी सरकार जनता की हर समस्या के समाधान को प्रतिबद्ध है। किसी के साथ अन्याय या अत्याचार नहीं होने दिया जाएगा। अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वे हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलावें, जमीन कब्जाने वाले भूमाफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई भी हो। प्रशासन का यह मंत्र होना चाहिए कि मनमानी किसी की नहीं चलेगी। सबको न्याय मिले। गोरखनाथ मंदिर परिसर में बुधवार को आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठे लोगों तक खुद गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को सुना और समझा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। अपराध से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी।

आधुनिक और भव्य तरीके से मनाया जाएगा दशहरा महोत्सव : रामलीला कमेटी

बहराइच, (हि. स.)। श्री मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान रामलीला कमेटी (रजि.) की बैठक बुधवार को शहर के थोक कपड़ा कमेटी अतिथि भवन में सम्पन्न हुई। इस दौरान श्री रामलीला मंचन एवं शोभा यात्रा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कमेटी अध्यक्ष श्याम करन टेकड़ीवाल ने बताया कि इस वर्ष श्री रामलीला महोत्सव का मंचन पूर्व वर्षों से भी अधिक भव्य एवं सुंदर होगा। कमेटी द्वारा रामलीला मंचन को और व्यापक एवं विस्तृत रूप देने के लिए सांस्कृतिक,धार्मिक और देशभक्ति से परिपूर्ण कार्यक्रमों को मंच प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

कार्यक्रम का आयोजन 15 अक्टूबर समाज को संदेश प्रदान करती हुई भव्य शोभायात्रा नगर भ्रमण को छावनी के पंचायती मन्दिर से रामलीला स्थल तक निकलेगी। 24 अक्टूबर को दशहरा महोत्सव, 27 अक्टूबर को भरत मिलाप, 28 अक्टूबर को राजगद्दी बिसातखाना चबूतरा पर होगा। 29 अक्टूबर को घण्टाघर प्रांगण में राजगद्दी के उपलक्ष्य पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। अध्यक्ष ने बताया कि 16 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक प्रतिदिन रामलीला स्थल पर सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन

होगा। सौ वर्ष से अधिक समय से यहां पर रामलीला होती चली आ रही है। इस रामलीला की सबसे बड़ी खास बात यह है कि यह अभी तक निर्बाध गति से होता चला आ रहा है। नवरात्रि शुरू होते ही श्रद्धालु परिवार के साथ अपनी अहम सहभागिता दर्ज कराते हुए पूरे नवरात्रि भर रामलीला का आनंद उठाते हैं। इस रामलीला के बारे में बताया जाता है कि 1905 में रामलीला की शुरूआत यहीं से हुई थी, जहां शहर के अलावा आस-पास के गांव के बुजुर्ग, महिला, पुरुष, बच्चे भारी संख्या में रामलीला देखने आते हैं। बैठक में कमलशेखर गुप्ता, संतोष अग्रवाल, राहुल रॉय, जितेन्द्र अग्रवाल जय जय, सुरेंद्र मातनहेलिया, विनय जैन, राधेश्याम त्रिपाठी एडवोकेट, जितेंद्र सिंह,राजेन्द्र गुप्ता,आनन्द गुप्ता, आकाश जायसवाल, सिद्धार्थ सिंह, देवेंद्र मिश्र, पूरन सिंह चौधरी,रवि पाठक सहित अन्य रामभक्त उपस्थित रहे ।

जातीय जनगणना को हवा देकर भाजपा के वोट बैंक को कम नहीं कर पाएंगी क्षेत्रीय पार्टियां

लखनऊ, (हि.स.)। पिछड़ी और अति पिछड़े वर्ग को भाजपा ने पहले से ही अच्छी संख्या में भागीदारी दे रखी है। इसके बावजूद बिहार में हुई जातीय जनगणना ने भाजपा नेताओं के चेहरे पर भी चिंता की लकीरें खींच दी है। इस जनगणना का चुनाव पर बहुत ज्यादा असर तो नहीं पड़ने वाला है, लेकिन जातीय जनगणना की काट भाजपा को जल्द तलाशना पड़ेगा। उप्र में 2001 में सामाजिक न्याय समिति का गठन कर एक सर्वे कराया था, जिसके अनुसार पिछडा वर्ग 54.5 प्रतिशत है। इस संबंध में राजनीतिक विश्लेषक राजीव रंजन सिंह का कहना है कि इसको लेकर क्षेत्रीय पार्टियां बड़ा मुद्दा बनाना चाहती है, लेकिन यह बड़ा मुद्दा नहीं बन पाएगा। इसके बावजूद भाजपा को इसकी काट तलाशनी होगी। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन अक्टूबर को गरीबी पर बात

कर एक नए बहस को जन्म दे दिया है। यदि इस मुद्दे को आगे बढ़ाया जाता है तो यह बहस का केंद्र बन सकता है। वहीं वरिष्ठ पत्रकार विजय पांडेय का कहना है कि राजनीति में क्षुद्र मानसिकता के लोग ज्यादा आ गये हैं, जो सिर्फ और सिर्फ अपना हित चाहते हैं। उनके लिए देश बिक जाय, उनको गद्दी चाहिए। यही कारण है कि कुछ लोग इस जातिगत मानसिकता को हवा दे रहे हैं। इसको ज्यादातर क्षेत्रीय पार्टियां आगे बढ़ा रही है, लेकिन वे सफल नहीं हो पाएंगी। वरिष्ठ पत्रकार के.के. मिश्रा का कहना है कि यह मुद्दा अभी भले गर्म हो, लेकिन बहुत जल्द यह ठंडे बस्ते में चला जाएगा। बिहार में जो जातिगत जनगणना में सामने आया है। वह पहले से ही लोगों का अनुमान था। उससे इधर-उधर नहीं है, जबकि वरिष्ठ पत्रकार सुनील शर्मा का कहना है कि यह सिर्फ एक-दूसरे को लड़ाकर अपना उल्लू सीधा करने का तरीका है। इसमें क्षेत्रीय पार्टियां ज्यादा आगे बढ़कर बोल रही हैं।

विधायक ने कोहनी मारकर पदाधिकारी को भगाया, बगल में खड़ा होकर फोटो फ्रेम में आना चाहता था

मऊ (हि. स) उत्तर प्रदेश में मऊ जनपद के मधुबन विधानसभा क्षेत्र में गांधी जयंती के दिन गांधी जी की प्रतिमा के सामने भाजपा कार्यकताओं की भीड़ में स्थानीय विधायक रामविलास चौहान द्वारा भाजपा पदाधिकारी को कुहनी से मार कर भगाए जाने का वीडियो वायरल हो रहा है। गौरतलब है कि गांधी जयंती के दिन मधुबन विधानसभा क्षेत्र के मझवारा मोड पर राष्ट्रपिता की प्रतिमा पर माल्यार्पण का कार्यक्रम चल रहा था। इस दौरान भाजपा विधायक रामविलास चौहान सहित अन्य पदाधिकारी खड़े थे। वहीं पीछे से मंडल महामंत्री अतुल शर्मा विधायक रामविलास चौहान के बगल में आकर खड़ा हो गया। जिसे तत्काल विधायक द्वारा कोहनी से पेट में प्रहार करते हुए भागने को कहा गया। उनके द्वारा कोहनी से युक्त पदाधिकारी के पेट में दो-तीन बार झटका मार कर चबूतरे से नीचे धकेल दिया गया। उक्त घटना का वीडियो क्षेत्र में वायरल होने लगा है। रामविलास चौहान पूर्व मंत्री

व वर्तमान में मेघालय के राज्यपाल फागु चौहान के बेटे हैं। जो अपने पिता फागू चौहान के राज्यपाल बनने के बाद उनकी राजनीतिक विरासत संभालने के क्रम में मऊ जनपद के मधुबन विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक चुने गए हैं।

आगामी 50 वर्षों को लेकर कार्य योजनाएं बनायी जायेंगी : केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज, (हि.स.)। संगमनगरी के विकास के लिए जो भी योजनाएं बनायी जाएं,वह कम से कम आगामी 50 वर्षों को लेकर बनायी जाएं। हम नम्बर एक पर प्रयागराज का विकास देखना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीर्थ स्थलों के विकास के प्रति समर्पित हैं। शहर में बनने वाले रिंग रोड के 5 किमी. तक कोई नई प्लाटिंग नहीं होनी चाहिए। जिससे इसका भव्य स्वरूप होगा। यह बातें उप्र के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को संगम सभागार में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कही। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ प्रयागराज हमें मिलकर बनाना है और प्रयागराज को देश का सबसे सुंदर शहर बनाना है। उन्होंने बताया कि शहर में अन्त्येष्टि के लिए घाटों की कमी है। इसके लिए

रसूलाबाद घाट की सड़क का चौड़ीकरण होगा। फाफामऊ में लोग बालू में शव को दबा देते हैं, इसके लिए व्यवस्था की जायेगी। इसके साथ ही छतनाग, अरैल व दारागंज में अन्त्येष्टि स्थल का विस्तार होगा। इसकी कमेटी बनाकर जन प्रतिनिधियों से मिलकर आगामी 25 वर्षों तक की कार्य योजना बनायेंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयाग में गंगा तट का विशेष महत्व है। गंगा तट को सजाने और उसे भव्य रूप देने का कार्य सीडीए पेंशन तक होगा। उन्होंने कहा कि इस कार्य से स्टेट लैंड की जमीनों को जो भूमाफिया कब्जा कर लेते थे, उस पर लगाम लगेगी। भू माफियाओं के कब्जे से सारी जमीनों को मुक्त कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि चकमार्ग, तालाब, चारागाह आदि पर कब्जा हो तो उसे खाली कराया जाए, लेकिन गरीबों को छेड़े नहीं, माफियाओं को छोड़े नहीं। इसके साथ ही उन्होंने श्रृंग्वेरपुर धाम का जिक्र करते हुए कहा कि समरसता का चित्र वहीं दिखाई देता है। उसका भी भव्य विस्तार होगा। अंत में केशव प्रसाद मौर्य ने राजनीति पर चर्चा करते हुए कहा कि आगामी लोकसभा के चुनाव में उत्तर प्रदेश की 80 की 80 सीटों पर कमल खिलेगा। भारत नम्बर एक पर आ रहा है।

भाजपा नेता का घर ढहा, तीन वाहन क्षतिग्रस्त, कोई हताहत नहीं

धनबाद, (हि. स.)। झरिया के भाजपा नेता सह मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल का जर्जर मकान लगातार हो रही बारिश की वजह से ढह गया। इससे वहां खड़ी गई गाड़िया उसके चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई। घटना में लाखों रुपए के वाहनों को क्षति हुई है। बताया जाता है कि झरिया थाना क्षेत्र के चार नंबर टैक्सी स्टैंड स्थित भाजपा नेता राजकुमार अग्रवाल के एक जर्जर मकान का क्षतिग्रस्त हिस्सा बुधवार की अहले सुबह लगभग 4:30 बजे गिर गया। इसकी चपेट में आकर महिंद्रा जाइलो, टाटा इंडिगो और एक एंबेसडर कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं बगल में खड़ी स्विफ्ट डिजायर कर में मामूली क्षति हुई है। गनीमत यह रही कि इसकी चपेट में कोई इंसान नहीं आया, अन्यथा यह एक बड़ी घटना

का रूप ले सकता था। मकान का हिस्सा गिरने की खबर जंगल में लगी आग की तरह इलाके में फैल गई, जिससे सुबह होते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मकान पिछले कई महीनो से जर्जर स्थिति में था। वहीं पिछले चार दिनों से लगातार धनबाद में हो रही मूसलाधार बारिश के कारण मकान बुधवार की अहले सुबह एकाएक ढह गया। घटना के बाद सड़क पर मकान का मलवा गिरने से आवागमन बाधित हो गया। अंदर मोहल्ले से सड़क की ओर कोई भी दो पहिया या चार पहिया वाहनों का आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया था। इसके बाद जेसीबी की मदद से हटवाया गया, तब जाकर आवागमन सामान्य हो सका।

प्रोजेक्ट भवन का घेराव करने पहुंचे पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ के कर्मियों को पुलिस ने रोका

रांची, (हि.स.)। पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ मांगों को लेकर प्रोजेक्ट भवन का घेराव करने निकला लेकिन पुलिस ने धुर्वा गोलचक्कर के समीप बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। 24 जिलों से आये कर्मी बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे लेकिन पुलिस बार-बार बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक रही थी। इसके लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग भी किया। मौके पर मजिस्ट्रेट अमित कुमार मौजूद थे। वह लोगों को लाउडस्पीकर से बैरिकेडिंग के आगे आने से रोक रहे थे। संघ के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप ने कहा कि जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होगी तब तक आंदोलन और धरना प्रदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को हमसे वार्ता करनी होगी। उन्होंने कहा कि पिछले 90 दिनों से संघ के कर्मचारी राजभवन के समक्ष धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। सभी पिछले चार सालों के वेतनमान और मानदेय बढ़ोतरी को लेकर बार-बार सरकार से गुहार लगा रहे हैं लेकिन सरकार उनकी एक नहीं सुन रही है। उन्होंने कहा कि प्रमुख मांगों में पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ के दस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की वार्ता करने, स्वयं सेवकों की सेवा स्थायी करने, नियमित मानदेय लागू किया करने, स्वयं सेवकों का समायोजन करने और संघ का नाम बदलकर पंचायत सहायक करना शामिल है। उल्लेखनीय है कि संघ के घेराव को लेकर जिला प्रशासन ने प्रोजेक्ट भवन के 200 मीटर के दायरे में धारा 144 लगा दी थी। इसके बावजूद संघ के कर्मचारी प्रोजेक्ट भवन घेराव करने पहुंचे हैं।

विधानसभा सचिव सात दिन में जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद कमीशन की रिपोर्ट प्रस्तुत करें : हाई कोर्ट

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में विधानसभा में नियुक्ति गड़बड़ी मामले में शिव शंकर शर्मा जनहित याचिका की सुनवाई बुधवार को हुई। सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट अब तक कोर्ट में प्रस्तुत नहीं किए जाने पर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि कोर्ट के तीन बार आदेश के बाद भी विधानसभा सचिव की ओर से अब तक जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट नहीं आई है। यह कानूनी प्रक्रिया में व्यवधान का मामला बनता है। कोर्ट ने विधानसभा सचिव को सात दिनों के भीतर जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश देते हुए मामले के अगली सुनवाई गुरुवार को निर्धारित की। रिपोर्ट पेश नहीं होने से नाराज कोर्ट ने कहा कि यदि विधानसभा सचिव द्वारा जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत नहीं की जाती है तो उन पर आपराधिक अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाएगी। सुनवाई के दौरान अपर महाधिवक्ता जयप्रकाश और

अधिवक्ता अनिल कुमार ने कोर्ट को बताया कि कैबिनेट सेक्रेटेरिएट ने जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद कमीशन की रिपोर्ट को जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली कमीशन के पास भेजा है। इसलिए कैबिनेट सेक्रेटेरिएट से जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की रिपोर्ट मांगी गई है। यह रिपोर्ट अब तक नहीं मिली है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता राजीव कुमार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मामले की जांच को लेकर पहले जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की अध्यक्षता वाली वन मैन कमिशन बनी थी, जिसने मामले की जांच कर राज्यपाल को वर्ष 2018 में रिपोर्ट सौंपी थी, जिसके आधार पर राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष को एक्शन लेने का निर्देश दिया था लेकिन वर्ष 2021 के बाद से अब तक कोई एक्शन नहीं लिया गया है। राज्यपाल के दिशा निर्देश के बावजूद भी विधानसभा अध्यक्ष द्वारा इस मामले को लंबा खींचा जा रहा है। मामले में देरी होने से गलत तरीके से चयनित होने वाले अधिकारी सेवानिवृत हो जाएंगे। पूर्व की सुनवाई विधानसभा की ओर से बताया गया था कि जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद की कमीशन की रिपोर्ट पूरी तरीके से स्पेसिफिक नहीं थी। इस कारण जस्टिस विक्रमादित्य प्रसाद के कमीशन की रिपोर्ट का अध्ययन करने के लिए एक और जस्टिस एसजे मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली कमीशन बनी है।

नहाय-खाय के साथ गुरुवार से शुरू होगा जीवित्पुत्रिका व्रत, शनिवार को होगा पारण

बेगूसराय, (हि.स.)। सनातन हिंदू धर्म में कई प्रकार के व्रत-त्योहार सालों भर मनाए जाने का विधान है। जिसमें पति, पुत्र, धन-धान्य, सौभाग्य और सुख समृद्धि की कामना की जाती है। इन्हीं त्योहारों में से एक है आश्विन मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला जीवित्पुत्रिका व्रत (जिउतिया)। सप्तमी तिथि को नहाय-खाय के साथ इस व्रत का शुभ काल शुरू होता है और अष्टमी तिथि को महिलाएं निर्जला व्रत करती हैं। इस बार महिलाओं को इस व्रत में कठिन परीक्षा देनी होगी। 30 घंटा से अधिक समय तक उन्हें निराहार रहना होगा। ज्योतिष अनुसंधान केंद्र गढ़पुरा के संस्थापक पंडित आशुतोष झा ने बताया कि सप्तमी में नहाय-खाय के बाद प्रदोष काल में अष्टमी प्रवेश से जिउतिया व्रत शुरू होता है। उन्होंने बताया कि गुरुवार पांच अक्टूबर को सुबह 9:08 बजे तक षष्टी तिथि उसके बाद शुक्रवार को सुबह 9:35 बजे तक सप्तमी तिथि रहेगा। पांच अक्टूबर गुरुवार को व्रती नहाय-खाय करेगी तथा शुक्रवार को अहले सुबह 4:28 बजे तक ओठघन होगा। शुक्रवार की सुबह से उपवास शुरू हो जाएगा। शनिवार को अष्टमी तिथि सुबह 10:32 बजे तक रहेगा। उसके बाद 10:33 में नवमी तिथि का प्रवेश होने के साथ ही जिउतिया का पारण शुरू होगा। उन्होंने बताया कि जीवित्पुत्रिका व्रत मां द्वारा अपनी संतान की लंबी आयु, स्वास्थ्य, सुख-

समृद्धि, संतान प्राप्ति की कामना के साथ किया जाता है। कहा जाता है कि महाभारत काल में भगवान श्रीकृष्ण ने अपने पुण्य कर्मों को अर्जित करके उत्तरा के गर्भ में पल रहे शिशु को जीवनदान दिया था। इसलिए यह व्रत संतान की रक्षा की कामना के लिए किया जाता है। मान्यता है कि इस व्रत के फलस्वरुप भगवान श्रीकृष्ण संतान की रक्षा करते हैं। इसमें गेहूं के आटे की रोटी खाने की बजाए मडुआ के आटे की रोटियां खाती हैं। नोनी का साग खाने की भी परंपरा है। जिसमें नोनी के साग में कैल्शियम और आयरन भरपूर मात्रा में होता है और व्रती के शरीर को पोषक तत्वों की कमी नहीं होती है। सनातन धर्म में पूजा-पाठ में मांसाहार का सेवन वर्जित माना गया है। लेकिन इस व्रत की शुरूआत बिहार में कई जगहों पर मछली खाकर की जाती है। इसके बाद शुभता का प्रतीक पान खाकर महिलाएं निर्जला व्रत शुरू कर देती है। कथाओं के अनुसार एक विशाल पाकड़ के पेड़ पर एक चील रहती थी। उसी पेड़ के नीचे एक सियारिन भी रहती थी। दोनों पक्की सहेलियां थी, दोनों ने कुछ महिलाओं को देखकर जितिया व्रत करने का संकल्प लिया और भगवान जीमूत वाहन की पूजा और व्रत करने का प्रण ले लिया। लेकिन जिस दिन दोनों को व्रत रखना था, उसी दिन शहर के एक बड़े व्यापारी की मृत्यु हो गई और उसके दाह संस्कार में सियारिन को भूख लगने लगी थी। मुर्दा देखकर वह खुद को रोक नहीं सकी और उसका व्रत टूट गया। लेकिन चील ने संयम रखा और नियम और श्रद्धा से अगले दिन व्रत का पारण किया। अगले जन्म में दोनों सहेलियों ने भास्कर नमक ब्राह्मण परिवार में पुत्री के रूप में जन्म लिया। चील, बड़ी बहन बनी और सियारन, छोटी बहन के रूप में जन्मीं। चील का नाम शीलवती रखा गया, शीलवती की शादी बुद्धिसेन के साथ हुई, जबकि सियारिन का नाम कपुरावती रखा गया और उसकी शादी उस नगर के राजा मलायकेतु से हुई। भगवान जीमूत वाहन के आशीर्वाद से शीलवती के सात बेटे हुए। लेकिन कपुरावती के सभी बच्चे जन्म लेते ही मर जाते थे। कुछ समय बाद शीलवती के सातों पुत्र बड़े हो गए और राजा के दरबार में काम करने लगे। कपुरावती के मन में ईर्ष्या की भावना आ गई तो उन सभी का सर काट दिए तथा कपड़े से ढंककर शीलवती के पास भेज दिया। यह देख जीमूत वाहन ने सिरों को उसके धड़ से जोड़कर उन पर अमृत छिड़क दिया। उनमें जान आ गई, सातों युवक जिंदा होकर घर लौट आए। तभी से इस व्रत का विधान चल रहा है।

भारत के आर्थिक विकास को नई ऊंचाई देगा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि बुनियादी ढांचे के विकास का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण भारत के आर्थिक विकास को नई ऊंचाई पर ले जाएगा। यह नागरिकों के जीवनयापन को आसान बनाएगा, रोजगार सृजन में बढ़ोतरी करेगा और समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी स्थापित करेगा। अपने संसदीय क्षेत्र बेगूसराय प्रवास के दौरान बुधवार को गिरिराज सिंह ने कहा कि किसी देश की आर्थिक प्रगति को आकार देने में उसके बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता की एक अहम भूमिका होती है। हमारे देश के एक वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की प्रक्रिया में गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा एक महत्वपूर्ण मूलभूत तत्व है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बुनियादी ढांचे को अपने विकास के एजेंडे में सबसे ऊपर एवं केन्द्र में रखा है। पहले बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं को अत्यधिक देरी का सामना करना पड़ता था। लेकिन पिछले नौ वर्षों के दौरान बड़ी सोच और बिना किसी देरी के काम को पूरा करना देश में बुनियादी ढांचे के विकास की पहचान रही है। प्रधानमंत्री ने नियमित रूप से प्रगति प्लेटफॉर्म के माध्यम से परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी की है। जिसके कारण बुनियादी ढांचे की विभिन्न विलंबित एवं नई घोषित परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी की सुविधा पहुंचाने के लक्ष्य के अनुरूप राजमार्ग निर्माण का दैनिक औसत उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। यह 2014 के पूर्व के स्तरों की तुलना में लगातार अधिक बना हुआ है। हाईवे निर्माण की गति 37 किलोमीटर प्रति दिन तक पहुंच गई है। ग्रामीण सड़कों के निर्माण में हुई तेज वृद्धि ने दूरदराज के इलाकों में सड़क तक पहुंच को

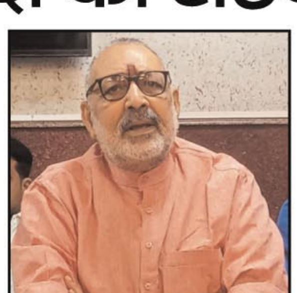

लगभग सर्वसुलभ बना दिया है। 2014 से अब तक तीन लाख 28 हजार किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कें बन चुकी है।

मोदी सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों ने हवाई यात्रा को सस्ता और सुलभ बना दिया है। पिछले नौ वर्षों के दौरान 74 हवाई अड्डों का निर्माण कर आवागमन शुरू किया गया है। इसके अलावा 58 हवाई अड्डे, आठ हेलीपोर्ट एवं दो वाटर एयरोड्रम सहित 68 कम आवागमन वाले हवाई सेवा की सुविधा से वंचित स्थलों को उड़ान योजना के तहत जोड़ा गया है। मेट्रो रेल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गई। पिछले नौ वर्षों के दौरान मेट्रो रेल परियोजनाएं 20 शहरों तक पहुंच गई। मेट्रो का विस्तार 2014 में 248 किलोमीटर से बढ़कर 2023 में 860 किलोमीटर हो गया है। भारतीय रेल ने भी पिछले नौ वर्षों के दौरान रेलवे लाइनों के दोहरीकरण और रेलवे पटरियों के विद्युतीकरण के जरिए बड़े पैमाने पर अपनी क्षमता का विस्तार किया है। भारत की पहली स्वदेशी सेमी हाई-स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस मेक इन इंडिया की सफलता की कहानी कहती है। चार सौ वंदे भारत चलाए जाने का लक्ष्य है। गिरिराज सिंह ने कहा कि ढांचागत जुड़ाव को और बढ़ाने तथा नागरिकों के लिए लागत को कम करने के लिए हाल ही में शुरू की गई राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति का उद्देश्य लॉजिस्टिक्स संबंधी लागत को कम करना, अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देना, हमारे स्टार्टअप, व्यवसायों एवं किसानों को नए अवसर उपलब्ध कराना और देश में समृद्धि लाना है। किसी देश के ढांचागत विकास को मजबूत वित्तीय प्रतिबद्धताओं द्वारा समर्थित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम गति शक्ति मास्टर प्लान की थी। यह मास्टर प्लान मंत्रालयों और विभागों के एकीकृत एवं समग्र योजना निर्माण की दिशा में परिवर्तनकारी दृष्टिकोण है। जिससे मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी एवं लॉजिस्टिक्स संबंधी दक्षता को बेहतर बनाया जा सके। व्यवधानों को कम करने एवं परियोजनाओं को समय पर पूरा करने पर ध्यान देकर निर्बाध आवाजाही के लिए महत्वपूर्ण ढांचागत अंतराल को पाटा जा सके। आजाद भारत के इतिहास में बुनियादी ढांचे के विकास की यह सबसे व्यापक योजना है। क्योंकि सरकार आने वाले वर्षों में करीब एक सौ लाख करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बना रही है।

संपादकीय

जातियों का चुनावी सर्वे

मंडल आयोग की सिफारिशों के 33 साल बाद 'जातीय राजनीति' का एक और दौर शुरू हुआ है। बिहार सरकार ने जातीय सर्वेक्षण के आंकड़े जारी कर ओबीसी और अति पिछड़ों के आरक्षण पर एक नई बहस छेड़ दी है। भारत सरकार ने 2021 की राष्ट्रीय जनगणना अभी तक नहीं कराई है। नतीजतन डाटा का जो 'अधिकृत शून्य' देश के सामने है, उसे राज्यों के 'जातीय सर्वे' नहीं भर सकते। बिहार के अलावा महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, ओडिशा और राजस्थान आदि राज्यों ने भी ऐसे सर्वे कराए हैं। ओडिशा ने पिछड़ी जातियों का आर्थिक-सामाजिक सर्वेक्षण जारी भी कर दिया है। यदि जातीय सर्वे जारी ही नहीं किए गए, और उनके मुताबिक पिछड़ी जातियों के विकास को न्याय नहीं दिया जा सका, तो फिर सर्वे बेमानी है। जातीय आरक्षण की अधिकतम सीमा निर्धारित है। आखिर सरकारें किन-किन जातियों को आरक्षण दे सकती हैं? नतीजतन ये कवायदें अराजकता के अलावा कुछ भी नहीं हैं। सर्वोच्च अदालत में बिहार के जातीय सर्वेक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाएं अभी विचाराधीन हैं। संवैधानिक वैधता का फैसला आने से पहले ही सर्वे कराना और उसके नतीजों की घोषणा भी कर देना वाकई 'दुर्भाग्यपूर्ण' है। सर्वोच्च अदालत ने इस सर्वे को ही खारिज कर दिया, तो बिहार के राजनीतिक दल 'चुनावी प्रलाप' के बजाय कुछ भी नहीं कर सकते। सर्वे में बिहार की आबादी 13 करोड़ से अधिक बताई गई है। राज्य में 53 जातियों की आबादी एक फीसदी से भी कम है। यानी सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन आदि समुदायों का अस्तित्व 'नगण्य' है। यादव 4 फीसदी से अधिक, दलित 5.5 फीसदी और मुसलमान 5 फीसदी से अधिक बढ़े हैं। सवर्ण जातियां 3 फीसदी से ज्यादा घटी हैं। बहरहाल इन निष्कर्षों के आधार पर खासकर बिहार सरकार क्या करेगी? इस सवाल का जवाब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भविष्य पर टाल दिया है। इस सर्वे को बिहार का सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक सर्वेक्षण भी नहीं माना जा सकता। बिहार देश के सबसे गरीब राज्यों में दूसरे स्थान पर है। लालू यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी ने मुख्यमंत्री के तौर पर 15 साल बिहार में शासन किया है। आज भी उनके सुपुत्र तेजस्वी यादव राज्य के उपमुख्यमंत्री हैं। नीतीश कुमार करीब 18 सालों से मुख्यमंत्री हैं। पिछड़ी जातियों का विकास न तो याद रहा और न ही ऐसे सर्वे कराए गए। बिहार के पास आर्थिक संसाधन ही बेहद सीमित हैं। वंचित, दलित, महादलित, पिछड़ों, अति पिछड़ों और हाशिए पर पड़ी जातियों के लिए कब योजनाएं बनेंगी और उनकी भागीदारी आबादी के मुताबिक तय की जा सकेगी? दरअसल जातीय जनगणना या सर्वे का शिगूफा आजकल विपक्षी गठबंधन के दलों ने छेड़ रखा है। यह सर्वे भी चुनावी है। अति पिछड़े और ओबीसी के वोट बैंक मोदी कालखंड में भाजपा से जुड़े हैं। 2019 के आम चुनाव में करीब 44 फीसदी ओबीसी वोट भाजपा को मिले थे। विपक्ष इस वोट बैंक को छीनना चाहता है, लिहाजा यह प्रचार भी अभी से किया जा रहा है कि यदि 2024 में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनी, तो राष्ट्रीय स्तर पर जातीय जनगणना कराई जाएगी। बिहार का यह प्रयोग उन राज्यों में विपक्ष प्रचारित करेगा, जहां भाजपा-शासित सरकारे हैं और जातीय सर्वे नहीं कराए गए। बिहार में ओबीसी 63 फीसदी और अति पिछड़े 36 फीसदी बताए गए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2007 में दलितों के अलावा 'महादलित' समुदाय भी प्रचारित किया था। सत्ता के इन 16 सालों में 'महादलितों' के लिए क्या किया गया, नीतीश कुमार इसका भी खुलासा करें। जातीय सर्वे का हश्र भी, कमोबेश 2024 के आम चुनाव के बाद, यही होना है, क्योंकि नीतीश-तेजस्वी सरकार बयानबाजी के अलावा कुछ और नहीं कर सकते। कमोबेश यही बता दें कि आरक्षण की जमात में करोड़ों लोग आते हैं। किस-किसको आरक्षण देगी सरकार? ऐसा नहीं है कि भाजपा जातियों की राजनीति नहीं करती, लेकिन मौजूदा परिदृश्य में राम मंदिर और महिला आरक्षण के साथ-साथ विकास के मुद्दे पर ही वह चुनाव में उतरेगी। विपक्ष क्या पिछड़ों के विमर्श पर ही भाजपा के खिलाफ चुनाव लडना चाहेगा, यह आने वाले कुछ दिनों में बिल्कुल स्पष्ट हो जाएगा। अगर इस विषय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचार देखे जाएं तो उन्होंने कहा है कि विपक्ष विकास विरोधी है जो जातियों के आधार पर देश में विभाजन पैदा कर रहा है।

> सर्वोच्च अदालत में बिहार के जातीय सर्वेक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाएं अभी विचाराधीन हैं। संवैधानिक वैधता का फैसला आने से पहले ही सर्वे कराना और उसके नतीजों की घोषणा भी कर देना वाकई 'दुर्भाग्यपूर्ण' है। सर्वोच्च अदालत ने इस सर्वे को ही खारिज कर दिया, तो बिहार के राजनीतिक दल 'चुनावी प्रलाप' के बजाय कुछ भी नहीं कर सकते। सर्वे में बिहार की आबादी 13 करोड़ से अधिक बताई गई है। राज्य में 53 जातियों की आबादी एक फीसदी से भी कम है। यानी सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन आदि समुदायों का अस्तित्व 'नगण्य' है। यादव 4 फीसदी से अधिक, दलित 5.5 फीसदी और मुसलमान 5 फीसदी से अधिक बढ़े हैं। सवर्ण जातियां 3 फीसदी से ज्यादा घटी हैं। बहरहाल इन निष्कर्षों के आधार पर खासकर बिहार सरकार क्या करेगी? इस सवाल का जवाब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भविष्य पर टाल दिया है। इस सर्वे को बिहार का सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक सर्वेक्षण भी नहीं माना जा सकता। बिहार देश के सबसे गरीब राज्यों में दूसरे स्थान पर है। लालू यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी ने मुख्यमंत्री के तौर पर 15 साल बिहार में शासन किया है। आज भी उनके सुपुत्र तेजस्वी यादव राज्य के उपमुख्यमंत्री हैं। नीतीश कुमार करीब 18 सालों से मुख्यमंत्री हैं। पिछड़ी जातियों का विकास न तो याद रहा और न ही ऐसे सर्वे कराए गए।

कुछ अलग

सियासत की बिच्छू बूटी

सियासत में कभी जंग नहीं लगता, फिर भी यह मंच स्थायी शांति का आश्वासन नहीं। सियासत देश के समीकरणों में हिमाचल के लिए भी अवसर देती है, तो मौके की तलाश में सीढियां घूमने लगती हैं। ऐसे में प्रश्न यह कि क्या हिमाचल भाजपा में शांति है या अनुशासन की नई परिपाटी में कांग्रेस के भीतरी मतभेद खत्म हो गए। भाजपा को देखने के लिए विपक्ष में उसकी पारी हिमाचल में करतब दिखा रही है, तो केंद्रीय सत्ता के जरिए उसका नया मुकाम असमंजस से लड़ रहा है। हिमाचल में सत्ता के बनते-बिगड़ते फलक पर एक बार फिर कांगड़ा, हाथ-मुंह धो रहा है। न शगुन भाजपा को मिल रहा है और न ही कांग्रेस की सत्ता का नशा यहां की उदासी पर चढ़ रहा है। यह राजनीति का स्थायी अत्याचार है, जो इस जिला को हिमाचल में स्थापित नहीं कर रहा या इसे इतना खोखला कर दिया है कि यहां के नेताओं को लगातार दोनों पार्टियों के आलाकमान कूड़ेदान की वस्तु मान चुके हैं। ऐसे में यह तो माना जा सकता है कि विद्रोह की राजनीति में कांगड़ा के साथ-साथ चंबा तक के संसदीय क्षेत्र में भी घुन लग चुका है। कांग्रेस के बड़े नेता राहुल गांधी ने अन्य पिछड़ा वर्ग के मुद्दे पर मोदी सरकार को लगभग घसीट दिया है, लेकिन उन्हीं के सिपहसालार प्रदेश की सियासी हवा में कांगड़ा जिला को ही सत्ता में पिछड़ा बना चुके हैं। सत्ता में आने के लिए हर पार्टी को कांगड़ा का गुस्सा चाहिए, लेकिन सत्ता में आने के बाद मुस्कराहट छीनने का सौ फीसदी मसाला-फार्मूला तैयार हो चुका है। बेशक भाजपा पूछती रही है कि कांग्रेस सरकार में कांगड़ा की हिस्सेदारी मुकम्मल क्यों नहीं हुई, लेकिन उसका अपना आचरण भी सरकार बनते ही दुर्ग बदल लेता रहा है। पिछली भाजपा सरकार ने हालांकि कांगड़ा से मंत्रियों का कोटा एक हद तक बरकरार रखा, लेकिन विभागों की फेहरिस्त में मंत्रियों के हिस्से इतना बजट नहीं आया कि वे अपनी रंगत दिखा पाते। इसी परिप्रेक्ष्य में खोट इतना बढ़ा कि पूरा जिला उसकी पकड़ से खिसक गया। अब भी हाल यह है कि एकमात्र कृषि मंत्री के दायित्व में आए बजट से कांगड़ा के आर्थिक खेत में भूसा ही दिखाई दे रहा है। यह दीगर है कि पर्यटन के नाम पर कुछ बड़ी परियोजनाओं का जिक्र और गगल एयरपोर्ट विस्तार के नाम पर सरकार अपने संतुलन की हिफाजत कर रही है, लेकिन लगभग एक साल से मंत्रिमंडल विस्तार के ताले अभी तक खुले नहीं हैं। ऐसे में कांग्रेस का राजनीतिक संतुलन एक गूढ़ रहस्य की तरह लडख़ड़ा रहा है। दूसरी ओर भाजपा की ओर से संसद में धकेले गए किशन कपूर को क्या पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव की उम्मीदवारी से भी धकेल पाएगी।

दूसरे देशों में गए युवाओं को गांधीवाद के वैश्विक स्वरूप ने उनकी सोच को बदला है

छात्रों के भी हैं महात्मा गांधी

डा. वरिंद्र भाटिया

हर बार की तरह इस बार भी गांधी जयंती पर राष्ट्रपिता को याद किया गया। मैंने शिक्षा से जुड़े अपने 35 साल के तजुर्बे से देखा कि हमारे कुछ छात्र और कुछ युवा और समाज के अनेक लोग राष्ट्रपिता की विचारधारा की जड़ से अनभिज्ञ हैं। देश में नव उदारवादी नीतियों के लागू होने के बाद भारत जिस तेजी से भूमंडलीकरण की राह पर दौड़ रहा है, उससे युवा वर्ग गांधी के सपनों के भारत से न केवल दूर होता जा रहा है, बल्कि वह पश्चिम की भौतिकवादी चकाचौंध को आत्मसात करने में लगा है। हालांकि बहुराष्ट्रीय कंपनियों की आमद से पश्चिमी देशों से जो आवागमन बढ़ा उसने कुछ सालों में ही युवा पीढ़ी को गांधी के विषय में सोचने पर मजबूर कर दिया। अधिक पैसा कमाने की ललक से तमाम तरह डिग्रियां लेकर दूसरे देशों में गए युवाओं को गांधीवाद के वैश्विक स्वरूप ने उनकी सोच को बदला है। कम ही सही, लेकिन कई युवाओं की ऐसी कहानियां हमारे लिए उदाहरण हो सकती हैं जो विदेश की आरामतलब और अधिक आय वाली नौकरियों का परित्याग करके स्वदेश लौट आए। और न सिर्फ वापस आए, बल्कि देश के कई क्षेत्रों में अविस्मरणीय काम किए हैं। सोचिए, क्या भारत का स्वतंत्रता संघर्ष सिर्फ अधेड़ और बूढ़े आदमियों द्वारा लड़ा गया था? हरगिज नहीं, क्योंकि अगर ऐसा होता तो वह सफलता नहीं पा सकता था। गांधी जी युवाओं के लिए सबसे बड़े नेतृत्वकर्ता थे। उनका युवाओं के प्रति झुकाव उन दिनों से साफ दिखता है जब वे दक्षिण अफ्रीका में रहते थे। हमें समझना होगा कि गांधी के केवल विचार ही नहीं उनके कर्म भी युवाओं के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहे हैं। भारत आने से पहले जब गांधी जी दक्षिण अफ्रीका में थे तो वहां की सरकार ने भारतीय रीति-रिवाज से हुए विवाहों की वैधता पर सवाल खड़ा किया और उन विवाहों को मानने से इनकार कर दिया। इससे प्रभावित होने वालों में अधिकांश रूप से युवा ही थे। ऐसे युवाओं को वहां की सरकार ने नौकरियों से निकालना शुरू कर दिया। उस समय गांधी जी एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे जो उनके साथ खड़े हुए। उन्होंने युवाओं को संगठित और प्रोत्साहित किया और एक बड़ा आंदोलन छेड़ा। बेरोजगार हो चुके युवाओं के लिए फीमिक्स आश्रम बनाया और वहां पर लघु उद्योग चलाने लगे। यह एक अद्भुत प्रयोग था जिसके लिए भारत के लोगों ने भी अपनी सहायता भेजी। तब के उद्योगपति रतन टाटा, कांग्रेस और हैदराबाद के निजाम की दी हुई

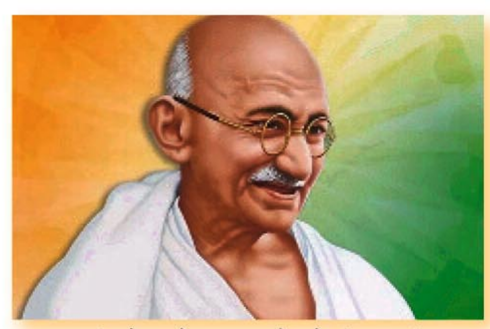

सहायता राशि लेकर गोपालकृष्ण गोखले दक्षिण अफ्रीका गए। गांधी जब 1901 में भारत आए, उस समय कांग्रेस का अधिवेशन कलकत्ता में था। आमतौर पर कांग्रेस के अधिवेशनों में वकीलों की भागीदारी रहती थी परन्तु कलकत्ता में काफी संख्या में युवाओं ने भागीदारी की। माना जाता है कि गांधी के आने से युवाओं में इसका प्रभाव पड़ा। उस अधिवेशन में गांधी जी ने यह कहा कि कोई काम छोटा-बड़ा नहीं होता और अपना काम करने में किसी भी प्रकार की शर्म नहीं होनी चाहिए। उन्होंने वहां बने शौचालयों को खुद साफ करके इसका संदेश भी दिया। स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ते हुए गांधी जी ने जब असहयोग आंदोलन का नारा दिया तो उन्होंने युवाओं को सरकारी कालेज, स्कूल छोडने का आह्वान किया और स्वदेशी विद्यालयों में पढने को कहा। फलस्वरूप काशी विद्यापीठ सहित कई शैक्षिक संस्थानों की स्थापना हुई। देश में इससे एक स्वदेशी शिक्षा प्रणाली का आकर्षण पैदा हुआ। उन युवाओं को चरखे दिए गए जो असहयोग आंदोलन से बेरोजगार हो गए थे। जेल से आने के बाद गांधी जी ने लघु उद्योगों को यहां भी बढ़ाने पर जोर दिया और देश में स्वरोजगार का विस्तार हुआ। गांधी जी ने जिस मौलिक शिक्षा की जमीन तैयार की वह युवाओं खास तौर पर छात्रों के लिए महत्वपूर्ण है। शिक्षा के लिए महात्मा गांधी जी की योजना को वर्धा शिक्षा योजना के नाम से जानते हैं जिसको डा. जाकिर हुसैन ने गांधी जी के निर्देश पर तैयार किया था। उस योजना के तीन मूलभूत पक्ष थे- हस्त निर्मित उत्पादन कार्य, मातृ भाषा में सात वर्ष तक अनिवार्य शिक्षा और सुलेखन। हमने इन योजनाओं का त्याग किया। इसका विश्लेषण किया जाना चाहिए। कुछ साल पहले हुए सर्वे में यह पता चला कि देश के 76 फीसदी युवा अपना आदर्श गांधी को मानते हैं। हो सकता है इस आंकड़े में ऐसे युवा भी होंगे जो आमतौर पर गांधी को अच्छा मानते हुए अपना आदर्श बता गए हों। लेकिन अभी आईबीएन-सीएनएन के एक देशव्यापी ताजा सर्वे में फिर यह सामने आया कि देश के अधिकांश युवा गांधी को अपना रोल मॉडल मान रहे हैं। यह सुखद आश्चर्य की बात है कि जहां एक तरफ बीयर और पब संस्कृति वाली वर्तमान पीढ़ी पाश्चिमी जीवन शैली को आत्मसात कर रही है वहीं दूसरी तरफ वह गांधी को आदर्श बताने में नहीं हिचकती। गंभीर सवाल यही है कि गांधी को अपना रोल मॉडल बताने वाली युवा पीढ़ी गांधी के रास्ते पर चलने को तैयार क्यों नहीं। क्यों वह हिंसा, नशाखोरी और पैसे के पीछे भाग रही है। यह सवाल उनसे ही पूछना होगा जो अब तक गांधी को नकारती आए हैं। गांधी ने जिस हिन्द स्वराज का खाका दिया था, उस पर हमारे नेतृत्वकर्ता हमेशा चलने से कतराते रहे। गांधी जी लघु उद्योग और स्वरोजगार से देश के हर व्यक्ति को काम देना चाहते थे। जबकि हमारी वर्तमान आर्थिक नीतियां युवाओं को बेरोजगारी के दलदल में धकेलती रही हैं। आजादी के बाद जो लघु उद्योग फैला वह अंतिम सांसें गिन रहा है। बड़े पूंजीपति घरानों के चंगुल में तो देश बहुत पहले जकड़ चुका था। अब विदेशी पूंजी के हवाले हमारे खुदरा और घरेलू रोजगारों को भी सौंपा जा रहा है। कुल मिलाकर हम ऐसी अर्थव्यवस्था के हवाले कर दिए गए हैं जिसे गांधी जी गरीब पैदा करने वाला बताते थे। बावजूद इस अनर्थ अर्थतंत्र में गांधी जी ही एकमात्र विचार हैं जिन्हें अपनाकर देश और समाज को बचाया जा सकता है। उनके जीवन में कुछ भी व्यक्तिगत नहीं था, उनका पूरा जीवन एक संयुक्त परिवार था। जिसमें उनके लिए भी जगह थी जो उनसे घोर असहमत थे। गांधीवादी विचारों की पूंजी पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक है। गांधी जी के विचारों पर राजनीतिक बहस और इनके विचारों को दूसरे स्वतन्त्रता सेनानियों के विचारों के सामने बौना साबित करने की कवायद देश हित में नहीं है। पूरी दुनिया आज भी उनके विचारों का लोहा मानती है और संकट के पल में प्रेरणा और आत्म विश्वास ग्रहण करती है। अगर महात्मा गांधी का दर्शन युवाओं और छात्रों के लिए है तो शिक्षा प्रणाली को यह उन्हें बताना होगा याद रहे गांधी जी के विचार सभी के लिए मार्गदर्शक हैं और तुच्छ राजनीतिक स्वार्थों से बहुत ऊपर हैं। उनके विचारों को कभी भी बौना साबित नहीं किया जा सकता है।

> गांधी ने जिस हिंद स्वराज का खाका दिया था, उस पर हमारे नेतृत्वकर्ता हमेशा चलने से कतराते रहे। गांधी जी लघु उद्योग और स्वरोजगार से देश के हर व्यक्ति को काम देना चाहते थे। जबकि हमारी वर्तमान आर्थिक नीतियां युवाओं को बेरोजगारी के दलदल में धकेलती रही हैं। आजादी के बाद जो लघु उद्योग फैला, वह अंतिम सांसें गिन रहा है। बड़े पूंजीपति घरानों के चंगुल में तो देश बहुत पहले जकड़ चुका था। अब विदेशी पूंजी के हवाले हमारे खुदरा और घरेलू रोजगारों को भी सौंपा जा रहा है।

संपदा हिमाचल की, तो मुआवजे में देरी क्यों

हिमाचल प्रदेश पश्चिमी हिमालय के मध्य में स्थित है जिसे देवभूमि के साथ साथ वीरभूमि के रूप में भी जाना जाता है। राज्य के अधिकांश मंदिर नक्काशीदार लकड़ी में काष्ठकुणी शैली के अलावा अद्भुत स्थापत्य कला के साथ पत्थरों से बने हुए हैं। हिमाचल अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं की वजह से देश विदेश में अनूठी पहचान रखता है। यहां की छायादार घाटियां, वृहद चट्टानें, हिमनद और विशाल देवदार और मधुर संगीतमय ध्वनि पैदा करने वाली नदियां, श्रेष्ठ वनस्पतियां और पहाड़ी जीव-जंतु बरबस ही यहां आने वाले सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। जहां तक हिमाचल के वर्तमान स्वरूप की बात करें तो 27000 वर्ग किलोमीटर में फैली 30 रियासतों के एकीकरण के परिणामस्वरूप 15 अप्रैल 1948 को हिमाचल प्रदेश एक केंद्र शासित प्रदेश के रूप में अस्तित्व में आया था। राज्य के पुनर्गठन पर पंजाब के पहाड़ी क्षेत्रों को राज्य में मिला दिया गया और हिमाचल का आकार बढक़र 55673 वर्ग किलोमीटर हो गया। अपने अस्तित्व में आने के बाद से विकास के मामले में हिमाचल प्रदेश ने एक लम्बी छलांग लगाई है और शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवाओं के विकास का एक सफल मॉडल यहां देखने को मिलता है। आजादी से पहले और 25 जनवरी 1971 में भारतीय संघ का 18वां राज्य बनने तक हिमाचली भू-सम्पदा, जल जंगल और जमीन का भरपूर दोहन हुआ और उसका लाभ पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान राज्यों को मिला, लेकिन हिमाचल आज भी अपने हक की लड़ाई केंद्र और सुप्रीम कोर्ट में दशकों से लड़ता आ रहा है, लेकिन मुआवजे के नाम पर आज भी इसकी झोली खाली है। वर्तमान समय में हिमाचल प्रदेश में चल रहे तीन बड़े जलविद्युत प्रॉजेक्ट्स से रॉयल्टी, चंडीगढ़ में हिस्सेदारी और शानन जलविद्युत परियोजना के आगामी मार्च 2024 में हिमाचल सरकार को सौंपने जैसे मुद्दे अहम हैं। हिमाचल सरकार के लिए बीबीएमबी परियोजनाओं में अपने हक के 4250 करोड़ रुपए करीब की राशि पर पिछले ढाई दशक से पड़ोसी राज्य हिमाचल के हक पर कुंडली मार कर बैठे हैं और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद हरियाणा व पंजाब हिमाचल का हक उसे नहीं दे रहे हैं। जाहिर है 4250 करोड़ रुपये काफी बड़ी रकम है और इससे हिमाचल में आई हालिया प्राकृतिक आपदा से निपटने में सरकार को मदद मिल सकती है। 1998 में तत्कालीन हिमाचल सरकार द्वारा दायर याचिका के प्रत्युत्तर में सुप्रीम कोर्ट ने बीबीएमबी परियोजनाओं के कुल उत्पादन की 7.11 फीसदी हिस्सेदारी के लिए हिमाचल को हकदार ठहराया था। इसके तहत भाखड़ा-नंगल में 6.095 फीसदी, ब्यास-एक में 5.752 फीसदी और ब्यास-दो में 2.984 फीसदी हिस्सेदारी तय की थी। इसके अतिरिक्त हिमाचल की दावेदारी तय करते हुए अदालत ने पंजाब और हरियाणा को पांच-पांच लाख की कॉस्ट भी लगाई थी। पंजाब पुनर्गठन कानून के तहत हिमाचल प्रदेश, पंजाब व हरियाणा से बीबीएमबी के तीन पावर प्रोजेक्टों 1325 मेगावाट भाखड़ा, 396 मेगावाट पौंग व 990 मेगावाट बीएसएल में हिस्सेदारी मांग रहा है। हिमाचल प्रदेश को तीनों पावर प्रोजेक्टों से 13066 मिलियन यूनिट बिजली बकाया के एवज में मिलनी है। इतना ही नहीं हिमाचल की सरकारें आज तक चंडीगढ़ में प्रदेश की हिस्सेदारी लेने को लेकर कोशिशें जरूर करती रही हैं, लेकिन सफलता हासिल नहीं हुई। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने 26 सितंबर को अमृतसर में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में जहां केंद्र सरकार से आपदा राहत के पैकेज में बदलाव लाने की मांग की, वहीं उन्होंने भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड के पास हिमाचल प्रदेश के हिस्से के मुआवजे के रूप में लगभग 4250 करोड़ और शानन जलविद्युत परियोजना को हिमाचल को हस्तांतरित करने की मांग उठाई है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने इस दिशा में बड़ा कदम उठाया है और उन्होंने चंडीगढ़ की जमीन पर हिमाचल की 7.19 फीसदी हिस्सेदारी और भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड प्रोजेक्ट से रॉयल्टी लेने के लिए कैबिनेट सब कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी पंजाब पुनर्गठन एक्ट के तहत अंतर राज्यों के बीच हुए समझौतों को खंगालेगी और सरकार को बताएगी कि किस प्रकार हिमाचल को चंडीगढ़ में उसकी हिस्सेदारी दिलाई जाए। चौधरी चंद्र कुमार की अध्यक्षता में बनाई कैबिनेट सब कमेटी उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान एवं राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी को सदस्य बनाया गया है, जबकि ऊर्जा सचिव को सब कमेटी का सदस्य बनाया गया है। यह कमेटी बताएगी कि इस समय बीबीएमबी की तरफ से संचालित भाखड़ा बांध परियोजना (1478 मैगावाट), ब्यास सतलुज (990 मैगावाट) व पौंग बांध परियोजना (396 मैगावाट) में किसी प्रकार की मुफ्त बिजली की रॉयल्टी राज्य को क्यों नहीं मिल रही है? जाहिर है हिमाचल की इस मांग पर पंजाब सरकार ने इसे सियासी साजिश करार देते हुए कहा कि ऐसी बेतुकी मांग पूरी नहीं होने दी जाएगी। एक अन्य मुद्दा शानन जलविद्युत परियोजना का भी है। शानन जलविद्युत परियोजना मंडी जिले के बरोट में स्थित 110 मेगावाट की पनविद्युत परियोजना है जिसे 1932 में कमीशन किया गया था। हालांकि वर्तमान में यह पंजाब सरकार के नियंत्रण में है। जोगिन्द्रनगर उपमंडल में शानन जल विद्युत परियोजना की रोजाना आमदनी करीब 80 लाख रुपए से अधिक है। यह पावर हाऊस पंजाब विद्युत बोर्ड के आधिपत्य में संचालित है। इसको लेकर मार्च 1925 में तत्कालीन मंडी रियासत के राजा जोगिन्द्र सेन तथा सैक्रेटरी ऑफ स्टेट इन इंडिया के बीच एक समझौता हुआ था, जिसके अनुसार आगामी 2024 तक यथास्थिति रहनी है और तदोपरांत इस परियोजना का हस्तांतरण हिमाचल सरकार को होना तय है। शुरुआत में इस विद्युत परियोजना पर 25343709 रुपए का खर्चा हुआ था।

> हिमाचल अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं की वजह से देश विदेश में अनूठी पहचान रखता है। यहां की छायादार घाटियां, वृहद चट्टानें, हिमनद और विशाल देवदार और मधुर संगीतमय ध्वनि पैदा करने वाली नदियां, श्रेष्ठ वनस्पतियां और पहाड़ी जीव-जंतु बरबस ही यहां आने वाले सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। जहां तक हिमाचल के वर्तमान स्वरूप की बात करें तो 27000 वर्ग किलोमीटर में फैली 30 रियासतों के एकीकरण के परिणामस्वरूप 15 अप्रैल 1948 को हिमाचल प्रदेश एक केंद्र शासित प्रदेश के रूप में अस्तित्व में आया था। राज्य के पुनर्गठन पर पंजाब के पहाड़ी क्षेत्रों को राज्य में मिला दिया गया और हिमाचल का आकार बढक़र 55673 वर्ग किलोमीटर हो गया।

देश दुनीया से

भरोसे को दरकने न दें, नुकसान सभी का होगा

कुछ महीने पहले एक महिला एसडीएम चर्चा में थीं। कोई और नहीं, उनके पति ने ही उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के कई मामलों को पब्लिक डॉमिन में उठाया था। सरकार के समक्ष भी शिकायत दर्ज कराई थी। सरकार ने जांच बिठा दीं। जांच ने रफ्तार पकड़ना शुरू ही किया था कि एक रोज उनके पति ने उन शिकायतों को वापस लेने का ऐलान कर दिया। बोले, हमको कोई शिकायत नहीं। जाहिर सी बात है कि जब शिकायत न रह जाए तो फिर जांच किस बात की? इस प्रकरण की याद इसलिए कि अपने को समाज सेविका बताते हुए एक महिला ने भी एक हाईप्रोफाइल मामले की लोकायुक्त के यहां शिकायत दर्ज कराई हुई है। लोकायुक्त ने उसका संज्ञान भी ले लिया। संज्ञान का मतलब ही यही होता कि प्रकरण जांच योग्य है। जिन लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है, उन्हें नोटिस भी जारी हो गई कि अचानक गुजरे सोमवार को वह महिला लोकायुक्त के सामने अपनी शिकायत से एक आईएएस अधिकारी का नाम हटाने की दरख्वास्त लगा देती हैं। तर्क यह है कि प्रतिवादी के रूप में उक्त अधिकारी का नाम त्रुटिवश अंकित हो गया था। पहली नजर में तो यह कहा जा सकता कि जब मियां-बीबी राजी, तो क्या करे काज़ी? लेकिन ऐसे मामलों को महज 'मियां-बीबी' के मामलों की मानिंद नहीं माना जा सकता। दरअसल यह भरोसे के टूटने जैसा होता है। इसके जरिए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई भी कमजोर होती है। हो सकता है कि शिकायत वापस लेने की जो वजह बताई जा रही हो, वह सही हो लेकिन बहुत सारी कहानियां सतह पर तैरने लग जाती हैं। इस शंका को बल मिलता है कि जरूर पर्दे के पीछे कोई खेल हुआ होगा तभी शिकायत वापस ली गई है। इससे दो तरह के नुकसान होते हैं। पहला तो यह कि ऐसे उदाहरणों से भ्रष्टाचार को पोषित करने करने वालों के हौसले बुलंद होते हैं। उन्हें लगता है कि सब कुछ 'मैनेज' हो सकता है। उनका डर खत्म हो जाता है। आत्मविश्वास बढ़ता है कि कुछ नहीं होगा। दूसरा नुकसान होता है कि शिकायतों की गंभीरता खत्म हो जाती है। सक्षम अधिकारी के लिए यह यकीन करना मुश्किल हो जाता है कि जो शिकायत की जा रही है कि वह कितनी सच है? या शिकायतकर्ता अपनी शिकायत पर कितने वक्त तक डिगा रह पाएगा? धारणा यह भी बन जाती है कि शिकायत सिर्फ 'सौदेबाजी' करने के लिए ही की गई है। यही वजह होती है कि शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई की जो रफ्तार होनी चाहिए, वह रफ्तार नहीं दिखती। सुशासन के लिए ऐसी स्थिति को किसी भी तरह से अच्छा नहीं कहा जा सकता। शिकायत करने वाला अगर शिकायत वापस ले रहा है कि तो उससे यह जरूर पूछा जाना चाहिए कि शिकायत करने से पहले उसने तथ्यों की प्रामाणिकता क्यों नहीं परखी? क्या उसने किसी को परेशान करने या बदनाम करने की गर्ज से शिकायत की थी? गलत तथ्यों के आधार पर शिकायत दर्ज कराने पर उसके खिलाफ उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए? ऐसा होने से शिकायत वापस लेने पर पर्दे के पीछे की जो कहानियां सतह पर आती हैं, अगर उनमें सच्चाई होती होगी तो उन पर अंकुश लगेगा। सरकार के स्तर से यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि महज शिकायतकर्ता के शिकायत वापस लेने मात्र से जांच खत्म नहीं होगी। एक बार अगर सरकार के संज्ञान में कोई शिकायत आ गई है तो उसकी पूरी जांच होगी क्योंकि शिकायत वापस कराने के लिए जो साम-दाम-दंड-भेद की नीति अपनाने वाले लोग होते हैं, वह शिकायत वापस वापस कराकर भी राहत नहीं पा सकेंगे। उम्मीद है इस दिशा में सरकार जरूर कोई कदम उठाएगी।

> जांच ने रफ्तार पकड़ना शुरू ही किया था कि एक रोज उनके पति ने उन शिकायतों को वापस लेने का ऐलान कर दिया। बोले, हमको कोई शिकायत नहीं। जाहिर सी बात है कि जब शिकायत न रह जाए तो फिर जांच किस बात की? इस प्रकरण की याद इसलिए कि अपने को समाज सेविका बताते हुए एक महिला ने भी एक हाईप्रोफाइल मामले की लोकायुक्त के यहां शिकायत दर्ज कराई हुई है। लोकायुक्त ने उसका संज्ञान भी ले लिया। संज्ञान का मतलब ही यही होता कि प्रकरण जांच योग्य है। जिन लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है, उन्हें नोटिस भी जारी हो गई कि अचानक गुजरे सोमवार को वह महिला लोकायुक्त के सामने अपनी शिकायत से एक आईएएस अधिकारी का नाम हटाने की दरख्वास्त लगा देती हैं। तर्क यह है कि प्रतिवादी के रूप में उक्त अधिकारी का नाम त्रुटिवश अंकित हो गया था। पहली नजर में तो यह कहा जा सकता कि जब मियां-बीबी राजी, तो क्या करे काज़ी? लेकिन ऐसे मामलों को महज 'मियां-बीबी' के मामलों की मानिंद नहीं माना जा सकता।

दृष्टिकोण

एक सार्वजनिक सूचना

अपने तमाम आमों और खासों को सार्वजनिक करते हुए अपार प्रसन्नता हो रही है कल मैंने अपनी अक्ल दाढ़ भी निकलवा ली है। असल में ये मेरी अक्ल दाढ़ मुझे लंबे समय से बीवी से भी अधिक परेशान किए थी। सच कहूं तो बेरोजगारी के दिनों में बेरोजगारी से मैं उतना परेशान नहीं हुआ जितना इस अक्ल दाढ़ की परेशानी की वजह से हुआ। सच कहूं तो महंगाई से भी मैं उतना परेशान नहीं हुआ जितना इस अक्ल दाढ़ की वजह से हुआ। अक्ल का फकीर होने के बाद जब ये बीच बीच में मुझे परेशान करती तो लगता ज्यों मेरी सब परेशानियों की वजह जो कोई है तो बस, यह अक्ल दाढ़ ही है। इसके साथ अक्ल संबोधन लगा होने के चलते। तब सोचता, काश! मेरे केवल दाढ़ ही होती। अक्ल दाढ़ न होती। फिर सोचा, उनकी तरह इस दाढ़ का नाम ही बदल लूं। पर नाम बदलने से परेशानियां कहां कम हुई हैं जनाब! मन बहल जाता है बस! वैसे मित्रो! जिनके पास अक्ल भी है, वे कौनसा अपने दड़बे से बाहर निकल पाए हैं? अपने बारे में तो बिन अक्ल के भी बड़े मजे से सोचा जा सकता है तो फिर बेकार में अक्ल का बेकार का भार ढोने से क्या फायदा! पहले ही जीवन में और भार क्या कम हैं, जो अब एक अक्ल के भार को भी गधा बन ढोया जाए? हे अक्ल वालो! स्मरण रहे, समाज अक्ल के सेठों को भर भर मुंह उनकी पीठ के पीछे ही नहीं, अब तो उनके मुंह पर भी छाती ठोंक ठोंक कर गालियां देने लगा है। मैं तो कहता हूं कि जब अपने बारे में अक्ल वालों से अधिक बिन अक्ल के तटस्थता और ईमानदारी से सोचा जा सकता है तो शरीर पर नाक के बाद एक और फालतू पुर्जा क्यों। भाइयो! सच पूछो तो ये जो हमारी अक्ल होती है न! ये सौ बुराइयों की जड़ होती है। ये समाज में पता नहीं क्या क्या उलटा सीधा करवाती रहती है। इसकी वजह से ही अधिकतर समाज रहने लायक नहीं रहता। इसकी वजह से ही समाज में दंगे फसाद होते हैं। जब तक हमारे पास अक्ल नहीं थी तब तक हम खूब मिल जुल कर रहते थे। पर जब से जिस जिसके पास अक्ल आई, वह अपनों से दूर रहने लगा। इसलिए मेरा तो यही उपदेश है कि बुराइयों को बार बार काटने से बेहतर है कि अक्ल को ही खोपड़े से काट कर बाहर फेंका जाए। हे मेरे शुभचिंतको! मुझे इस बात की खुशी है कि मैं बेअक्ला जिंदगी में सब कुछ रहा, पर किसी का भी कतई भी दिखावे को भी शुभचिंतक न रहा। उसके बाद भी जो मेरे शुभचिंतक रहे, उनका तहेदिल से आभार। अच्छा लगता है जब पाता हूं कि एकतरफा प्रेमियों के साथ साथ एक तरफा शुभचिंतक अभी भी जैसे कैसे जिंदा है। क्यों जिंदा हैं, वे ही जाने। मित्रो! अब आपसे अक्ल वालों की तरह छुपाना क्या! सच कहूं तो मेरे पास अक्ल पैदाइशी ही नहीं थी। बस, अक्ल के नाम पर केवल ये दाढ़ ही थी। इसलिए जितना हो रहा था, बस, मन छलावे को इसी से अक्ल का काम चला रहा था। वैसे जिस आदमी के पास अक्ल न हो वह तीनों कालों में सुखी रहता है, तीनों लोकों में सुखी रहता है। उसे कतई भी चिंतन मनन करने की जरूरत नहीं होती। करे तो तब जो जिसके पास अक्ल हो। इसलिए उसे चिंतन करते परेशान होने की भी जरूरत नहीं होती। उसे इस बात से भी कोई लेना देना नहीं होता कि उसके बारे में कोई क्या सोच रहा है। खैर, किसी के बारे में तो वह सोचता ही नहीं। सोचे तो तब जो उसके पास अक्ल हो। आदमी के पास माइंड बोले तो अक्ल होना सौ बीमारियों की जड़ होना है। आदमी के पास माइंड हो तो वह अपने भले के बारे में ही सोचने के बाद भी कभी कभी दूसरों के भले के बारे में भी सोच सा लेता है। कभी जो बहुत ही फ्री हो तो अच्छे बुरे के बारे में भी सोच लेता है।

ईरान में फिर भड़क सकते हैं विरोध प्रदर्शन! हिजाब नहीं पहनने पर पुलिस की पिटाई से 16 साल की लड़की कोमा में

तेहरान।
ईरान में हिजाब नहीं पहनने पर नैतिक पुलिस की पिटाई में जान गंवाने वाली महसा अमिनी और उसके बाद हुए देशव्यापी विरोध प्रदर्शन से लग रहा है कि ईरान ने कोई सबक नहीं सीखा है। दरअसल ईरान में फिर से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें आरोप है कि ईरान की नैतिक पुलिस की पिटाई से एक 16 साल की लड़की कोमा में है और जिंदगी और मौत के बीच झूल रही है। आरोप है कि लड़की द्वारा हिजाब नहीं पहनने पर महिला पुलिसकर्मियों ने मेट्रो में उसकी पिटाई की, जिससे उसके सिर और गर्दन में गंभीर चोट आई है। हालांकि ईरान की सरकार ने इससे इनकार किया है लेकिन ईरान में सोशल मीडिया पर यह घटना चर्चा का विषय बनी हुई है।

कुर्दिश संगठन का आरोप- नैतिक पुलिस ने पीटा – पीड़िता की पहचान अर्मिता गारावंद के रूप में हुई है। कुर्दिश संगठन हेंगाव ने आरोप लगाया है कि ईरान के नैतिक पुलिस बल की महिलाकर्मियों ने अर्मिता की मेट्रो ट्रेन में हिजाब नहीं पहनने के चलते पिटाई की। अर्मिता राजधानी तेहरान की निवासी है लेकिन मूल रूप से पश्चिमी ईरान के कुर्द बहुल इलाके केरमानशाह से उसका ताल्लुक है। बता दें कि करीब एक साल पहले ईरान में महसा अमिनी नामक एक युवती की भी वहां की नैतिक पुलिस ने हिजाब नहीं पहनने के आरोप में बुरी तरह पिटाई की थी, जिसमें महसा की मौत हो गई थी। महसा की मौत के बाद ईरान में देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे, जिसमें सैंकड़ों लोग मारे गए और हजारों को गिरफ्तार किया गया। पूरी दुनिया से ईरान के लोगों को समर्थन मिला था।

महसा अमिनी जैसी घटना – अब महसा अमिनी की मौत के एक साल बाद फिर से एक और लड़की की नैतिक पुलिस की पिटाई में बुरी तरह घायल होने से ईरान की सरकार चौकन्ना है। हालांकि ईरानी सरकार ने लड़की के पुलिस द्वारा पिटाई से घायल होने से इनकार किया है और कहा है कि पीड़िता मेट्रो में ब्लड प्रेशर कम होने की वजह से बेहोश हुई। हालांकि सोशल मीडिया पर पीड़िता की मौत की खबरें तेजी से वायरल हो रही हैं और तनाव का माहौल बन गया है।

घटना का वीडियो आया सामने – पीड़िता का तेहरान के फज्र अस्पताल में इलाज चल रहा है और पीड़िता से किसी को मिलने नहीं दिया जा रहा है। पीड़िता के माता-पिता ने भी पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में ही मीडिया से बात की। सोशल मीडिया पर अर्मिता की कथित तस्वीरें वायरल हो रही है, जिनमें उसके सिर और गर्दन पर पट्टियां बंधी हैं।

न्यूज ब्रीफ

संबंध सुधारने के लिए भारत के साथ निजी बातचीत की जरूरत', बढ़ते तनाव के बीच कनाडा के मंत्री का बयान

ओटावा। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर कनाडा- भारत के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर की हत्या के पीछे भारत का हाथ बताया था। इसी के बाद लगातार दोनों देशों के संबंध बिगड़ते जा रहे हैं। इस बीच, विवाद को सुलझाने के लिए ओटेवा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने भारत के साथ निजी बातचीत की इच्छा जाहिर की है। जोली ने मंगलवार को कहा कि कनाडा खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर कूटनीतिक विवाद सुलझाने के लिए भारत के साथ निजी बातचीत चाहता है। उन्होंने कहा, हम भारत सरकार के संपर्क में हैं। हम कनाडाई राजनयिकों की सुरक्षा को लेकर बहुत गंभीर हैं। हम निजी तौर पर उनसे संपर्क बनाए रखेंगे क्योंकि हमें लगता है कि राजनयिक बातचीत सबसे अच्छी तब होती है, जब निजी होती है।
खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर बीते कई दिनों से दोनों देशों के बीच तनाव है। कनाडाई प्रधानमंत्री ने निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता का आरोप लगाया था। इसके बाद भारत ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था और इन्हें बेतुका व राजनीति से प्रेरित बताया था। इसके साथ ही दोनों देश एक दूसरे के एक-एक शीर्ष राजनीयिक निष्कासित कर चुके हैं। भारत ने कनाडाई नागरिकों के लिए अस्थायी रूप से वीजा सेवा भी निलंबित की हुई हैं। गौरतलब है कि कनाडा ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के दावे के समर्थन में अभी तक कोई सार्वजनिक सबूत नहीं दिया है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने मंगलवार को कहा था कि उनका देश भारत के साथ विवाद नहीं बढ़ाना चाहता है और वह नई दिल्ली के साथ जिम्मेदारीपूर्वक और रचनात्मक तरीके से जुड़ा रहना चाहता है। ट्रूडो ने कहा था कि हम कनाडा के परिवारों की मदद के लिए भारत में मौजूदगी चाहते हैं। ट्रूडो का यह बयान तब सामने आया था, जब भारत ने कनाडा सरकार को अपने 41 राजनयिकों को 10 अक्तूबर तक वापस बुलाने को कहा है। भारत ने स्पष्ट कहा है कि 10 अक्तूबर के बाद भी अगर ये राजनयिक भारत में रहते हैं तो इनकी राजनयिक छूट भी खत्म कर दी जाएगी। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर कनाडा- भारत के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर की हत्या के पीछे भारत का हाथ बताया था। इसी के बाद लगातार दोनों देशों के संबंध बिगड़ते जा रहे हैं। इस बीच, विवाद को सुलझाने के लिए ओटेवा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने भारत के साथ निजी बातचीत की इच्छा जाहिर की है। जोली ने कहा कि कनाडा खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर कूटनीतिक विवाद सुलझाने के लिए भारत के साथ निजी बातचीत चाहता है। उन्होंने कहा, हम भारत सरकार के संपर्क में हैं। हम कनाडाई राजनयिकों की सुरक्षा को लेकर बहुत गंभीर हैं। हम निजी तौर पर उनसे संपर्क बनाए रखेंगे क्योंकि हमें लगता है कि राजनयिक बातचीत सबसे अच्छी तब होती है, जब निजी होती है। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर बीते कई दिनों से दोनों देशों के बीच तनाव है।

अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने पाकिस्तान सेना प्रमुख से की फोन पर बात, बढ़ते आतंकी हमलों पर जताई चिंता

वाशिंगटन। पाकिस्तान में बढ़ रहे आतंकी हमलों को लेकर अमेरिका खासा चिन्तित दिखाई दे रहा है। कुछ ही दिन पहले आतंकवादियों ने पाकिस्तान स्थित एक मस्जिद में बम विस्फोट किया। अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से बातचीत की। इस दौरान दोनों के बीच आतंकवादी हमलों में बढ़ोतरी के साथ-साथ पारस्परिक हित के क्षेत्रों और क्षेत्रीय विकास पर भी चर्चा हुई। इसकी पुष्टि पेंटागन के प्रेस सचिव जनरल पैट्रिक राइडर द्वारा की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक यह दूसरी बार है जब दोनों शीर्ष अधिकारियों ने फोन पर बातचीत की। आखिरी बार दोनों के बीच जनवरी माह में बात हुई थी। हालांकि पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने अभी तक इस बातचीत के संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया है। दावा किया गया कि अमेरिका द्वारा भी प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सबसे बड़ा जिम्मेदार माना गया है।, पिछले कुछ महीनों से विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में बढ़ोतरी हुई है।

यूएन में चीन के खिलाफ मतदान करने की अपील ह्यूमन राइट्स वॉच के निदेशक ने खोला मोर्चा

बीजिंग।
उइगर अल्पसंख्यकों पर अत्याचार और मीडिया की स्वतंत्रता कुचलने को लेकर मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने चीन की तीखी आलोचना की है। चीन में बड़े पैमाने पर मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए ह्यूमन राइट्स वॉच चाइना के निदेशक सोफी रिचर्डसन ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों को चीन के खिलाफ वोट करना चाहिए। उन्होंने अपनी अपील में कहा कि सदस्यता पाने के लिए बिना कुछ सोचे चीन का समर्थन करने से पहले यूएन के सदस्य देशों को विचार करना चाहिए। सभी देशों को चीन के खिलाफ वोट करना चाहिए।

चीन प्रताड़ित करने के लिए क्या करता है

रिचर्डसन ने चीन के दमनकारी बर्ताव को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि बीजिंग में खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड का मुद्दा उठाने वाले लोगों को सरकार विरोधी मानकर उनका गला घोंटने की इच्छा बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि चीन पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को विदेशों में मनमाने ढंग से हिरासत में रखने की तक में होता है। मानवाधिकार की बात करने वाले कार्यकर्ताओं को घर पर जबरदस्ती रखे जाने की कोशिशों के अलावा उन्हें गायब करने और परेशान करने जैसी हरकतें भी होती हैं।

क्या हासिल करने की ताक में है चीन

एक रिपोर्ट के अनुसार चीन हांगकांग, तिब्बत और शिनजियांग में मानवाधिकार अपराधों को दबाने का प्रयास कर रहा है। चीन ने अपराधों की लंबी सूची को उजागर करने वाली सार्वजनिक गतिविधियों का बहिष्कार करने का आदेश दिया है। खबरों के अनुसार, चीन संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष मानवाधिकार निकाय- यूएन मानवाधिकार परिषद में फिर से जगह बनाने के प्रयास कर रहा है।

चीन शिनजियांग के मामले में यूएन सदस्यों से क्या बोला

सितंबर में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक उच्च-स्तरीय बैठक हुई थी। इस सत्र के दौरान चीन के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने यूएन के सभी सदस्य देशों को अटलांटिक काउंसिल, ह्यूमन राइट्स वॉच और एमनेस्टी इंटरनेशनल के इवेंट से दूर रहने को कहा था। चीन ने सभी देशों से शिनजियांग पर आयोजित एक साइड इवेंट के संदर्भ में अपने मिशन को भाग न लेने का दृढ़ निर्देश देने को कहा था।

चीन में निशाने पर उइगर और अन्य तुर्क मुसलमान

ह्यूमन राइट्स वॉच चाइना के निदेशक ने बताया, चीन की अपील बेअसर हो गई जब यूएन के सदस्य देशों ने चीन के अनुरोध को नजरअंदाज कर दिया। सैकड़ों की संख्या में दर्शक शिनजियांग पर आयोजित इवेंट में पहुंचे। इसमें चीनी सरकार की तरफ से मानवाधिकारों का उल्लंघन, उइगर और अन्य तुर्क मुसलमानों को निशाना बनाने वाले अपराधों पर चर्चा हुई। चीन में फंसे पीड़ितों को मुक्त कराने के लिए संयुक्त राष्ट्र क्या एक्शन ले सकता है, इसके संभावित उपायों पर भी चर्चा हुई।

हॉन्ग-कॉन्ग में भी छिन रही मीडिया की आजादी

इन सबके बीच जेनेवा में चीन के यूएन मिशन की तरफ से संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को पत्र लिखा गया। इसमें अपील की गई है कि मानवाधिकार आयोग के साथ आयोजित समारोह में किसी भी तरह शामिल न हों। चीन ने कहा है कि वह मीडिया की स्वतंत्रता को कुचल रही हॉन्ग-कॉन्ग की सरकार के कारनामों को भी उजागर करेगा।

चीन में अत्याचार के बारे में लोगों की जिज्ञासा

एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने जिस कार्यक्रम का जिक्र किया है उसमें राजदूत, पत्रकार और समाज के प्रबुद्ध लोग बड़ी संख्या में मौजूद थे। बड़ी संख्या में लोग जानना चााहते थे कि चीन में किस पैमाने पर मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में 10 अक्टूबर को होना है चुनाव

ह्यूमन राइट्स वॉच चाइना के निदेशक सोफी रिचर्डसन ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग की सदस्यता के लिए 10 अक्टूबर को चुनाव होना है। बीजिंग की तरफ से अपराधों पर पर्दा डालने का हरसंभव प्रयास हो रहा है। चीन संयुक्त राष्ट्र चार्टर के घोर उल्लंघन का आरोप भी लगा रहा है।

सदस्य देशों के रूख पर रहेंगी नजरें

रिचर्डसन के अनुसार, सतही तौर पर ऐसा लगता है कि 10 अक्टूबर का चुनाव ठीक वैसा ही है जिसे बीजिंग पसंद करता है। एशिया में चार सीटों के लिए चार उम्मीदवार हैं। ऐसी हालात में देशों के सामने कोई वास्तविक विकल्प नहीं होता।

अमेरिका ने चीन को दिया एक और झटका, ड्रग तस्करी के लिए जिम्मेदार दवा कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन।
अमेरिका और चीन के रिश्तों में तनाव बना हुआ है। हाल के समय में अमेरिका की सरकार ने कई ऐसे कदम उठाए हैं, जिनसे चीन को झटका लगा है। अब ताजा कदम के अनुसार, अमेरिका ने चीन की कई दवा कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने का एलान कर दिया है। बता दें कि चीन स्थित ये कंपनियां उन रसायनों का उत्पादन और वितरण करती हैं, जो खतरनाक नशीला पदार्थ फेंटेनिल को बनाने में इस्तेमाल होता है। अमेरिका में हाल के सालों में फेंटेनिल ड्रग से हजारों युवाओं की मौत हुई है और अमेरिका में बड़ी संख्या में युवा नशे के आदी हो रहे हैं।

चीन के खिलाफ अमेरिका की बड़ी कार्रवाई

अमेरिका ने हाल ही में चीन की 25 कंपनियों और लोगों पर प्रतिबंध लगाए हैं और ताजा प्रतिबंध भी उसी कड़ी का हिस्सा है। अमेरिका के वित्त विभाग ने कहा कि चीन स्थित ये कंपनियां बड़ी मात्रा में फेंटेनिल, मेथाफेटामाइ और एमडीएमए जैसी ड्रग्स बनाने और वितरण के लिए जिम्मेदार हैं। साथ ही ये कंपनियां जाइलिन और नीटाजीन्स की तस्करी में भी शामिल हैं, जो फेंटनिल और अन्य ड्रग्स को बनाने में इस्तेमाल होती हैं। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका में फेंटेनिल ड्रग मैक्सिको से आती है लेकिन इसे बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायन चीन से आते हैं। अमेरिका ने चीन के वांग शुशेंग और दु चंगेन पर प्रतिबंध लगाया गया है। वांग पर आरोप है कि वह अन्य लोगों को दवा कंपनियों की आड़ में ड्रग्स के लिए रसायन बनाने वाली कंपनी स्थापित करने में मदद करता है। इसमें दु चंगेन भी मदद करता है। अमेरिका में कई तस्करों, डार्क वेब वेंडर्स, वर्चुअल करेंसी और मैक्सिको के अपराधी संगठनों को कच्चे माल की सप्लाई चीन से ही होती है।

तालिबान वादे पूरे करे, तभी देंगे वैधता- अमेरिका

अमेरिका ने कहा है कि तालिबान को पहले अपने वादे पूरे करने होंगे, तभी उनकी सरकार को वैधता दी जाएगी। अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के संचार समन्वय प्रमुख जॉन किर्बी ने कहा कि हमने अभी तक अफगानिस्तान की प्रशासनिक ताकत को वैधता नहीं दी है। वो ऐसा चाहते हैं लेकिन पहले उन्हें वादे पूरे करने होंगे।

अपने ही जाल में फंसी चीनी परमाणु पनडुब्बी, 55 नाविकों की मौत, ब्रिटेन की खुफिया रिपोर्ट में दावा

लंदन।
चीन की एक परमाणु पनडुब्बी चीनी नौसेना द्वारा विदेशी पनडुब्बियों के लिए बिछाए गए जाल में ही फंस गई और उसमें मौजूद 55 नाविकों की मौत हो गई। मरने वालों में कई अधिकारी शामिल हैं। ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट में यह दावा किया जा रहा है। हालांकि चीन ने ऐसी किसी भी घटना से इनकार किया है और इन खबरों को झूठा करार दिया है। ब्रिटिश मीडिया के हवाले से यह खबर सामने आई है।

दम घुटने से हुई मौतें

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन की परमाणु पनडुब्बी समुद्र में विदेशी पनडुब्बियों के लिए बिछाई गई चेन और एंकर की चपेट में आ गई, जिससे पनडुब्बी के ऑक्सीजन सप्लाई के सिस्टम में खराबी आ गई। जिसके चलते पनडुब्बी में मौजूद चीनी नौसैनिक दम घुटने से मर गए। रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन की पनडुब्बी

093-417 हादसे का शिकार हुई और उसमें पनडुब्बी के कैप्टन समेत 21 अन्य अधिकारी मारे गए हैं। यह पनडुब्बी बीते 15 सालों से सेवा में थी। ब्रिटिश मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, घटना 21 अगस्त की है, जब चीन की परमाणु पनडुब्बी एक मिशन पर थी और पीले सागर में हादसे का शिकार हो गई।

हादसे में मारे गए लोगों में कई शीर्ष अधिकारी

पनडुब्बी में मारे गए 55 क्रू सदस्यों में से 22 अधिकारी, 7 ऑफिसर कैडेट, 9 छोटे अधिकारी और 17 नाविक मौजूद थे। मरने वालों में चीनी नौसेना के कैप्टन कर्नल जू योंग पेंग भी शामिल बताए जा रहे हैं। हालांकि इस हादसे को लेकर कोई खबर नहीं है और बीजिंग ने हादसे की घटना से इनकार भी किया है।

पीएम शेख हसीना और अमेरिकी एनएसए के बीच हुई बैठक, द्विपक्षीय संबंध सुधारने पर की चर्चा

वाशिंगटन।
बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पिछले सप्ताह अपनी वॉशिंगटन यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जैक सुलिवन के साथ बैठक की और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध सुधारने सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। पिछले महीने, नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के मौके पर राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ शेख हसीना की सार्थक बैठक हुई थी। इसके बाद शेख हसीना ने पिछले सप्ताह अमेरिका का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बाइडन प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की।

द्वीपक्षीय संबंधों पर चर्चा

व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में रणनीतिक संचार के समन्वयक जॉन किर्बी ने प्रेस वार्ता में बताया कि बैठक में प्रधानमंत्री हसीना और अमेरिकी एनएसए ने जलवायु परिवर्तन सहित कई मुद्दों पर द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के महत्व पर जोर दिया।
बांग्लादेश में आगामी आम चुनाव के मद्देनजर इस बैठक को अहम माना जा रहा है। किर्बी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि शेख हसीना और जैक सुलिवन ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के संबंध में भी चर्चा की।
बता दें, एक दिन पहले ही अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने संवाददाताओं से कहा था कि अमेरिका वही चाहता है, जो बांग्लादेशी चाहते हैं, यानी देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से कराए जाएं।

शांतिपूर्ण तरीके से हों चुनाव

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में सरकार, राजनीतिक दल, नागरिक समाज और मीडिया सभी ने इच्छा व्यक्त की है कि आगामी आम चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हों। साथ ही शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित किए जाएंम, जैसा कि अमेरिका चाहता है। मिलर ने कहा कि हमने जो वीजा प्रतिबंध नीति की घोषणा की है, वह बांग्लादेश के लोगों की अपने नेताओं को स्वतंत्र रूप से चुनने की इच्छा का समर्थन करती है। अमेरिका किसी विशेष पार्टी का समर्थन नहीं करता है और चुनाव के नतीजे को प्रभावित नहीं करना चाहता है। हम केवल सुनिश्चित करना चाहते हैं कि बांग्लादेश के लोग स्वतंत्र रूप से अपने नेताओं को चुन सकें।

विदेशी सैनिकों को वापस भेजेंगे

मालदीव के राष्ट्रपति मुइजु का एलान भारत के लिए खतरे की घंटी

माले।
हाल ही में मालदीव के नए राष्ट्रपति चुने गए मोहम्मद मुइज्जु ने एलान किया है कि वह देश में मौजूद विदेशी सैनिकों को वापस भेजेंगे। मोहम्मद मुइज्जु के इस बयान को भारत के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। दरअसल मालदीव में भारत के सैनिक मौजूद हैं और मोहम्मद मुइज्जु के बयान से साफ है कि अब मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी हो सकती है।

विदेशी सैनिकों को वापस भेजेंगे – बीते शनिवार को घोषित किए गए नतीजों के अनुसार, मालदीव के नए राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु होंगे। मुइज्जु, चीन समर्थक माने जाते हैं। ऐसे में मुइज्जु की जीत के बाद से ही आशंका थी कि मालदीव में अब फिर से चीन का दबदबा बढ़ सकता है और मोहम्मद मुइज्जु के ताजा एलान से यह आशंका सच साबित होती दिख रही है। चुनाव जीतने के बाद सोमवार शाम में राजधानी माले में आयोजित अपनी पहली जनसभा में मोहम्मद मुइज्जु ने कहा कि हम मालदीव में मौजूद विदेशी सैनिकों को वापस भेजेंगे और कानून के मुताबिक यह वापसी होगी। जो लोग विदेशी सैनिकों को लेकर आए, वह इन्हें वापस नहीं भेजना चाहते लेकिन मालदीव के लोगों ने अब तय कर लिया है। उल्लेखनीय है कि मालदीव में भारत के ही सैनिक मौजूद हैं।

मोहम्मद मुइज्जु को माना जाता है चीन समर्थक – बता दें कि पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद सोलिह को भारत का समर्थक माना जाता था लेकिन उनकी हार से भारत और मालदीव के रिश्ते फिर से खराब हो सकते हैं क्योंकि मोहम्मद मुइज्जु पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन के समर्थक हैं और उनकी सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। अब्दुल्ला यामीन को चीन का कट्टर समर्थक माना

जाता है। मुइजु भी चीन समर्थक हैं और चुनाव से पहले चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अधिकारियों के साथ एक बैठक में उन्होंने कहा भी था कि अगर वह राष्ट्रपति बनते हैं तो चीन और मालदीव के रिश्तों का नया अध्याय शुरू होगा।
राष्ट्रपति बनने के बाद मोहम्मद मुइजु ने अब्दुल्ला यामीन को तुरंत जेल से रिहा कर घर में नजरबंद कर दिया है। बता दें कि अब्दुल्ला यामीन के शासनकाल में मालदीव में चीन का दखल काफी बढ़ गया था और मालदीव चीन के भारी कर्ज के जाल में फंस गया था। अब्दुल्ला यामीन 11 साल जेल की सजा काट रहे हैं लेकिन अब मोहम्मद मुइजु के राष्ट्रपति बनने से उन्हें राहत मिलना तय है। मोहम्मद मुइजु से जब उनके चीन समर्थक होने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वह मालदीव समर्थक हैं, जो भी देश मालदीव का समर्थन करेगा और मालदीव को अपना करीबी दोस्त मानेगा, हम उसकी इज्जत करेंगे। भारत और चीन दोनों ने मोहम्मद मुइजु को जीत की बधाई दी।

भारत के लिए क्यों है झटका – मोहम्मद मुइजु को चीन समर्थक माना जाता है तो पूरी आशंका है कि मालदीव में फिर से चीन का दखल बढ़ेगा और भारत से मालदीव के रिश्ते कमजोर हो जाएंगे। मालदीव, हिंद महासागर में मौजूद एक द्वपीय देश है। यह देश जनसंख्या और क्षेत्रफल के लिहाज से छोटा है लेकिन रणनीतिक रूप से बेहद अहम है। दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में एक मार्ग मालदीव के पास से ही होकर गुजरता है। ऐसे में हिंद महासागर में व्यापारिक माल की आवाजाही के लिहाज से मालदीव बेहद अहम है। मालदीव से थोड़ी दूरी पर ही डिएगो गार्सिया नामक द्वीप है, जिस पर अमेरिका और ब्रिटिश नौसेना तैनात रहती है। साथ ही पास ही मौजूद रियूनियन द्वीप समूह पर फ्रांसीसी सेना मौजूद है। ऐसे में मालदीव पर प्रभुत्व जमाकर चीन भारत समेत उक्त देशों की सेनाओं की भी जासूसी कर सकता है।

सड़क हादसे में तीन की मौत

भरतपुर (हिंस)। जिले के चिकसाना थाना क्षेत्र में जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से बस के टकराने से हुआ। हादसे में बस में सवार 24 यात्री घायल हुए हैं। थानाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि थाना इलाके में जयपुर- आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बरसो गांव के पास मंगलवार रात करीब दो बजे पत्थरों से भरा एक ट्रेलर खराब हो गया। ट्रेलर सड़क किनारे खड़ा था। इसी दौरान झुंझुनूं से ग्वालियर जा रही स्लीपर बस वहां से गुजर रही थी। ट्रेलर अंधेरे में खड़ा था। ऐसे में बस ड्राइवर को ट्रेलर दिखाई नहीं दिया और बस ट्रेलर से टकरा गई। हादसे के बाद ट्रेलर चालक भी मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

हिंदू संगठनों ने नूंह हिंसा के आरोपी मामन खान की रिहाई का किया विरोध

मानेसर में भीष्म मंदिर में आयोजित की गई महापंचायत

गुरुग्राम (हिंस)। नूंह हिंसा के आरोपी कांग्रेसी विधायक मामन खान की रिहाई के विरोध में बुधवार को मानेसर में महापंचायत आहुत की गई। बताया जा रहा है कि महापंचायत में ग्रामीणों ने मोनू मानेसर की गिरफ्तारी का भी विरोध किया है। कुछ दिन पूर्व विश्व हिंदू परिषद की बैठक में इमरान नामक संदिग्ध युवक मिलने के बाद यहां की महापंचायत में पत्रकारों और बाहरी लोगों को प्रवेश नहीं करने दिया गया। मानेसर के भीष्म मंदिर में हुई महापंचायत में नूंह हिंसा के आरोपी मामन खान को लेकर लोगों में रोष दिखा। महापंचायत में शामिल हुए क्षेत्र के लोगों ने कहा कि विधायक मामन खान के एसआईटी को नूंह हिंसा में संलिप्त होने के पुख्ता सबूत मिले हैं। उन्होंने हिंसा को भड़काने में अहम भूमिका निभाई। खून-खराबा कराया। एक

जनप्रतिनिधि के रूप में मामन खान ने बहुत ही नकारात्मक भूमिका निभाई है। महापंचायत में मामन खान की जमानत के विरोध के बीच यह तय किया गया कि आगामी 7 अक्तूबर को बैठक करके अगली रणनीति तय की जाएगी। बता दें कि कांग्रेस विधायक मामन खान को नूंह हिंसा में एसआईटी ने आरोपी बनाया है। इस आरोप में उसे राजस्थान से एसआईटी ने गिरफ्तार किया था। उन पर चार केस दर्ज किए गए। दो केसों में उन्हें पहले जमानत मिल गई थी और दो केसों में मंगलवार की शाम को जमानत मिली। मामन खान के लिए यह राहत है, लेकिन लोगों ने इसका खुलकर विरोध किया है। जिस मोनू मानेसर के नाम से विधायक मामन खान ने हरियाणा विधानसभा में जिस तरह से धमकी दी थी, उसे भी नूंह हिंसा से जोड़कर देखा गया। हालांकि मोनू मानेसर को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। उसे राजस्थान में नासिर, जुनैद हत्याकांड में राजस्थान पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर लेकर गई। पंचायत में कहा गया कि जब मामन खान को इतनी बड़ी हिंसा के आरोप होने के बाद भी जमानत मिल सकती है तो मोनू मानेसर को जमानत क्यों नहीं दी जा रही।

दोषियों को किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा : रेनू भाटिया

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने बुधवार दोपहर बाद बल्लभगढ़ के एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती गांव मंझावली के पीड़ित किसान परिवार की से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मंझावली में किसान परिवार के साथ हुई घटना की पूरी जानकारी ली और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। वहीं चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने इस केस के सम्बन्ध में पुलिस अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों को पीड़ित परिवार की सुरक्षा मुहैया कराने को कहा और साथ ही प्रशासन द्वारा फ्री आफ कास्ट पीड़ित परिवार का ईलाज करने को कहा गया। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने इस घटना को अपने संज्ञान में ले लिया है। इसके चलते केस में लापरवाही होने की कतई गुंजाइश नहीं है और मुकदमे की सुनवाई जल्द से जल्द कराकर आरोपितों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि सभ्य समाज में ऐसी घटना बेहद ही निंदनीय है। उन्होंने कहा कि अगर गांव का कोई व्यक्ति छोटी बच्चियों के साथ अभद्र व्यवहार करता है, तो उसको गांव से बाहर निकाल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह पीड़ित परिवार की बच्चियों को समाज की मुख्य धारा में वापस लाने की पूरी कोशिश करेंगी। परिवार के लिए जो न्यायिक मदद होगी महिला आयोग द्वारा वो बिल्कुल की जाएगी।

राजस्थान के पैसे पर भारत सरकार ने लगा रखा है ताला : पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह

अलवर (हिंस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित दिव्यांगों को स्कूटी वितरण कार्यक्रम में मीडिया से बात करते हुए प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने राजस्थान को पैसा देने पर ताला लगा रखा है। जहां भी कांग्रेस की सरकार है वहां पैसे देने पर रोक लगा रखी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह राजस्थान सरकार की योजनाओं को उनकी सरकार बनने पर जारी रखेंगे रोक नहीं लगाएंगे। पहली बार सरकार की योजनाओं

की सराहना की है यह अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जो कुछ बोलते हैं उन बातों पर जनता विश्वास नहीं करती। ईआरसीपी के बारे में भी एक बार नहीं दो-दो बार वह राजस्थान में बोलकर गए थे लेकिन उन्होंने योजना पर रोक लगा रखी है। ईआरसीपी की सबसे पहले हमने योजना बनाई उसे खत्म करने की कोशिश की गई। इसलिए उनके ऊपर कोई भरोसा नहीं है लेकिन इस बात की खुशी मुझे भी है कि वह राजस्थान सरकार की योजनाओं की सराहना कर रहे हैं। वह मान रहे हैं की जनता के हित की स्कीम है इसके लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं।

कार्यकर्ताओं के बल पर ही सत्ता हासिल करना संभव: डॉ. अजय चौटाला

अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की बैठक में किया संगठन को प्रभावी व मजबूत बनाने का आह्वान

सिरसा (हिंस)। पार्टी कार्यकर्ताओं की ताकत के बल पर ही सत्ता हासिल की जा सकती है और इस मामले में जेजेपी की पूरे हरियाणा में अलग ही मिसाल है। यह बात जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला बुधवार को जनता भवन में जेजेपी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की जिला स्तरीय बैठक में कही। डॉ. अजय सिंह चौटाला ने प्रकोष्ठ पदाधिकारियों व सदस्यों से कहा कि हरियाणा में जेजेपी परिवार की ओर से मिशन-2024 आरंभ हो चुका है और पार्टी ने प्रदेश की सभी दस संसदीय सीटों पर बैठकों का दौर आरंभ कर दिया है। अल्पसंख्यक समुदाय की भीड़ देखकर प्रसन्न डॉ. अजय सिंह चौटाला ने कहा कि पार्टी गठन के समय सभी कुछ सौंपने के बावजूद पार्टी को 17 फीसदी तक पहुंचाया जबकि जिसके पास झंडा तथा पार्टी का सिंबल था, वे एक सीट पर

सिकुड़कर रह गए। उन्होंने स्वीकार किया कि पार्टी की सरकार में कम भागीदारी की वजह से सारे काम पूरे नहीं हो सके। इसके पीछे दो अन्य मूल कारण भी थे जिसमें किसान आंदोलन और कोरोना संक्रमण जिसके चलते पार्टी कार्यकर्ता आमजन के बीच नहीं जा सके। उन्होंने प्रकोष्ठ पदाधिकारियों को उत्साहित करते हुए कहा कि संगठन मजबूत होने से सं या दस से 50 होने में देर नहीं लगेगी। उन्होंने सभी से संगठन को मजबूत कर और अधिक प्रभावी बनाने का आह्वान किया। मंच संचालक डबवाली हलकाध्यक्ष नरेंद्र बराड़ ने किया। इससे पूर्व जेजेपी के जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा व राजेंद्र गनेरीवाला ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर पार्टी को मजबूत बनाने व मिशन दुष्यंत 24 को ध्यान में रख कर आगे बढ़ने की बात कही। हज कमेटी के चेयरमैन मोहसिन चौधरी व अल्पसं यक सैल के प्रदेश संयोजक सर्वजीत सिंह मसीतां ने भी बतौर विशिष्ट अतिथि स मेलन को संबोधित किया। बैठक में जेजेपी के अल्पसं यक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक हाजी युसूफ खान, अकबर खान व गुरतेज सिंह मसूरिया ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रकोष्ठ सभी वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पंजाब पुलिस ने बंबीहा गिरोह के दो गुर्गे दबोचें, चार पिस्तौल बरामद

गिरफ्तार आरोपी अवतार वर्ष 2014 के जैतू दोहरे हत्याकांड में था वांछित

चंडीगढ़(हिंस)। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स ने एसएएस नगर पुलिस के साथ साझा आपरेशन के दौरान बंबीहा गैंग के दो गुर्गों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इनके पास से चार पिस्तौल व कारतूस बरामद किए हैं। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स ने एसएएस नगर पुलिस ने पुरानी अंबाला- कालका रोड, ढकोली से बंबीहा गैंग के अवतार सिंह उर्फ गोरा निवासी गांव सेवे वाला, फरीदकोट और अजय कुमार उर्फ प्रीत पंडित निवासी गांव गदापुर, पटियाला को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने इनके कब्जे में से .32 बोर की तीन पिस्तौल,

.30 बोर की एक पिस्तौल, छह मैगजीन सहित 16 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस ने इनके पास से एक बाइक भी जब्त की है। डीजीपी यादव ने बताया कि एक सूचना पर एआईजी एजीटीएफ संदीप गोयल के नेतृत्व में एक टीम ने दोनों को गिरफ्तार किया है। इस आपरेशन में डीएसपी एजीटीएफ विक्रम सिंह बराड़ भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार मुलजिम अवतार गोरा, जो कि गैंगस्टर गुरबख्श सेवेवाल का नजदीकी साथी है, वर्ष 2014 में जैतू में घटित सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड सहित कई मामलों में भगौड़ा था। एआईजी एजीटीएफ संदीप गोयल ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपी बंबीहा गिरोह के सदस्य हैं, जो गिरोह को लॉजिस्टिकस सहायता, ठिकाने और हथियार मुहैया करवाता था। दोनों राज्य में किसी सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे।

लोकसभा अध्यक्ष ने कोटा में यूथ हॉस्टल का किया लोकार्पण

कोटा (हिंस)। लोकसभा स्पीकर एवं कोटा-बूंदी से सांसद ओम बिरला ने बुधवार को कोटा में युवा खिलाडियों के लिए नवनिर्मित यूथ हॉस्टल का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि 20 वर्ष पहले पूर्व सांसद इज्यराज सिंह ने एक करोड़ की लागत से इसके निर्माण का प्रयास किया था। आज 2.70 करोड की लागत से इसके प्रथम चरण का निर्माण पूरा हुआ है। पहले चरण के लिए कुल 7.50 करोड़ स्वीकृत हुए हैं। इसका दूसरा चरण जल्द ही प्रारंभ होगा। जिसके लिए दस करोड़ का बजट और मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि कोटा-बूंदी क्षेत्र के हर युवा का एक ही छत के नीचे सभी तरह के स्पोर्ट्स की आधुनिक सुविधाएं मिलें। इसके लिए अगले पांच वर्ष में यहां अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कांप्लेक्स बनाने की योजना है। जिससे कोटा में विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं व संसाधनों, सिंथेटिक ट्रेक एवं प्रशिक्षण आदि का विस्तार होगा। इस अवसर पर लाडपुरा से भाजपा विधायक कल्पना देवी ने खिलाडियों का सपना पूरा करने के लिए सांसद का आभार जताया। समारोह में एथलीट कोच अजीत घोष,

बडी संख्या में युवा खिलाडी एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बिरला ने कहा कि हमारे मध्यमवर्गीय खिलाडियों को यहां ठहरने के लिए होटल में रुकना पडता था। युवा एथलीट के मन में टीस थी कि अन्य शहरों की तरह कोटा में भी यूथ हॉस्टल का निर्माण हो। उनका यह सपना पूरा करते हुए मुझे बहुत खुशी है। शहर में प्रत्येक युवा को स्वस्थ बने रहने के लिए सुबह 5-6 बजे खेल मैदान में आकर तन-मन से खेलना चाहिए।

आप कार्यकर्ता जुनून के दम पर जीतेंगे चुनावी जंग : नवीन

जोधपुर (हिंस)। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल और प्रदेश महासचिव विश्वेंद्र सिंह के सान्निध्य में जोधपुर में जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही शहर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी कार्यालय का उद्घाटन भी किया। इस दौरान गत विधानसभा चुनाव में जैतारण विधानसभा से निर्दलीय चुनाव लड़ चुके पुखराज बावरी ने अपने साथियों के साथ आम आदमी पार्टी का दामन थामा। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने कहा कि आजादी के बाद से अभी तक देश की बड़ी आबादी ऐसी है जिसको रोटी, कपड़ा और मकान के लिए रोज जूझना पड़ता है। आम आदमी की समस्याओं का समाधान करने के लिए अरविंद केजरीवाल दिनरात मेहनत कर रहे हैं। राजस्थान विधानसभा चुनाव करीब है जिसको लेकर बीजेपी और कांग्रेस अपने पूरे धनबल का इस्तेमाल करेगी लेकिन आम आदमी पार्टी के पास धनबल नहीं है। आम आदमी पार्टी के पास अगर कुछ है तो वो है कार्यकर्ताओं का हौसला। हमारे कार्यकर्ताओं में जुनून की जो ज्वाला है वो बुझने वाली नहीं। आम आदमी पार्टी अपने कार्यकर्ताओं के मनोबल और जुनून के साथ मिलकर धनाढ्य सियासी दलों का मुकाबला करेगी और विधानसभा चुनाव में जीत का परचम लहराएगी। प्रदेश महासचिव विश्वेंद्र सिंह ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अभी तक जितने भी सियासी दल चुनाव के समय जनता के बीच में आए हैं।

कुलगाम मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर

कुलगाम (हिंस)। कुज्जर इलाके में बुधवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ के दौरान दो आतंकियों को मार गिराया है। अभी और आतंकी सुरक्षाबलों के घेरे में फंसे हुए हैं, जिन्हें मार गिराने के लिए मुठभेड़ जारी है। कुलगाम जिले के कुज्जर इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ने पूरे इलाके की घेराबंदी करके तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान सुरक्षाबलों को पास आते देखकर आतंकवादियों ने गोलीबारी की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने अभी तक दो आतंकियों को मार गिराया है। माना जा रहा है कि अभी और आतंकी सुरक्षाबलों के घेरे में फंसे हुए हैं।

केंद्र व प्रदेश सरकार की कल्याणकारी नीतियों का लाभ उठाएं युवा : मनीष

रोहतक (हिंस)। आरपीएलओ व सूचना, जनसंपर्क संस्कृति एवम भाषा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में वैश्य कॉलेज प्रांगण में युवा हरियाणा बढ़ता हरियाणा विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मनीष ग्रोवर ने बतौर मुख्यअतिथि शिरक्त की, जबकि अध्यक्षता वैश्य शिक्षण संस्थान के प्रधान नवीन जैन ने की। अतिथिगणों ने द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मनीष ग्रोवर ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई है, जिनका युवाओं को लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज युवा नौकरी के अलावा खुद का व्यवसाय

भी खड़ा कर सकते हैं। मुख्य वक्ता डॉ. सुशील बाल्याण ने भी युवाओं का आह्वान किया कि वे लक्ष्य निर्धारित कर जीवन में आगे बढ़े। सरकार हर कदम पर युवाओं को प्रोत्साहन देने के लिए तत्पर है। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। समारोह में स्वच्छता पखवाड़े के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एनसीसी कैडेटस को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पारुल लता, राजेश नवल, संजीव सैनी, जय भगवान जांगड़ा, प्रशांत राणा, रणधीर पनिहार, डॉ. पिंक प्रभा ने भी अपने विचार सांझा किए।

मनप्रीत बादल पर गिरफ्तारी की तलवार, जमानत याचिका खारिज

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल पर गिरफ्तारी की तलवार लटक गई है। बठिंडा की कोर्ट ने बुधवार को मनप्रीत बादल की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। मनप्रीत को अब भगोड़ा घोषित करने की तैयारी है। इससे पहले मनप्रीत बादल के विदेश भागने की संभावना को

देखते हुए लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया था। गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद बठिंडा विजिलेंस की टीम मनप्रीत की गिरफ्तारी के लिए पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, उत्तराखंड, राजस्थान और दिल्ली में छापेमारी कर चुकी हैं, लेकिन मनप्रीत का कोई सुराग नहीं मिल सका है। मनप्रीत से जुड़े केस में विजिलेंस ब्यूरो तीन आरोपी राजीव कुमार निवासी न्यू शक्ति नगर बठिंडा, अमनदीप सिंह निवासी लाल सिंह बस्ती बठिंडा और विकास अरोड़ा निवासी टैगोर नगर बठिंडा को गिरफ्तार कर चुकी है। तीनों 14 दिन की न्यायिक हिरासत में चल रहे हैं।

किसान-मजदूर विरोधी गठबंधन सरकार से हर वर्ग परेशान : संदीप हुड्डा

रोहतक (हिंस)। हरियाणा किसान कांग्रेस के वाइस चेयरमैन संदीप हुड्डा ने कहा कि आज किसान मजदूर विरोधी गठबंधन सरकार से हर वर्ग परेशान है और सड़कों पर आंदोलन करने पर मजबूर है, लेकिन सरकार इस और कोई ध्यान नहीं दे रही है। यह बात उन्होंने बुधवार को गढ़ी सांपला किलोई विधानसभा के गांव ब्राहमणवास व चमारिया में ग्रामीणों से जनसंवाद के दौरान कही। उन्होंने कहा कि मंडियों में फसल की खरीद नहीं होने से किसान परेशान है, वहीं पढ़े लिखे युवा रोजगार की तलाश के लिए दर दर की ठोकरे खाने पर मजबूर है। बढ़ती महंगाई ने आमजन की कमर तोड़कर रख दी है। आज गठबंधन सरकार से पूरी तरह प्रदेश की जनता का मोह भंग हो चुका है और बेस्त्रबी से चुनाव का इंतार कर रही है, ताकि गठबंधन सरकार को वोट की चोट से आईना दिखाया जाए। इस दौरान ग्रामीणों ने मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर सरकार पर जमकर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनते ही लोगों को पहले की तरह से सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। संदीप हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के प्रति लोगों में काफी उत्साह है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में प्रदेश शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, विकास के मामले में जहां नंबर वन पर था और आज वहीं प्रदेश अपराध, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार में पूरे देश में नंबर वन पर पहुंच गया है। संदीप हुड्डा ने कहा कि पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा व सांसद दीपेंद्र की बढ़ती लोकप्रियता के चलते गठबंधन सरकार बौखला गई है।

प्रदेश में मतदाताओं की संख्या हुई पांच करोड़ छब्बीस लाख से अधिक

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में निर्वाचन विभाग द्वारा मतदाता सूचियों के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को राज्य के सभी 200 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की फोटोयुक्त मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन किया गया। यह सूची विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में मतदाता सूचियों के इस विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान 6 लाख 96 हजार 424 मतदाताओं की वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि अंतिम प्रकाशन की तिथि तक राज्य में कुल 5 करोड़ 26 लाख 80 हजार 545 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें से 2 करोड़ 73 लाख 58 हजार 627 पुरुष एवं 2 करोड़ 51 लाख 79 हजार 422 महिला मतदाता सम्मिलित हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर जानकारी दी गई तथा सभी राजनीतिक दलों से बीएलए नियुक्त करने का आह्वान किया गया है। साथ ही सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा भी जिला स्तर पर इस संबंध में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी दी गई। गुप्ता ने बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान निर्धारित अवधि में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रारूप-6 में कुल 10 लाख 92 हजार 358 आवेदन पत्र एवं प्रारूप-7 में विलोपन के लिए 3 लाख 95 हजार 934 आवेदन पत्र स्वीकार हुए। इस क्रम में राज्य की सभी विधानसभा क्षेत्रों में कुल 6 लाख 96 हजार 424 मतदाताओं की वृद्धि हुई है जो कि 1.27 प्रतिशत है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत अंतिम रूप से प्रकाशित मतदाता सूची में 80 वर्ष से अधिक आयु के कुल 11.78 लाख मतदाता, 100 वर्ष से अधिक आयु के कुल 17241 मतदाता पंजीकृत हैं। इसी प्रकार से कुल 5.61 लाख विशेष योग्यजन मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची में पंजीकृत इन मतदाताओं को निर्वाचन के समय होम वोटिंग के रूप में पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान की सुविधा का विकल्प प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान महिलाओं, ट्रांसजेंडरों, पीवीटीजी (विषेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों) आदि वर्गों के पंजीकरण को बढ़ाने के लिए विशेष शिविरों का आयोजन कर इन्हें मतदाता सूची में जोड़ा गया। इस क्रम में 20 सितंबर 2023 को विषेष रूप से नवविवाहित महिलाओं के पंजीकरण के लिए सभी जिलों में विशेष शिविर आयोजित किए गए, जिसके अंतर्गत कुल 32 हजार 247 नवविवाहित महिलाओं का पंजीकरण किया गया। अंतिम प्रकाशन की तिथि को राज्य में कुल 606 ट्रांसजेंडर मतदाता एवं 77 हजार 343 पीवीटीजी मतदाता पंजीकृत है। गुप्ता ने बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि में 27 अगस्त, 2023 एवं 10 सितंबर, 2023 को सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के प्रत्येक मतदान केंद्र पर विशेष शिविर आयोजित कर दावे एवं आपत्तियों के आवेदन पत्र प्राप्त किए गए। उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान अधिक ध्यान ऑनलाईन आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की ओर दिया गया। इसके लिए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं बूथ लेवल अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया तथा मतदाता साक्षरता क्लबों आदि के माध्यम से आम नागरिकों को जानकारी दी गई। मुख्य निवार्चन अधिकारी ने बताया कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूचियों में मृत/स्थानान्तरित मतदाताओं के नाम विलोपित कर मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण किया गया जिससे मतदाता-जनसंख्या अनुपात अंतिम प्रकाशन के दौरान 650 हो गया है, जो कि प्रारूप प्रकाशन की तिथि को 640 था। इसी प्रकार लिंगानुपात अंतिम प्रकाशन के दौरान 920 हो गया है जो प्रारूप प्रकाशन के दौरान 917 था। उन्होंने बताया कि मतदान केंद्रों के पुनर्गठन एवं सुव्यवस्थिकरण प्रक्रिया में भारत निर्वाचन आयोग से अनुमोदन प्राप्त होने के बाद राज्य में 601 मतदान केंद्रों का नवसृजन एवं 32 मतदान केंद्रों का समायोजन किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 569 मतदान केंद्रों की शुद्ध वृद्धि हुई है। पुनर्गठन उपरांत राज्य में मतदान केंद्रों की संख्या 51 हजार 187 से बढ़कर 51 हजार 756 हो गई है। वहीं जीर्ण-शीर्ण होने एवं एएमएफ सुविधाओं के अभाव वाले 427 मतदान केंद्रों का भवन परिवर्तन किया गया। गौरतलब है कि 2018 के आम विधानसभा चुनावों में प्रदेश मे 4 करोड़ 77 लाख 89 हजार मतदाता थे। इनमें 2 करोड़ 49 लाख 61 हजार महिलाएं और 2 करोड़ 28 लाख 27 हजार महिला मतदाता थे।

दवा कंपनी के भारतीय मूल के सीईओ अपने ऊपर लगे आरोपों को सुलझाएंगे, करना पड़ेगा दो करोड़ डॉलर का भुगतान

नई दिल्ली ।
अमेरिका में एक दवा कंपनी और उसके भारतीय मूल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ने अपने ऊपर लगे आरोपों को सुलझाने के लिए सामूहिक रूप से दो करोड़ डॉलर का भुगतान करने पर सहमति जताई है। न्याय विभाग के अनुसार उन पर अपनी अपनी आय की रक्षा के लिए मरीजों और चिकित्सकों को रिश्वत देने का आरोप है। पेन्सिलवेनिया के पूर्वी जिले की अमेरिकी अटॉर्नी जैकलिन सी. रोमेरो ने कहा, बायोटेक ने कथित तौर पर चिकित्सकों को अनुचित प्रलोभन दिया और सहभुगतान माफ करके मरीज को रेफर करने के लिए रिश्वत ली। रोमेरो ने एक बयान में कहा, चैतन्य गड्डे, डॉ. डेविड टैबी और अन्य की ओर से संचालित और कार्यान्वित बायोटेक ने इस बात की परवाह किए बिना कि रोगियों को वित्तीय कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है – बायोटेक के लिए एक स्थिर राजस्व प्रवाह सुनिश्चित किया। इससे जिले के नागरिकों के लिए रोगी देखभाल व्यवस्था कमजोर हुई। जब एक मेडिकेयर लाभार्थी मेडिकेयर जब कवर की गई प्रिस्क्रिप्शन दवा प्राप्त करता है, तो लाभार्थी को आंशिक भुगतान करने की आवश्यकता हो सकती है, जो सह-भुगतान, सह-बीमा या कटौती योग्य राशि के रूप में हो सकती है। अमेरिकी न्याय विभाग के एक बयान में कहा गया है कि अमेरिकी सरकार ने आरोप लगाया है कि बायोटेक, एक विशेष फार्मेसी जो दवाओं और जलसेक सेवाओं की पेशकश करती है, ने अगस्त 2015 से मई 2020 तक मेडिकेयर और ट्राइकेयर रोगियों के सह-भुगतान को नियमित रूप से माफ कर दिया ताकि उन रोगियों को अपनी दवाएं और सेवाएं खरीदने के लिए प्रेरित किया जा सके। न्याय विभाग की ओर से सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि बायोटेक द्वारा पेश की जाने वाली कई विशेष दवाएं महंगी थीं जिससे मरीजों को अधिक भुगतान करना पड़ा। इसमें आरोप लगाया गया है कि बायोटेक ने चिकित्सकों को उपहार, रात्रिभोज और मुफ्त प्रशासनिक और नैदानिक सहायता सेवाओं के रूप में पारिश्रमिक प्रदान किया ताकि वे मरीजों को बायोटेक रेफर करें।

न्यूज ब्रीफ

बिग बिलियन डेज के विज्ञापन को लेकर विवाद, अमिताभ बच्चन-फ्लिपकार्ट के खिलाफ शिकायत दर्ज

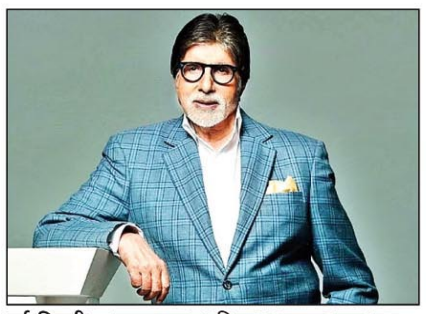

नई दिल्ली । महानायक अभिताभ बच्चन एक बार सुर्खियों में छा गए हैं। व्यापारियों के संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया (कैट) ने ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट और मेगास्टार अमिताभ बच्चन के खिलाफ उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय में शिकायत दर्ज कराई है। कैट ने फ्लिपकार्ट के आगामी बिग बिलियन डे सेल को लेकर जारी विज्ञापन को भ्रामक बताया है, जिसमें बच्चन ने काम किया है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) में दर्ज शिकायत में कैट ने विज्ञापन को देश के छोटे व्यापारियों के खिलाफ बताया है और विज्ञापन को वापस लेने की मांग की है। संगठन ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत गलत या भ्रामक विज्ञापन के लिए फ्लिपकार्ट पर अर्थदंड और बच्चन पर 10 लाख का जुर्माना लगाने की भी मांग की है। फ्लिपकार्ट ने इस मामले में जवाब के लिए भेजे गए मेल पर उत्तर नहीं दिया, जबकि बच्चन से संपर्क नहीं हो सका। शिकायत में कहा गया है कि विज्ञापन में एक जगह बच्चन उपभोक्ताओं से कह रहे हैं कि बिग बिलियन डे सेल में मोबाइल पर जो डील ऑनलाइन मिल रही है, वह रिटेल स्टोर्स पर ऑफलाइन उपलब्ध नहीं होगी। कैट का कहना है कि फ्लिपकार्ट बच्चन के जरिये मूल्यों को लेकर उपभोक्ताओं में भ्रम फैला रही है, जो कानून का उल्लंघन है।

भारत-जापान फंड के लिए हुआ 600 मिलियन डॉलर का करार, जलवायु और पर्यावरण की दिशा में होगा काम

नई दिल्ली । राष्टीय निवेश और अवसंरचना कोष ने जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन के साथ 600 मिलियन डॉलर का भारत-जापान फंड लॉन्च करने के लिए जेबीआईसी और भारत सरकार के साथ एंकर निवेशकों के रूप में करार किया है। यह संयुक्त पहल एक ऐसे क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग के एक प्रमुख आयाम का संकेत देती है जो जलवायु और पर्यावरण की दिशा में एक साझा प्राथमिकता है। वित्त मंत्रालय ने बयान जारी यह जानकारी दी है। एनआईआईएफ के पहले द्विपक्षीय फंड को चिह्नित करती है, जिसमें भारत सरकार ने लक्षित कोष का 49 प्रतिशत योगदान दिया है और शेष 51 प्रतिशत जेबीआईसी द्वारा योगदान दिया गया है। वित्त मंत्रालय के अनुसार फंड का प्रबंधन एनआईआईएफ लिमिटेड (एनआईआईएफएल) की ओर से किया जाएगा और जेबीआईसी आईजी (जेबीआईसी की सहायक कंपनी) भारत में जापानी निवेश को बढ़ावा देने में एनआईआईएफएल का समर्थन करेगी।

ब्रिटिश फैशन क्षेत्र की कंपनी का हुआ रिलायंस रिटेल से समझौता

मुंबई । ब्रिटिश फैशन क्षेत्र की खुदरा कंपनी 'सुपरड्राई' दक्षिण एशिया में अपनी बौद्धिक संपदा संपत्तियां रिलायंस रिटेल को चार करोड़ पाउंड (402 करोड़ रुपये) में बेचेगी। यह सौदा एक संयुक्त उद्यम के द्वारा होगा। सुपरड्राई के फैशन उत्पादों में स्वेटशर्ट, हुडी और जैकेट शामिल हैं। इसकी संयुक्त उद्यम में 24 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। शेष 76 प्रतिशत हिस्सेदारी रिलायंस रिटेल के पास रहेगी। समझौते के तहत दक्षिण एशिया में सुपरड्राई की ब्रांड आईपी संपत्तियां स्थायी रूप से नई संयुक्त उद्यम इकाई को स्थानांतरित कर दी जाएंगी। लंदन स्टॉक एक्सचेंज को भेजी सूचना में सुपरड्राई पीएलसी ने कहा कि उसने भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश में सुपरड्राई ब्रांड और संबंधित ट्रेडमार्क सहित अपनी बौद्धिक संपदा संपत्तियों की बिक्री के लिए रिलायंस ब्रांड्स होल्डिंग यूके लिमिटेड के साथ एक संयुक्त उद्यम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। ब्रिटेन की यह कंपनी इस समय अपने थोक भागीदारों से कमजोर ऑर्डर की समस्या से जूझ रही है। कंपनी ने कहा है कि उस 3.04 करोड़ पाउंड की सकल नकद आय की उम्मीद है। भारत में सुपरट्राई के 2012 से विशिष्ट फ्रेंचाइज भागीदार आरबीयूके का स्वामित्व रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) के पास अपनी अनुषंगी कंपनी रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड के जरिए है। सुपरड्राई ने कहा कि रिलायंस तीन देशों में ब्रांड परिचालन की देखरेख करना जारी रखेगी।

आरबीआई एमपीसी की बैठक शुरू शुक्रवार की सुबह होगा फैसले का एलान

नई दिल्ली ।
आरबीआई की तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक बुधवार को शुरू हुई। केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास छह अक्तूबर (शुक्रवार) की सुबह एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसलों का एलान करेंगे। बाजार के प्रतिभागी केंद्रीय बैंक की एमपीसी मीटिंग के एलान और नीतिगत रुख की बारीकी से निगरानी कर कर रहे हैं। आरबीआई आमतौर पर एक वित्तीय वर्ष में छह द्वि-मासिक बैठकें आयोजित करता है, जहां यह ब्याज दरों, धन की आपूर्ति, मुद्रास्फीति दृष्टिकोण और विभिन्न व्यापक आर्थिक संकेतकों पर विचार-विमर्श किया जाता है। एसबीआई रिसर्च के अनुसार, भारतीय केंद्रीय बैंक इस सप्ताह फिर से प्रमुख रेपो दर को स्थिर रख सकता है। एसबीआई समूह के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष की ओर से तैयार रिपोर्ट में हाल ही में कहा गया है, घरेलू स्तर पर हमारा मानना है कि इकोनॉमी 6.50 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ हम लंबे समय तक ठहराव की स्थिति में हैं क्योंकि मुद्रास्फीति में नरमी आ रही है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है, हमारा मानना है कि आरबीआई का रुख समायोजन को वापस लेने का ही रहना चाहिए क्योंकि 2023-24 की शेष अवधि में मुद्रास्फीति के पांच प्रतिशत से नीचे जाने की संभावना नहीं है।

रिजर्व बैंक ने अप्रैल, जून और अगस्त में रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था। रेपो रेट वह ब्याज दर होती है जिस पर आरबीआई दूसरे बैंकों को कर्ज देता है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल का भी मानना है कि मौद्रिक नीति समिति अक्टूबर की बैठक में नीतिगत दर को वर्तमान स्तर पर ही रखेगी। रिजर्व बैंक ने अगस्त में रेटव्यू- क्रिसिल का निकट भविष्य की दरों पर परिदृश्य शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा है कि 2024 की शुरुआत में नीतिगत दर में 25 बेसिस प्वांइट के कटौती की फिलहाल सशर्त संभावना है। इनफॉर्मिक्स रेटिंग्स का यह भी मानना है कि आरबीआई लगातार चौथी बार रेपो दर को अपरिवर्तित रखेगा।

खुदरा मुद्रास्फीति के एमपीसी की 6 प्रतिशत की ऊपरी सीमा को पार करने और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आक्रामक रुख को देखते हुए रिजर्व बैंक चौथी बार रेपो दर को अपरिवर्तित रख सकता है। मुद्रास्फीति विकसित अर्थव्यवस्थाओं सहित कई देशों के लिए चिंता का विषय रही है, लेकिन भारत अपने मुद्रास्फीति को काफी अच्छी तरह से प्रबंधित करने में कामयाब रहा है।

मुद्रास्फीति के खिलाफ लड़ाई में आरबीआई ने मई के बाद से रेपो दर को 250 आधार अंकों तक बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। ब्याज दरों को बढ़ाना एक मौद्रिक नीति साधन है जो आम तौर पर अर्थव्यवस्था में मांग को दबाने में मदद करता है, जिससे मुद्रास्फीति दर में गिरावट में मदद मिलती है। गेहूं, चावल और सब्जियों जैसे खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के कारण भारत में हेडलाइन मुद्रास्फीति जुलाई में बढ़कर 7.8 प्रतिशत पर पहुंच गई थी जो फिर अगस्त में घटकर 6.8 प्रतिशत पर आ गई। अगस्त की मौद्रिक नीति बैठक के बाद रिजर्व बैंक ने 2023-24 के लिए देश की खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को संशोधित कर 5.4 प्रतिशत कर दिया, जबकि जून की मौद्रिक नीति की बैठक में इसके 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के बाद कहा था कि निकट भविष्य में मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने जून की बैठक के बाद कही गई बातों को दोहराते हुए कहा था कि महंगाई को महज सहिष्णुता दायरे में लाना पर्याप्त नहीं है; हमें मुद्रास्फीति को 4.0 प्रतिशत के लक्ष्य आसपास रखने पर दृढ़ता से ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया है। अंतरराष्टीय बाजार में कच्चा तेल (क्रूड) हालांकि 90 डॉलर के करीब बना हुआ है। डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमतें 0.17 फीसदी बढ़कर 89.38 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गयीं। वहीं, ब्रेंट क्रूड भी 0.09 फीसदी ऊपर आकर 91 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर नजर डालें तो छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 60 पैसे और डीजल 59 पैसे महंगा हुआ है। वहीं महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल की कीमतें करीब 1 रुपये बढ़ गयी हैं। पेट्रोल 96 पैसे और डीजल 93 पैसे महंगा हुआ है। इसके अलावा पंजाब, गोवा, जम्मू-कश्मीर व केरल में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल आया है। दूसरी ओर मध्य प्रदेश में पेट्रोल की कीममें 30 पैसे और डीजल 28 पैसे कम हुई हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 20 पैसे कम हुई हैं। नोएडा में पेट्रोल 96.77 रुपये और डीजल 89.94 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है।

एलआईसी को आयकर विभाग ने भेजा 84 करोड़ का नोटिस

नई दिल्ली ।
भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को एक और नोटिस मिला है। इस बार एलआईसी को आयकर विभाग ने नोटिस भेजा है, आयकर विभाग ने तीन ऑडिट साल के लिए 84 करोड़ रुपये के जुर्माने का नोटिस एलआईसी को भेजा है। इस बारे में कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी देकर कहा कि उसने वह इस आदेश के खिलाफ अपील करेगी।

एलआईसी ने मामले में कहा है कि आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2012-13 के लिए कंपनी पर 12.61 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। वहीं आकलन वर्ष 2018-19 के लिए 33.82 करोड़ रुपये और 2019-20 के लिए 37.58 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इस तरह कुल मिलाकर 84 करोड़ रुपये जुर्माने की मांग की गई है।

बता दें, आयकर विभाग ने यह जुर्माना इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के सेक्शन 271(1)(सी) और 270ए के तहत लगाया गया है। इस मामले में आयकर विभाग ने एलआईसी को पेनल्टी नोटिस 29 सितंबर, 2023 को भेजा था, हाल ही में एलआईसी को एक और भारी-भरकम रकम का नोटिस जीएसटी प्राधिकरण की तरफ से मिला था। बिहार के जीएसटी प्राधिकरण से 290.50 करोड़ रुपये का टैक्स नोटिस एलआईसी को भेजा हैं। यह नोटिस बिहार के अतिरिक्त राज्य कर आयुक्त (अपील), सेंट्रल डिवीजन, पटना ने जारी किया और ब्याज एवं जुर्माने के साथ जीएसटी का भुगतान करने की मांग की है।

इसके बारे में सूचना देकर एलआईसी ने 22 सितंबर 2023 को शेयर बाजार बताया था कि वह इस नोटिस के खिलाफ जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष तय समय के अंदर अपील दायर करेगी। जीएसटी अधिकारियों ने एलआईसी पर बीमाधारकों से प्रीमियम अदायगी पर लिए गए इनपुट टैक्स क्रेडिट को नहीं लौटाने सहित कुछ अन्य उल्लंघनों के आरोप लगाए हैं।

शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन टूटा, सेंसेक्स 286 अंक कमजोर हुआ, निफ्टी 19450 के पास

नई दिल्ली ।
अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिफल के 16 साल के नए उच्च स्तर पर पहुंचने और नकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार बुधवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। लंबी अवधि के लिए ऊंची ब्याज दरों की आशंका से वैश्विक शेयर बाजार प्रभावित हो रहे हैं। इस बीच, बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केट कैप 2.49 लाख करोड़ रुपये घटकर 316.72 लाख करोड़ रुपये रह गया।

बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 286 अंक या 0.44 प्रतिशत कमजोर होकर 65,226 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 93 अंक या 0.47 प्रतिशत गिरकर 19,436 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ ही शेयर बाजार एक महीने से ज्यादा के निचले स्तर पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में एक्सिस बैंक में 4.7 प्रतिशत और भारतीय स्टेट बैंक में 2.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज फिनसर्व के शेयर भी नुकसान में रहे। वहीं दूसरी ओर नेस्ले, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस और इन्फोसिस बढ़त के साथ बंद हुए।

13 प्रमुख सेक्टोरल सूचकांकों में से 11 में गिरावट दर्ज की गई, जिसमें इंडेक्स हैवीवेट बैंक 0.98 प्रतिशत गिर गए। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और रियल्टी में क्रमशः 2.83 प्रतिशत प्रतिशत और 1.73 प्रतिशत की गिरावट आई। घरेलू स्तर पर अधिक केंद्रित स्मॉल और मिड-कैप ने ब्लू-चिप्स के मुकाबले 1.25 प्रतिशत से 1.5 प्रतिशत के बीच गिरावट दर्ज की।

मेटा में फिर छंटनी की तैयारी! कस्टम चिपसेट बनाने वाली डिवीजन से निकाले जा सकते हैं लोग

नई दिल्ली ।
वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा में फिर छंटनी की तैयारी चल रही है। कंपनी रियलमी लैब्स डिवीजन में नौकरियों में कटौती करने की तैयारी कर रही है। यह टीम कंपनी के लिए कस्टम चिपसेट बनाती है। रिपोर्ट के अनुसार, कर्मचारियों को कंपनी के पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से पहले ही छंटनी के बारे में सूचित किया जा चुका है। रिपोर्ट में कहा गया है कि छंटनी हो सकती जब प्रभावित कर्मचारियों को उनकी स्थिति के बारे में सूचित किया जाएगा।

मेटा ने छंटनी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। हालांकि, रिपोर्ट से पता चलता है कि कटौती फेसबुक एजाइल सिलिकॉन टीम या एफएएसटी के रूप में जानी जाने वाली टीम में होगी। इन छंटनी के संभावित महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है, क्योंकि वे मुख्य कार्यकारी मार्क जुकरबर्ग की संवर्धित और आर्टफिशियल उत्पादों को बनाने की महत्वाकांक्षी परियोजना को प्रभावित कर सकते हैं जो मेटावर्स के रूप में जानी जाने वाली इमर्सिव आभासी दुनिया तक पहुंच प्रदान करते हैं। इसमें एआर चश्मे का विकास भी शामिल है जिसके बारे में जुकरबर्ग का मानना है कि यह प्रौद्योगिकी के साथ हमारी बातचीत में क्रांति लाएगा। फास्ट यूनिट, जिसमें लगभग 600 कर्मचारी शामिल हैं, मेटा के उपकरणों के प्रदर्शन और दक्षता को बढ़ाने के लिए कस्टम चिप्स डिजाइन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जो उन्हें उभरते एआर/वीआर बाजार में अलग करता है। हालांकि, मेटा को आंतरिक रूप से प्रतिस्पर्धी चिप्स के उत्पादन में चुनौतियों का सामना करना पड़ा है और उसने अपने मौजूदा उपकरणों के लिए चिप्स बनाने के लिए चिपमेकर क्वालकॉम की ओर रुख किया है। इस साल की शुरुआत में एक बयान में, जुकरबर्ग ने संकेत दिया था कि साल की अधिकांश छंटनी वसंत के दौरान होगी, लेकिन स्वीकार किया कि कुछ बदलाव साल के अंत तक हो सकते हैं।

सोने-चांदी की कीमतो में फिर आई भारी गिरावट

नई दिल्ली।
सोने-चांदी की कीमत में गिरावट देखने को मिली है। 24 कैरेट के सोने की कीमत 10 रुपये कम होकर 57,370 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। 22 कैरेट के सोने का भाव 52,590 रुपये प्रति 10 ग्राम है। चांदी की कीमत 300 रुपये प्रति किलो कम होकर 70,700 रुपये प्रति किलो हो गई है।

दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में सोने की कीमत

दिल्लीः 24 कैरेट 57,530 रुपये और 22 कैरेट 52,750 रुपये प्रति 10 ग्राम।
मुंबईः 24 कैरेट 57,370 रुपये और 22 कैरेट 52,590 रुपये प्रति 10 ग्राम।
कोलकाताः 24 कैरेट 57,370 रुपये और 22 कैरेट 52,590 रुपये प्रति 10 ग्राम।

चेन्नईः 24 कैरेट 57,650 रुपये और 22 कैरेट 52,850 रुपये प्रति 10 ग्राम।

रुपया शुरुआती कारोबार में गिरावट पर खुला

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ 83.24 प्रति डॉलर पर आ गया। माना जा रहा है कि स्थानीय शेयर बाजार में कमजोरी और अमेरिकी मुद्रा में मजबूती के रुख से भी रुपये में ये गिरावट आई है। वहीं विदेश मुद्रा कारोबारियों के अनुसार विदेशी कोषों की लगातान निकासी से भी रुपये पर दबाव आया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.22 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 83.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। ये पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट है। वहीं गत दिवस रुपया 83.20 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 फीसदी नीचे आकर 107.14 पर आ गया। दूसरी ओर वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.11 फीसदी फिसलकर 90.82 डॉलर प्रति बैरल पर था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी कीमत

अंतरराराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी की कीमत में गिरावट देखने को मिली है। कारोबारी सत्र में सोने का दाम 0.17 प्रतिशत गिरकर 1828.40 डॉलर प्रति औंस हो गया है। वहीं, चांदी का रेट 0.48 प्रतिशत गिरकर 21.28 डॉलर प्रति औंस हो गया है। अमेरिकी फेड की ओर से ब्याज दरें बढ़ाने के कारण सोने और चांदी की कीमतों पर दबाव देखा जा रहा है। पिछले कुछ हफ्तों में से 70 डॉलर तक कम हो गई है।

वायदा बाजार में सोने-चांदी की कीमत

वायदा बाजार में सोने की कीमत में भी गिरावट हुई है। दिसंबर डिलीवरी के कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 89 रुपये या 0.16 प्रतिशत कम होकर 56,838 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गई है। एमसीएक्स पर 15,663 लॉट्स में कारोबार हुआ है। चांदी की कीमत में भी 128 रुपये की गिरावट एमसीएक्स के दिसंबर डिलीवरी के कॉन्ट्रैक्ट में देखने को मिली है। इस कारण चांदी का रेट 67,266 रुपये प्रति किलो हो गया है।

थके-थके लग रहे भाईजान, सलमान के परफार्म को देखकर फैंन को हुई चिंता

मुंबई (ईएमएस)। सलमान खान भले ही बॉलीवुड के सबसे फिट अभिनेताओं में से एक हैं। लेकिन हालिया वीडियो देखकर तो उनके फैंस की चिंता बढ़ गई। दरअसल हाल ही में सलमान खान का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें टाइगर 3 एक्टर नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में परफॉर्म करते हुए नजर आ रहे हैं। सलमान खान के इसी वीडियो को देखकर उनके फैंस चिंतित हो गए हैं। कई यूजर्स ने भी सलमान खान के वीडियो को शेयर करते हुए उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता जाहिर की है। वायरल हो रहे वीडियो में सलमान खान नई दिल्ली में एक इवेंट में दबंग फिल्म के पॉपुलर सॉन्ग हमका पीनी है पीनी है पर डांस करते देखे जा सकते हैं। इस दौरान वह काफी थके-थके लग रहे हैं। उनका वजन भी कुछ बढ़ा हुआ लग रहा है। सलमान खान के कई फैंस ने उनके थके हुए चेहरे और बढ़े वजन की ओर इशारा किया है। एक यूजर ने लिखा- उन्हें अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए और प्रॉपर रेस्ट करना चाहिए। एक अन्य ने लिखा- टाइगर 3 के बाद थोड़ा ब्रेक लेकर हेल्थ पर ध्यान दें। फिर वापस आएं, ऐसे तो नहीं चलेगा। गौरतलब है कि जल्दी ही सलमान खान यश राज फिल्म्स की अपकमिंग स्पाई थ्रिलर फिल्म टाइगर 3 में नजर आएंगे, जिसमें वह एक बार फिर रॉ एजेंट टाइगर की भूमिका को दोहराएंगे। फिल्म के टीजर को टाइगर का मैसेज नाम से पिछले हफ्ते ही जारी किया गया, जिसे अभिनेता के फैंस से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। जहां फैंस टाइगर के रूप में सलमान की वापसी का इंतजार कर रहे हैं, वहीं कुछ फैंस बॉलीवुड सुपरस्टार के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं। बता दें कि सलमान खान जल्दी ही टाइगर 3 में नजर आने वाले हैं, ये टाइगर फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है, जिसमें सलमान के साथ कैटरीना कैफ नजर आएंगी। इसके अलावा इमरान हाशमी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म का निर्देशन मनीष शर्मा ने किया है और खबर है कि इसकी कहानी आदित्य चोपड़ा ने लिखी है। जहां प्रशंसक टाइगर और जोया को बड़े पर्दे पर फिर से देखने के लिए उत्सुक हैं, इसके अलावा कई लोग फिल्म में पठान यानी शाहरुख खान का कैमियो देखने के लिए भी उत्सुक हैं।

विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वीं फेल का ट्रेलर लांच करने की हुई तैयारी

मुंबई (ईएमएस)। विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वीं फेल का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज की तैयारी पूरी कर ली है। इस फिल्म का ट्रेलर 3 अक्टूबर को लांच होने जा रहा है, जबकि फिल्म की रिलीजिंग डेट 27 अक्टूबर है। अनुराग पाठक की बेस्टसेलर किताब पर बेस्ड फिल्ममेकर विधु विनोद चोपड़ा की 12वीं फेल आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा और आईआरएस अधिकारी श्रद्धा जोशी द्वारा अपनाए गए रास्तों पर रोशनी डालती है। यह फिल्म यूपीएससी एग्जाम को चुनौती देने वाले उम्मीदवारों की अनगिनत रियल लाइफ स्टोरीज से इंस्पायर्ड है। यह प्रामाणिक रूप से उनकी यात्रा को दशार्ती है, जिसे रियल छात्रों के साथ रियल लोकेशन्स में फिल्माया गया है, जो यूपीएससी उम्मीदवारों, उनके अटूट संकल्प, मॉरल वैल्यूज और उनके द्वारा बनाए गए रिश्तों को पेश करती है। हाल ही में एक सूत्र ने बताया कि 12वीं फेल को लेकर प्रत्याशा तेज है, खासकर द वैक्सीन वॉर और फुकरे 3 के साथ एक्सक्लूसिवली इसका ट्रेलर आने की तैयारी है। निमार्ता ने फाइनली 3 अक्टूबर को फिल्म के ट्रेलर को डिजिटल रूप से जारी करने की योजना बनाई है।

इस फिल्म के ट्रेलर को दो फिल्मों की थिएट्रिकल स्क्रीनिंग के साथ अटैच किया गया था जिसमें विवेक रंजन अग्निहोत्री द्वारा निर्देशित द वैक्सीन वॉर और एक्सेल एंटरटेनमेंट की फुकरे 3 शामिल है। अब जहां 12वीं फेल का ट्रेलर 3 अक्टूबर को रिलीज होने वाला है, वहीं ये फिल्म 27 अक्टूबर को रिलीज होनी है। इससे फैन्स में फिल्म को लेकर और ज्यादा रोमांच पैदा होगा जो यादगार सिनेमाई अनुभव का वादा करने के लिए बेकरार है। फिल्म 12वीं फेल में विक्रांत मैसी प्रमुख भूमिका में हैं, विधु विनोद चोपड़ा और जी स्टूडियो द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित यह फिल्म इस माह रिलीज होने वाली है।

कास्टिंग काउच को लेकर नीना गुप्ता के बयान ने फिर मचाई खलबली

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस नीना गुप्ता का एक पुराना बयान इन दिनों फिर सुर्खियों में है। उन्होंने कास्टिंग काउच को लेकर कभी एक इंटरव्यू दिया था, उसके बाद न्यू कमर्स के लिए दिए बयान से काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। अब उनकी अपकमिंग फिल्म काफी चर्चा में है। नीना गुप्ता की फिल्म मेट्रो इन दिनों को लेकर मीडिया में खूब मसाला आ रहा है। अनुराग बसु द्वारा निर्देशित इस फिल्म में आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अनुपम खेर, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अली फजल और फातिमा सना शेख जैसे कलाकार शामिल हैं। आने वाली ये फिल्म अगले साल मार्च में रिलीज होगी। हालांकि फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर हिट बनाने के लिए सितारे लगातार फैंस के बीच जाकर फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। इसके साथ ही वे अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर खूब सारी बातें भी शेयर कर रहे हैं। इन्हीं सब के बीच नीना गुप्ता का एक पुराना इंटरव्यू काफी सुर्खियां बटोर रहा है, जिसमें उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच के मुद्दे अपना विचार साझा किया था।

हालांकि अब उन्हें अपने उस पूराने बयान को लेकर सोशल मीडिया पर काफी अलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि साल 2021 के एक इंटरव्यू में नीना ने कहा था कि किसी भी न्यू कमर एक्ट्रेस को फिल्म की भूमिका के लिए किसी के साथ सोने के लिए मजबूर नहीं किया जाता है। यह पूरी तरह से उन पर निर्भर करता है कि वे कितना समझौता करना चाहते हैं। उन्होंने इंडस्ट्री में आए नए कलाकारों को एक खास सलाह देते हुए एक वीडियो इंटरव्यू में कहा था, यहां, कोई भी आपको किसी के साथ सोने के लिए मजबूर नहीं करता है। यह आपको ही तय करना है कि आप कितना समझौता करना चाहते हैं। यह बहुत सरल है। यदि आप नहीं कहते हैं, तो 10 अन्य लड़कियां हां कहने को तैयार हैं। यह जरूरी नहीं है कि आप उनके साथ सोएं और वे आपको कोई रोल दे दें। नीना के इस बयान के करीब 2 साल बाद अब सोशल मीडिया पर आग लगा रही है। कोई उनके विचारों को बीमार मानसिकता करार दे रहा है तो कोई उनके कास्टिंग काउच की तुलना घरेलू हिंसा से कर रह रहा है।

सोहा और कुणाल ने की शानदार पार्टी होस्ट

बालीवुड एक्ट्रेस सोहा अली खान और कुणाल खेमू की बेटी इनाया के छठे बर्थडे पर घर पर शानदार पार्टी होस्ट की। पार्टी में इनाया के दोस्तों को इनवाइट किया। बेटी इनाया की बर्थडे पार्टी की तस्वीरें अब सोहा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं, जो फैंस का खूब दिल जीत रही हैं। सोहा अली खान द्वारा शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि 6 साल की इनाया अपने बर्थडे पर एक खूबसूरत सा केक काट रही हैं। इस दौरान उनके साथ मां सोहा, पापा कुणाल, मामा सैफ अली खान और मौसी सबा के अलावा तैमूर और जेह व अन्य उनके दोस्त दिखाई दे रहे हैं। अन्य तस्वीरों में इनाया बच्चों संग खेलती हुई और कॉटन कैंडी खाती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए सोहा अली खान ने कैप्शन में लिखा- जब आपका बच्चा कहता है कि मुझे बर्थडे पार्टी नहीं चाहिए, मुझे बस मेरे 3 सबसे करीबी दोस्त, मेरा परिवार और असीमित कॉटन कैंडी चाहिए... अपना आशीर्वाद गिनें!!

केबीसी के दौरान अमिताभ ने किया वहीदा रहमान के जीनियस मेकअप हैक का खुलासा

नई दिल्ली (ईएमएस)। केबीसी के एक शो में मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने हिंदी सिनेमा की बेहद सफल अभिनेत्री वहीदा रहमान की मेकअप तकनीक का खुलासा किया है। उन्होंने वहीदा रहमान की तारीफ करते हुए उनकी पसंदीदा मेकअप एसेसरी के बारे में बताया। बता दें कि क्विज-बेस्ड रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति सीजन 15 के एपिसोड 36 में, होस्ट अमिताभ बच्चन ने दिल्ली की ऋचा कुसुम सिंह का हॉट सीट पर स्वागत किया। उनसे 1000 रुपये के लिए सवाल पूछा गया कि इनमें से कौन सा शब्द एक छोटे गोल धातु के डिब्बे को को संदर्भित करता है, जिसमें दर्पण और पाउडर होता है? ऑप्शन थे, ब्रीफ, कॉम्पैक्ट, बैकपैक और काजल। सही उत्तर कॉम्पैक्ट था। इस दौरान बिग बी ने कहा, जब भी कोई आम तौर पर महिलाएं जल्दी मेकअप करना चाहती हैं तो वे कॉम्पैक्ट निकाल लेती हैं। उनके बैग में लिपस्टिक, काजल और कॉम्पैक्ट जरुर होता है। बिग बी ने कंटेस्टेंट से मजाकिया अंदाज में पूछा, महिलाएं इससे बहुत जुड़ी हुई हैं। आपको इसे लाने की जरुरत क्यों है? इस पर कंटेस्टेंट ने कहा, सर, सुंदर दिखने के लिए टचअप की जरूरत होती है। इस पर बिग बी ने कहा कि मुझे कुछ बताओ मैडम, इसमें इतना छोटा मिरर है, आपकी एक आंख भी इसमें नहीं समा सकती, आप इसमें अपना पूरा चेहरा कैसे देख सकती हैं? इसके बाद अमिताभ ने अपनी कभी-कभी की को-स्टार वहीदा रहमान के बारे में एक किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा वहीदा जी अपना पूरा मेकअप इसी से करती हैं। उनके पास उनका पसंदीदा कॉम्पैक्ट है जिसे वह अपने सभी मेकअप के लिए इस्तेमाल करती हैं। वह उस छोटे कॉम्पैक्ट को हर समय अपने साथ रखती हैं। जबकि ऐसी कई अभिनेत्री हैं जो सिर्फ अपने मिरर को पकड़ने के लिए 4 लोगों को साथ रखती हैं क्योंकि वे हमेशा एक बड़े साइज के मिरर में सब कुछ देखना होता है, मेकअप, ड्रेस और सब कुछ सही है।

उर्फी जावेद ने कर ली सगाई? मिस्ट्री मैन संग तस्वीरें वायरल

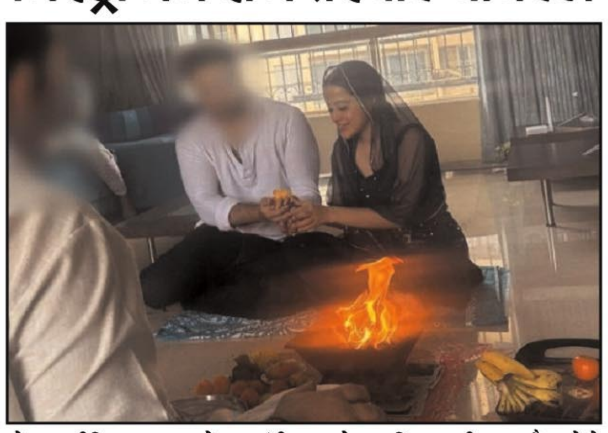

सोशल मीडिया पर अपने अतरंगी फैशन को लेकर चर्चा में रहने वाली उर्फी जावेद की एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। हालांकि, उर्फी ने इस बारे में कुछ भी पोस्ट नहीं किया है, लेकिन कुछ फैंस अनुमान लगा रहे हैं कि कहीं उर्फी ने सगाई तो नहीं कर ली है। वायरल फोटो में उर्फी काले कपड़ों में नजर आ रही हैं, लेकिन बगल में बैठे युवक का चेहरा छिपा हुआ है। दोनों के सामने हवन चल रहा है। उर्फी के माथे पर तिलक भी लगा है। फोटो देखकर ऐसा लग रहा है कि उर्फी या तो युवक की उंगली में कुछ लगा रही हैं या फिर उसके हाथ में कुछ बांध रही हैं। सोशल मीडिया पर यह फोटो वायरल होने के बाद लोग कमेंट कर उर्फी को शुभकामनाएं दे रहे हैं। साथ ही कई लोग ये भी पूछ रहे हैं कि वो लड़का कौन है। चूंकि यह फोटो वायरल है, इसलिए यह असली है या उर्फी की शूटिंग के दौरान की है, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है।

फिल्म 'टाइगर नागेश्वर राव' का ट्रेलर पांच अलग-अलग भाषाओं में रिलीज

अभिनेता रवि तेजा का फिल्म टाइगर नागेश्वर राव का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म का ट्रेलर हाल ही में दर्शकों के बीच आया है। फिल्म के ट्रेलर में रवि के कुछ एक्शन सीन्स देखने को मिल रहे हैं, जिसने कई लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। टाइगर नागेश्वर राव की फिल्म का ट्रेलर पांच अलग-अलग भाषाओं में रिलीज किया गया है। फिल्म के ट्रेलर में नुपुर सेन और रवि तेजा के बीच रोमांटिक केमिस्ट्री दिखाई गई है। साथ ही इस ट्रेलर में अनुपम खेर खास लुक में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म 70 के दशक की कहानी पर आधारित है। इस फिल्म का निर्देशन वामसी ने किया है। फिल्म का निर्माण मयंक सिंघानिया और अर्चना अग्रवाल ने किया है। यह फिल्म 20 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में रवि तेजा, नुपुर सेन, अनुपम खेर, गायत्री भारद्वाज, रेनू देसाई, जिशु सेनगुप्ता ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं।

योद्धा अब 8 दिसंबर को होगी रिलीज

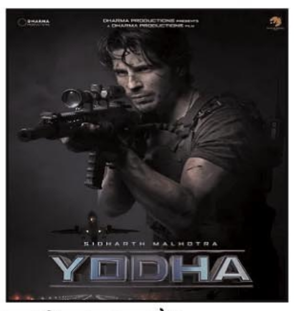

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा की आगामी फिल्म योद्धा की रिलीज डेट बदल गई है। फिल्म 15 को अपनी निर्धारित रिलीज से सप्ताह भर पहले 8 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सिद्धार्थ ने लिखा, हम 8 दिसंबर 2023 को योद्धा को सिनेमाघरों में उतारने के लिए तैयार हैं। फिल्म में सिद्धार्थ, दिशा पटानी और राशि खन्ना हैं। इसका निर्देशन नवोदित निर्देशक जोड़ी सागर अंब्रे और पुष्कर ओझा द्वारा किया जा रहा है।

वजन को लेकर ट्रोल हो रही बिपाशा

बॉलीवुड अभिनेत्री जहां अपने किलर और स्लिम फिगर से फैंस को मात देती हैं, वहीं कई बार उन्हें बढ़े हुए वजन को लेकर ट्रोल किया जाता है। मां बनने के बाद कई अभिनेत्रियों अपना फिगर तुरंत मेनटेन कर लेती हैं, तब कइयों का वजह बढ़ जाता है। वहीं, मां बनने के बाद अपने बढ़े वजन को लेकर बिपाशा बसु को भी ट्रोलिंग सामना करना पड़ा। इसी बीच हाल ही में बिपाश ने मोटापे को लेकर ट्रोल करने वालों को जवाब दिया। हाल ही में बिपाशा ने कहा, मैं ट्रोलर्स को कहना चाहूंगी कि कृपया ट्रोलिंग जारी रखें। यह बिल्कुल ठीक है क्योंकि मुझे कोई परेशानी नहीं है। बेटी ही मेरी प्राथमिकता है। मेरे जीवन में अब सब कुछ उसके इर्द-गिर्द घूमता है। करण तीसरे नंबर पर हैं।

मैं नंबर दो पर हूं और देवी नंबर एक पर हैं। बता दें, करण सिंह ग्रोवर और बिपाशा बसु ने साल 2016 में शादी की थी। शादी के 6 साल बाद कपल ने अपने पहले बच्चे यानी बेटी देवी का स्वागत किया, जिसके साथ दोनों बेहद खुश हैं।

सुभाष घाई ने द वैक्सीन वार की दिल खोलकर की तारीफ

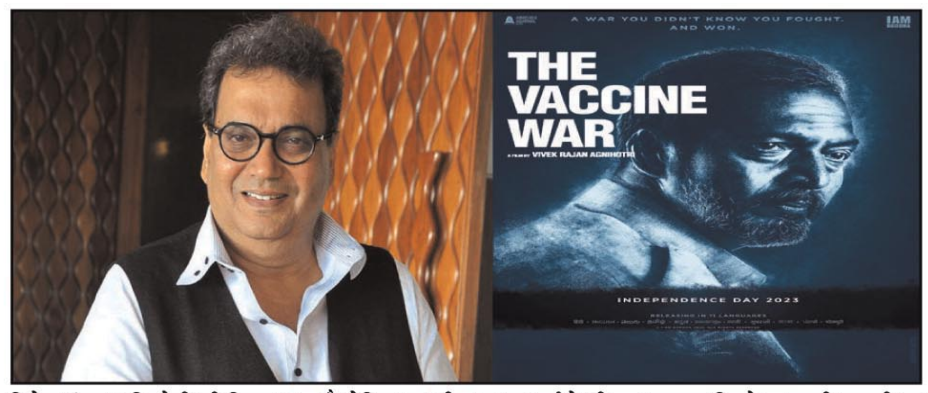

विवेक रंजन अग्निहोत्री की फिल्म द वैक्सीन वार 28 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में पल्लवी जोशी, नाना पाटेकर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म द वैक्सीन वॉर को राष्ट्रीय और विश्व स्तर पर व्यापक प्रशंसा के साथ रिलीज किया गया है। फिल्म को दर्शकों की तरफ से प्यार मिल ही रहा है लेकिन इस बीच सुभाष घाई ने भी फिल्म की तारीफ की है। भारतीय सिनेमा में अपने प्रभावशाली योगदान के लिए जाने जाने वाले प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता सुभाष घई ने एक पोस्ट शेयर कर फिल्म की सराहना की है। उन्होंने लिखा, कल मैंने कितनी शानदार फिल्म देखी द वैक्सीन वार। फि ल्म निमार्ता द्वारा एक प्रभावी सिनेमाई आख्यान विवके , सच्ची कहानी पर आधारित यह फिल्म...सचमुच एक भावनात्मक यात्रा...पूरी टीम को मेरी बधाई...यह फिल्म हर भारतीय को जरूर देखनी चाहिए।इस फिल्म में वैक्सीन के लिए भारतीय वैज्ञानिकों और महिलाओं की टीम ने कैसे अपनी जान जोखिम डाली उस कहानी को दिखाया गया है।

सूडोकु नवताल- 6573 (★★★★★ कठिनतम)

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6572 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7320

भा	क	श	त	रं	ज	के	खि	ला	ड़ी	र
र	च	ल	प	व	जी	ग	द	इ	मा	ली
त	र	र्म	ल	र	छ	पु	रा	ट	ह	क
क	स	ज	कु	ह	व	न	लू	ल	म	क
क	क	दो	र्बा	म	लं	रि	तू	ग	कि	क
जी	क	ल	नी	कि	झ	पू	श	ण	सी	को
ती	ज	मा	न	त	प	दे	श	र	से	ल
क	ता	दा	ई	से	र	क	फ	लो	क	न
ने	बा	चे	न्न	प	जी	ल	री	ग	म	स्ता
द	पा	ल	श	व	दा	दा	ऐ	बें	न	शो
क	क	दे	प	ची	न	रा	बा	द	हीं	ले

शब्द जाल में अमजद खान की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

शोले, चरस, शतरंज के खिलाड़ी, परवरिश, कुर्बानी, दादा, देश परदेश, हम किसी से कम नहीं, जमानत, लूटमार.

शब्दजाल - 7319 का हल

यु	क	दो	अ	ल्जी	रि	या	तू	ग	झ	क
ज	पा	ल	प	ह	भा	पू	ना	ट	र्की	को
अं	इ	कि	म	सं	र	ल	श	र	ला	ल
क	कु	दा	स्ता	धा	त	क	फ	लो	श	या
क	मो	श	न्न	न	क	ट	री	ग	रि	ता
द	र	ल	प	व	ज्पि	र्त	ऐ	जी	प	रु
ती	क्को	ल	श	इ	प	म	इ	कौ	ला	इ
क	इं	डो	ने	शि	या	ना	प्प	न	श	रा
क	स	बा	तें	व	न	ज	द	शा	जू	न
द	र	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	प	रु
बां	ग	ला	दे	श	नी	हो	जा	एं	प	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6273

2		3		4		
1	26		41		38	6
7	1		6	5		3
	34	5	33		25	
		2	3	7		1
5	32	6	29		34	4
3				2		7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6272 का हल

2	1	3	6	4	7	5
1	22	7	34	6	43	6
3	4	1	5	2	6	7
4	30	5	26	1	30	2
6	5	2	3	7	4	1
5	36	6	36	3	29	4
7	1	4	6	5	2	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

दीपिका-हरिंदर की जोड़ी स्कवॉश मुकाबले के फाइनल मे पहुंची अनाहत-अभय को सेमीफाइनल में हार के साथ मिला कांस्य

हांगझोउ ।
भारत की दीपिका पल्लीकल और उनके जोड़ीदार हरिंदर पाल सिंह संधू ने बुधवार को एशियाई खेलों के मिश्रित युगल स्कवॉश मुकाबले के फाइनल में जगह बनायी है। इसी के साथ ही जोड़ी ने भारत का एक और पदक पक्का कर दिया है। दीपिका और हरिंदर की जोड़ी ने हांगकांग की ली का यी और वोंग ची हिम की जोड़ी को सेमीफाइनल में 2-1 (7-11 11-7 11-9) से हराया। इस मुकाबले में शुरुआत में पिछड़ने के बाद भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी की। दीपिका और हरिंदर को सेमीफाइनल के पहले गेम में हार मिली पर इसके बाद वापसी करते हुए इस जोड़ी ने अगले दो गेम जीतकर मुकाबले को 38 मिनट में अपने नाम कर लिया। भारतीय जोड़ी ने दूसरा गेम केवल नौ मिनट में जीता जबकि तीसरे गेम में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और यह गेम 15 मिनट चला।

वहीं एक अन्य मुकाबले में भारम की ही अनाहत सिंह और अभय सिंह की दूसरी मिश्रित युगल जोड़ी को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इस भारतीय जोड़ी को मलेशिया की आइफा बिंटी अजमान और मोहम्मद सयाफिक बिन मोहम्मद कमाल की जोड़ी ने 1-2 (11-8, 2-11, 9-11) से हराया जिससे। इन्हें कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा। इस मुकाबले के दौरान अनाहत और अजमान आपस में टकरा भी गईं। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम आसानी से जीता पर मलेशिया की जोड़ी ने अगले दोनों गेम जीतकर भारतीय जोड़ी की उम्मीदें तोड़ दीं।

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने थाईलैंड को हराया

हांगझोउ । भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने एशियाई खेलों में बुधवार को थाईलैंड की टीम को 63-26 से हरा दिया। इसी के साथ ही सात बार की विजेता भारतीय टीम की नजरें अब स्वर्ण पर है। भारतीय टीम ने प्रतियोगिता के ग्रुप ए में थाईलैंड के खिलाफ 63-26 की आसान जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने थाईलैंड को 'ऑल आउट' कर जी दर्ज की। थाईलैंड के प्रमोत साइसिंग अंतिम खिलाड़ी बचे थे और जब वे रेड के लिए गए तो भारतीय टीम ने तीसरी बार 'ऑल आउट' किया। भारतीय टीम ने इस मुकाबले में शानदार शुरुआत करते हुए हाफ टाइम क 37-9 की बढ़त बनाई। भारत ने मुकाबले की शुरुआत में ही कुछ मिनटों में थाईलैंड की टीम को पहली बार 'ऑल आउट' कर दिया। भारत ने जल्द ही दूसरी बार भी थाईलैंड की टीम को 'ऑल आउट' किया।

न्यूज ब्रीफ

नीदरलैंड के खिलाफ उलटफेर का शिकार हो सकती है पाक : नासिर हुसैन

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा है कि 5 अक्टूबर को होने वाले नीदरलैंड के खिलाफ होने वाले मुकाबले में पाकिस्तान क्रिकेट टीम हार भी सकती है। नासिर ने हाल में पाक क्रिकेट टीम के खराब फार्म को देखते हुए ही ये बात कही है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार पाक एक ऐसी टीम है जो कभी शानदार प्रदर्शन करते हुए किसी भी टीम को हरा देती है पर कभी किसी नई टीम से भी हार कर सभी को हैरान कर देती है। यही पाक टीम का रवैया है। नासिर ने कहा, 'मुझे लगता है कि पाक टीम हालांकि काफी अच्छी टीम है। उन्हें पहले मैच में डच टीम को का सामना करना है पर वे यह मैच हार भी सकते हैं। पाक एक अलग प्रकार की टीम है उसमें जबर्दस्त लड़ाकू क्षमता है। अगर आप पिछले टी20 विश्वकप को देखें तो इसका अंदाजा होता है। शुरुआत में वे इससे लगभग बाहर थे पर अचानक ही फाइनल तक पहुंच गए। वे इसी तरह की शैली का क्रिकेट खेलते हैं। वह अविश्वसनीय प्रदर्शन करने वाली टीम हैं। हुसैन ने इसके साथ ही कहा कि पाक टीम यदि विश्वकप-2023 में विपक्षी टीम के खिलाफ अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही तो अपने को बड़ी ताकत भी साबित कर सकती है। यदि वे अच्छा स्कोर करने में सफल रहे तो दुनिया की कोई भी टीम उनके खिलाफ परेशानी में पड़ सकती है। इस टीम में फखर जमां, इमाम उल हक, इफ्तिखार, मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम जैसे बल्लेबाज हैं पर बाबर को छोड़कर अन्य बल्लेबाजों के प्रदर्शन में स्थिरता नहीं है। फखर जमा का फॉर्म में न होना भी चिंता का कारण है। वहीं तेज गेंदबाजी की बात करें तो नसीम शाह की गैरमौजूदगी से टीम को नुकसान होगा हालांक शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रऊफ, वसीम जूनियर और हसन अली जैसे तेज गेंदबाज उनके पास हैं। ऑलराउंडर शादाब का हालिया गेंदबाजी प्रदर्शन भी खराब रहा है। इससे बीच के ओवरों में पाक टीम मुश्किल में पड़ सकती है।

इंग्लैंड ने रखा भारतीय साइड आर्म स्पेशलिस्टः कोलकता के सपोर्ट स्टाफ में रह चुके सौरभ, लेफ्टी पेसर्स का सामना करने की तैयारी कराएंगे

मुम्बई । इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने वर्ल्ड कप के लिए अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव किए हैं। टीम ने स्टाफ में भारतीय साइड आर्म स्पेशलिस्ट सौरभ आंबटकर को शामिल किया है। सौरभ पूरे वर्ल्ड कप के दौरान इंग्लैंड टीम के साथ ही ट्रेवल करेंगें। इंग्लैंड 5 अक्टुबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरूआत करेगी। इंग्लैंड ने अपने बल्लेबाजों को लेफ्ट आर्म फास्ट बॉलिंग के लिए तैयार करने के लिए सौरभ को रखा है। इंग्लैंड के बल्लेबाज पिछले कुछ सालों से लेफ्ट आर्म पेसर्स के खिलाफ स्ट्रगल करते नजर आए हैं। इंग्लैंड का पहला मैच न्यूजीलैंड से है जहां लेफ्टी पेसर ट्रेंट बोल्ट टीम के लिए खतरा बन सकते हैं। सौरभ आईपीएल टीम कोलकता नाइट राइडर्स के साथ लंबे समय से जुड़े है। वह सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा रहे हैं। वहां उन्होंने इंग्लैंड के टीम मैनेजर वेन बेंट्ले के साथ मिलकर काम किया है। इंग्लैंड 5 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप का पहला मैच खेलेगी। यह मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत के खिलाफ इंग्लैंड का मुकाबला 29 अक्टूबर को लखनऊ में होगा। इंग्लैंड का वर्ल्ड कप स्क्वाडः जोस बटलर(कप्तान), जॉनी बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, डेविड मलान, जो रूट, मोईन अली, सैम करन, लियम लिविंगस्टन, बेन स्टोक्स, डेविड विली, क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, आदिल रशीद, रीस टॉप्ली, मार्क वुड।

विश्वकप के फाइनल में पहुंचेंगी ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका : फिंच

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एरोन फिंच ने कहा है कि इस बार ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की टीम फाइनल में पहुंचेगी। वहीं इससे पहले अधिकतर दिग्गजों ने भारत, पाकिस्तान और इंग्लैंड को प्रबल दावेदार बताया था। फिंच की राय सबसे हटकर है। उनका मानना है कि इस बार दक्षिण अफ्रीका की टीम सबको हैरान करेगी। विश्वकप की शुरुआत 5 अक्टूबर से होगी। फिंच की पसंदीदा दक्षिण अफ्रीका ने अब तक कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीता है। पांच बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को फाइनल का दावेदार माना जा सकता है पर दूसरी टीम के रूप में दक्षिण अफ्रीका का चयन सभी के लिए हैरत की बात है क्योंकि वह एक बार भी सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पायी है। फिंच का यह भी मानना है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम में छठी बार खिताब जीत सकती है। फिंच ने पिछले साल सितंबर में ही एकदिवसीय अंतराष्टीय को अलविदा कहा है। फिंच के इस अनुमान से पहले भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने जो बटलर की इंग्लैंड टीम को खिताब का प्रबल दावेदार बताया था। गावस्कर ने यह भी कहा था कि 2019 की चैंपियन इंग्लैंड अपने खिताब को बये रखने में सक्षम है क्योंकि वह एक संतुलित है।

भारत ने कोरिया को 5-3 से हराया, फाइनल में जगह बनाई ; रजत पदक पक्का किया

हांगझोऊ ।
एशियाई खेलों में पुरुष हॉकी के सेमीफाइनल में भारत ने दक्षिण कोरिया को 5-3 से हरा दिया है। इसके साथ ही भारत ने फाइनल में जगह बना ली है और कम से कम रजत पदक पक्का कर लिया है। भारत के लिए उपकप्तान हार्दिक सिंह ने पहला गोल किया। दूसरा गोल मनदीप सिंह ने किया। तीसरा गोल ललित उपाध्याय ने दागा। चौथा गोल अमित रोहिदास और पांचवां गोल अभिषेक ने किया। कोरिया के लिए जूंग मानजाई ने पहला, दूसरा और तीसरा गोल किया।

मैच में ऐसे हुए गोल

- पहला गोलः भारत के लिए पहला गोल पांचवें मिनट में आया। भारतीय टीम के पहले शॉट को कोरियाई गोलकीपर ने रोक लिया, लेकिन गेंद वापस हार्दिक सिंह के पास आ गई। उन्होंने रिबाउंड पर कोई गलती नहीं की और गेंद को गोलपोस्ट में डाल दिया।
- दूसरा गोलः टीम इंडिया ने दूसरा गोल 11वें मिनट में किया। गुरजंत ने लॉन्ग बॉल को संभाला और कोरिया के डी में पहुंच गए। उन्होंने गोलपोस्ट के पास खड़े मनदीप सिंह को पास कर दे दिया। मनदीप ने बिना कोई गलती किए गोल कर दिया।
- तीसरा गोलः भारत के लिए तीसरा गोल 15वें मिनट में आया। विवेक गेंद लेकर कोरिया के डी में पहुंचे। उन्होंने गुरजंत को पास किया। गुरजंत ने गोल का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हो पाए। कोरियाई टीम में उनके शॉट को रोक लिया। हालांकि, कप्तान हरमनप्रीत ने गेंद को किसी तरह अपने काबू में कर लिया और उसे ललित उपाध्याय की तरफ पास कर दिया। ललित ने कोई गलती नहीं की और गेंद को गोलपोस्ट में डाल दिया।
- चौथा गोलः 17वें मिनट में कोरिया ने अपना पहला गोल किया। पेनल्टी कॉर्नर पर फायदा उठाते हुए उसने मैच में अपना खाता खोला। कोरिया के लिए जूंग मानजाई ने पहला गोल किया।
- पांचवां गोलः 20वें मिनट में कोरिया ने अपना दूसरा गोल दागा। जुंग माजी ने एक बार फिर कमाल किया और अपनी टीम की वापसी कराई।
- छठा गोलः 24वें मिनट में अमित रोहिदास ने भारत के लिए चौथा गोल किया और टीम इंडिया को मैच में काफी आगे कर दिया।
- सातवां गोलः 42वें मिनट में कोरिया के लिए जुंग माजी ने तीसरा गोल किया और भारत की बढ़त कम की।
- आठवां गोलः 54वें मिनट में अभिषेक ने गोल कर भारत को अहम बढ़त दिलाई। अंतिम समय में किए गए उनके गोल से भारत को दो गोल की बढ़त मिल गई, जो कि निर्णायक साबित हुई।

नौ साल बाद फाइनल में पहुंचा भारत

भारतीय टीम 2014 के बाद पहली बार फाइनल में पहुंची है। 2018 में भारत को सेमीफाइनल में हार झेलनी पड़ी थी। उसके बाद ने भारत ने पाकिस्तान को हराकर कांस्य पदक पर कब्जा किया था। फाइनल में भारत का मुकाबला छह अक्तूबर को चीन या जापान से हो सकता है।

ग्रुप दौर में टीम इंडिया ने किए थे 58 गोल

भारतीय टीम एशियाई खेलों के मौजूदा संस्करण में शानदार फॉर्म में चल रही है। उसने ग्रुप दौर में अपने सभी पांच मैच जीते हैं। ग्रुप दौर में टीम इंडिया ने 58 गोल दागे थे। उसके खिलाफ सिर्फ पांच गोल हुए थे। सेमीफाइनल में भी भारत ने पांच गोल किए। हालांकि, दक्षिण कोरिया भी तीन गोल करने में सफल रहा।

एशियाई खेल 2023 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम का सफर

- पहला मैचः उज्बेकिस्तान को 16-0 से हराया।
- दूसरा मैचः सिंगापुर को 16-1 से परास्त किया।
- तीसरा मैचः जापान को 4-2 से हराया।
- चौथा मैचः पाकिस्तान को 10-2 से शिकस्त दी।
- पांचवां मैचः बांग्लादेश को 12-0 से हराया।
- सेमीफाइनलः दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराया।

आईसीसी ने विश्वकप के लिए सचिन को बनाया ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर

दुबई ।
अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को विश्व कप के लिए ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। सचिन अब अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच गुरुवार को होने वाले उद्घाटन मैच से पहले विश्व कप ट्रॉफी के साथ मैदान पर आएंगे और टूर्नामेंट के उद्घाटन की घोषणा करेंगे। तेंदुलकर ने यह जिम्मेदारी मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि विश्व कप के आयोजन से युवा लड़कों और लड़कियों का इस खेले के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। इससे उन्हें ऐसे प्रतिष्ठित मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा, इतनी सारी विशेष टीमें और खिलाड़ी यहां भारत में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में कड़ी प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं, मैं इस शानदार टूर्नामेंट का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। साथ ही कहा, मुझे उम्मीद है कि यह संस्करण भी युवा लड़कियों और लड़कों को खेल चुनने और उच्चतम स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित करेगा। वहीं आईसीसी के महाप्रबंधक, विपणन और संचार, क्लेयर फर्लांग ने कहा, यह प्रशंसकों को करीब लाएगा और हम इसके शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, सचिन को हमारे ब्रांड एम्बेसडर के रूप में रखना एक वास्तविक सम्मान की बात है क्योंकि हम एकदिवसीय का जश्न मनाते हैं और हम जानते हैं कि अब तक का सबसे बड़ा पुरुष क्रिकेट विश्व कप होने वाला है। उनके साथ खेल के नौ साथी दिग्गज भी शामिल हैं। इससे पहले बीसीसीआई ने भी उन्हें सम्मानित किया। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने विश्व कप के शुरु होने पहले उन्हें गोल्ड टिकट देकर सम्मानित किया था। इससे अलावा सचिन को विश्वकप में सबसे ज्यादा रन बनाने के लिए गोल्ड बैट से नवाजा गया था। इस महान बल्लेबाज ने क्रिकेट विश्व कप के 6 टूर्नामेंट खेले हैं और 2011 संस्करण में विश्वकप विजेता भारतीय टीम में वह शामिल रहे थे। अब विश्वकप की शुरुआत के ठीक पहले ही उन्हें ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर की जिम्मेदारी मिलना अहम उपलब्धि है।

विश्वकप में शुभमन तोड़ सकते हैं सचिन का एक रिकार्ड

मुम्बई ।
भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के पास पांच अक्टूबर से शुरु हो रहे एकदिवसीय विश्वकप में महान बल्लेबाज सचिन के एक रिकार्ड को तोड़ने का अवसर है। शुभमन ने अब तक के अपने सफर में शानदार प्रदर्शन किया है। इस युवा ने तीनों ही प्रारुपों में ईशान किशन, शिखर धवन और केएल राहुल को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में अब उम्मीद है कि शुभमन विश्वकप में तेंदुलकर का 25 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

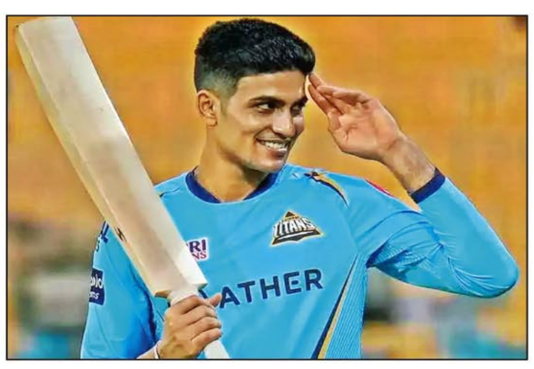

शुभमन ने साल इस साल अब तक एकदिवसीय क्रिकेट में एक हजार से ज्यादा रन बनाये हैं। इस बल्लेबाज ने इस साल अब तक पांच शतक लगाये हैं। इसमें एक एक दोहरा शतक भी शामिल है। इस साल शुभकन ने अब तक 1230 रन बनाये हैं। इस बल्लेबाज के पास अब सचिन का एक साल में सबसे अधिक रनों का रिकॉर्ड तोड़ने का अच्छा अवसर है। तेंदुलकर के नाम एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय में में एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने साल 1998 में एकदिवसीय में कुल 1894 रन बनाए थे। वहीं शुभमन को सचिन के इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए अब केवल 664 रन की ही जरुरत है। वहीं उनके पास इस साल अभी 12 से 14 एकदिवसीय मैच बचे हुए हैं। भारतीय टीम विश्व कप में ही कम से कम 9 मैच खेलेगी। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दिसंबर में 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज होनी है। शुभमन ने इस साल अबतक 20 एकदिवसीय में 1230 रन बनाये हैं। इस दौरान उनका औसत 72.35 रहा है। वह यदि 868 या 1008 रन बनाते हैं तो फिर वह इस प्रारुप में 2000 का आंकड़ा छू सकते हैं।

विश्वकप में खिलाड़ियों पर दबाव को हावी नहीं होने देंगे : रोहित

नई दिल्ली ।
भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उनकी टीम विश्वकप में पूरे उत्साह से उतरेगी। रोहित ने कहा कि पिछले एक दशक में कोई आईसीसी खिताब नहीं जीतने के कारण टीम पर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं है। भारतीय टीम को अपनी धरती पर होने वाले इस विश्वकप में खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। भारतीय टीम ने हालांकि पिछले एक दशक से कोई आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती है जिससे माना जा रहा है कि उसपर दबाव होगा पर रोहित ने ऐसी किसी भी संभावना से इंकार किया है। रोहित ने कहा कि वह खिलाड़ियों पर किसी भी प्रकार के दबाव को हावी होने नहीं देंगे।

भारतीय टीम ने इससे पहले साल 2013 में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। उसके बाद से ही टीम कोई खिताब नहीं जीत पायी है। भारतीय टीम साल 2017 में भी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची पर तब उसे पाकिस्तान के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी टीम इंडिया दो बार पहुंची थी पर वहां भी उससे विफलता मिली। रोहित ने कहा, 'यह सही है कि हम 2013 से कोई आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीते हैं लेकिन मैं एक व्यक्ति के रूप में इस बारे में ज्यादा विचार कर बिना बात के दबाव में नहीं आता।. इंग्लैंड टीम ने भी अभी-अभी जीतना शुरू किया है, कई सालों के बाद उन्होंने विश्वकप जीता है। ऐसा होता है। ऑस्ट्रेलिया ऐसी एकमात्र टीम है जिसने लगातार जीत हासिल की है। साल 2007 के बाद उन्होंने 2015 में भी एकदिवसीय वर्ल्डकप जीता, दुबई में उन्होंने टी20 वर्ल्डकप भी जीता।

रोहित ने साथ ही कहा, 'ऐसे में विश्वकप कौन जीतेगा,मेरे पास इसका जवाब नहीं है। मैं केवल यह जानता हूं कि हमारी टीम अच्छी स्थिति में है और हर कोई फिट है, इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं कह सकता। वैसे यदि प्रशंसकों की उम्मीदें बहुत ऊंची न हों तो मुझे खुशी होगी। लोग जैसी उम्मीद लगाए हैं, हम उस पर नियंत्रण नहीं कर सकते। हम जहां भी जाते हैं, वे कहते हैं विश्वकप जीतना है। यह सिलसिला सब जगह होता है और ये रुकने वाला नहीं है।

भारत को मिला 16वां स्वर्ण

ज्योति-ओजस ने रचा इतिहास; 16 में 15 तीर सटीक निशाने पर दागे

हांगझोऊ ।
एशियाई खेल 2023 में भारत ने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। भारत की झोली में 16 स्वर्ण सहित 71 पदक आ चुके हैं। अब तक एशियाई खेलों में भारत ने अपना सबसे बेहतरीन प्रदर्शन 2018 में किया था। तब भारत ने कुल 70 पदक जीते थे। एशियाई खेलों के 11वें दिन ज्योति सुरेखा और ओजस देवतले की जोड़ी ने देश को 71वां पदक दिलाया और एशियाई खेल 2023 को भारत के लिए यादगार बना दिया। तीरंदाजी की मिश्रित स्पर्धा में भारतीय जोड़ी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह मौजूदा एशियाई खेलों में भारत को 16वां स्वर्ण था। फाइनल मुकाबले में भारत ने दक्षिण कोरिया को 159-158 के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। आइए जानते हैं कि भारतीय जोड़ी ने कैसे स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

पहला राउंडः भारत के दोनों तीरंदाजों ने दोनों प्रयास में 10-10 अंक हासिल किए और भारत को पूरे 40 अंक मिले। वहीं, दक्षिण कोरिया के तीरंदाजों ने एक प्रयास में नौ अंक हासिल किए। पहले राउंड के बाद स्कोर 40-39 से भारत के पक्ष में था।

दूसरा राउंडः कोरियाई जोड़ी ने पहले प्रयास किया और सभी चार तीर सटीक निशाने पर दागकर 40 अंक हासिल किए। भारतीय तीरंदाजों ने भी कोई गलती नहीं की और पूरे 40 अंक हासिल किए। दूसरे राउंड के बाद भारतीय टीम 80-79 के स्कोर से आगे रही।

तीसरा राउंडः कोरियाई तीरंदाजों ने दबाव में अच्छा प्रदर्शन किया और पूरे 40 अंक हासिल किए। भारत की तरफ से ओजस ने एक प्रयास में नौ अंक हासिल किए और भारत की बढ़त खत्म हो गई। तीसरा राउंड खत्म होने के बाद दोनों टीमें 119-119 के स्कोर के साथ बराबरी पर रहीं।

चौथा राउंडः भारतीय ने पहले प्रयास किया और दोनों तीरंदाजों ने 10 अंक हासिल किए। वहीं, कोरिया के जू नौ अंक ही हासिल कर पाए। भारत के पास एक अंक की बढ़त हो गई। अपने आखिरी प्रयास में चारों तीरंदाजों ने 10 अंक हासिल किए। हालांकि, जू की गलती के चलते अंत में भारतीय टीम 159-158 के स्कोर से आगे रही और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारत के लिए ज्योति ने शानदार प्रदर्शन किया और सभी आठ प्रयासों में सटीक निशाने पर तीर दागे। उन्होंने पूरे 80 अंक हासिल किए। वहीं, तेजस एक प्रयास में नौ ही अंक हासिल कर पाए थे। उन्होंने अपने आठ प्रयासों में 79 अंक हासिल किए।

विश्व कप इतिहास में भारत के सबसे सफल कप्तान हैं धोनी

नई दिल्ली । रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम पांच अक्टूबर से शुरु हो रहे एकदिवसीय विश्वकप में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम के पास इस बार अपनी घरेलू धरती पर विश्वकप जीतने का अच्छा अवसर है। भारत ने अब तक 1983 और 2011 में दो बार विश्वकप जीता है। ऐसे में प्रशंसकों को इस बार भी भारतीय टीम से जीत की उम्मीद रहेगी। भारतीय टीम ने पहली बार विश्वकप कपिल देव की कप्तानी में जीता था जबकि दूसरी बार उसने ये खिताब महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में जीता धोनी की कप्तानी में भारत ने 2011 और 2015 एकदिवसीय विश्व कप खेले। 2007 का टी-20 विश्व भी भारत ने धोनी की कप्तानी में जीता था। ऐसे में उन्हें जीत का अनुभव था। 2015 में टीम ऑस्ट्रेलिया से सेमीफाइनल में हारकर बाहर हो गई थी। उस सत्र में भारतीय टीम ने आठ में से सात मुकाबले जीते थे। इस तरह धोनी विश्व कप इतिहास में भारत के सबसे सफल कप्तान हैं, जिन्होंने 17 में से 14 जीते हैं ।

हेयर फॉल से बचने के लिए अपने डाइट में करे इन बीजों का इस्तेमाल

इन दिनों बालों की समस्या आम होती जा रही है। लोग बालों को हेल्दी रखने के लिए कई उपाय अजमाते हैं। घरेलू उपाय से लेकर महंगे हेयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इतना करने के बाद भी बालों का टूटना कम नहीं होता। आप जो खाते हैं, उसका भी असर बालों पर पड़ता है। ऐसे में आज आपको कुछ सीड्स के बारे में बताएंगे, जिन्हें आप अपनी डाइट में शामल करेंगे, तो हेयर फॉल की समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

कद्दू के बीज : इन बीजों में आयरन और विटामिन-सी पाया जाता है। आप कद्दू के बीजों को सलाद या सब्जी में शामिल कर खा सकते हैं। जिससे बालों की ग्रोथ तेजी से होती है।

सूरजमुखी के बीज : सूरजमुखी के बीज पौष्टिक तत्वों से भरपूर होते हैं। ये बालों को होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इनमें जिंक और ओमेगा 3 फैटी एसिड भी होते हैं, जो बालों के विकास को बढ़ावा देते हैं। आप इसका इस्तेमाल नाश्ते में जई, दही, सूप, स्मूदी, सब्जियां और सलाद आदि में कर सकते हैं।

अलसी के बीज : हेयर फॉल कंट्रोल करने के लिए आप अपनी डाइट में अलसी के बीजों को शामिल कर सकते हैं। इससे बाल झड़ना कम हो सकता है। ये बीज रक्त शर्करा और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में भी मदद करते हैं। आप इन बीजों को नाश्ते में शामिल कर सकते हैं।

मेथी के बीज : बालों की ग्रोथ के लिए मेथी दाने काफी कारगर है। आप इसे बालों पर लगाने के अलावा खा भी सकते हैं। इससे बालों से जुड़ी समस्याएं कम होती है।

कलौंजी के बीज : कलौंजी के बीजों से आपके बालों को पोषण मिल सकता है। इसमें एंटी फंगल और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो आपके बालों को कई समस्याओं से निजात दिलाते हैं।

तिल के बीज : बालों के विकास के लिए तिल के बीज काफी फायदेमंद माना जाता है। तिल खनिज, विटामिन और फैटी एसिड से भरपूर होते हैं जो बालों को चमक और मजबूती देते हैं। इसका इस्तेमाल सब्जी, सलाद आदि में किया जाता है। आप तिल से लड्डू भी बना सकते हैं।

आईसीसी विश्व कप 2023 का टिकट मत मांगना

विराट कोहली के बाद अनुष्का शर्मा ने किया एलान

हिंदी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा का नाम इन दिनों प्रेग्नेंसी खबरों को लेकर चर्चा में बना हुआ है। वहीं दूसरी ओर अनुष्का के पति और टीम इंडिया के विस्फोटक बल्लेबाज विराट कोहली आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 की तैयारियों में जुटे हुए हैं। आगामी वनडे वर्ल्ड कप की टिकटों को लेकर विराट ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर किया है, जिस पर अब अनुष्का ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। क्रिकेट के महाकुंभ आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 का आगाज 5 अक्टूबर से होने जा रहा है। इससे पहले विराट कोहली ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर इस प्रतियोगिता की टिकटों को लेकर मजेदार पोस्ट शेयर किया है। विराट इंस्टा स्टोरी में लिखा है कि वर्ल्ड कप टूर्नामेंट का समय करीब आ रहा है, उसके आधार पर मैं अपने सभी दोस्तों, रिश्तेदारों और करीबियों से कहना चाहूंगा की कृपया कर के मैच की टिकट को लेकर कोई सपंर्क न करें और अपने घर पर बैठकर इस वर्ल्ड कप का पूरा मजा लें। इस पोस्ट को अनुष्का शर्मा ने अपनी इंस्टा स्टोरी में शेयर किया है और लिखा है कि ऐसे में अगर आपके मैसेज का कोई जवाब न मिले तो मेरे पास कोई उम्मीद लेकर न आएं, मैं आपकी कोई मदद नहीं कर सकती। समझदार के लिए इशारा काफी। इस तरह से विराट और अनुष्का ने मजेदार अंदाज में फैंस खास निवेदन किया है। साल 2017 में अनुष्का शर्मा ने भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली के साथ शादी रचाई। इसके बाद साल 2021 में अनुष्का ने बेटी वामिका को जन्म दिया। हाल ही में ये खबर सामने आई है कि अनुष्का दोबारा से कोहली के बच्चे की मां बनने जा रही हैं। हालांकि अभी तक इस मामले की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

एआर रहमान ने सर्जन एसोसिएशन पर लगाया मानहानि का आरोप

एक लाइव शो के दौरान एआर रहमान खराब मैनेजमेंट की वजह से सुर्खियों में थे। अब रहमान एक बार फिर एक अलग वजह से खबरों में हैं। दिग्गज संगीत निर्देशक एआर रहमान ने एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया को कानूनी नोटिस भेजा है। रहमान ने एसोसिएशन पर वार्षिक सम्मेलन में उनका नाम खराब करने का आरोप लगाया है। रहमान ने मानहानि के लिए 10 करोड़ रुपए का मुआवजा भी मांगा है। एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया ने आरोप लगाया है कि 2018 में रहमान को संस्थान के 78वें वार्षिक सम्मेलन में प्रदर्शन करना था, लेकिन वह शामिल नहीं हो सके। इसके लिए एडवांस के तौर पर लिए गए 29.5 लाख रुपए रहमान ने नहीं लौटाए हैं। हालांकि, एआर रहमान की वकील नर्मदा संपत ने चार पेज के जवाब में आरोपों से इनकार किया है। कोर्ट को सौंपे गए नोटिस में एआर रहमान ने कहा है कि उन्होंने एसोसिएशन के साथ कभी कोई समझौता नहीं किया। हालांकि कहा जा रहा है कि पब्लिसिटी के लिए उनकी प्रतिष्ठा खराब करने की कोशिश की जा रही है। इतना ही नहीं दावा किया गया है कि रहमान को इसके लिए एडवांस के तौर पर कोई रकम नहीं मिली। साथ ही उन्होंने यह भी साफ किया है कि रहमान पर लगाए जा रहे आरोप सिर्फ मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए लगाए जा रहे हैं। इसलिए, नर्मदा संपत ने मांग की है कि एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया को रहमान से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए। इसके साथ ही नोटिस में यह भी कहा गया है कि रहमान को 15 दिन के अंदर 10 करोड़ की रकम का भुगतान किया जाए।

बेजान त्वचा से पाना चाहते हैं छुटकारा तो चेहरे पर लगाएं दूध से बने ये चार तरह के फेस पैक

दूध सेहत के अलावा स्किन के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन, कैल्शियम, पोटैशियम, प्रोटीन और लैक्टिक एसिड, विटामिन बी12, बी6 जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो स्किन को हाइड्रेट और मॉइस्चराइज करने के साथ कोलेजन के उत्पादन को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। अगर आप ग्लोइंग स्किन चाहते हैं, तो स्किन केयर रूटीन में कच्चा दूध शामिल कर सकते हैं। आप इसका इस्तेमाल कर कई तरह के फेस पैक बना सकते हैं, जो स्किन को हेल्दी रखने में मदद करते हैं। इस फेस पैक को बनाने के लिए एक बाउल में दो चम्मच कच्चा दूध लें। इसमें 1 बड़ा चम्मच शहद और नींबू का रस मिलाएं। यह मिश्रण प्राकृतिक ब्लीच के रूप में काम करता है। इस पेस्ट को अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। करीब 15 मिनट बाद पानी से धो लें। इस पैक को बनाने के लिए बादाम को रात भर कच्चे दूध में भिगो दे। अगली सुबह इसका पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**